रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

रांची, बुधवार 24 जुलाई 2024 🌣 श्रावण कृष्ण पक्ष 03 संवत 2081 🔾 पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 🐧 🔾 वर्ष : 2, अंक : 106

आमंत्रण मूल्य : र 3 मात्र

बजट एक नजर में

रोजगार के लिए तीन स्कीम

वेतन के कुछ हिस्से का बोझ सरकार उठाएगी. नई नौकरी वालों को डायरेक्ट

बेनिफिट ट्रांसफर भी मिलेगा. अतरिक्त रोजगार

देने वाले उद्योगों के कर्मचारियों का ईपीएफ सरकार देगी.

गठबंधन के भागीदार वाले राज्यों बिहार व आंध्रप्रदेश को करीब

50,000 करोड़ रुपए की सीधी मदद. अन्य स्कीमों में आवंटन

बुनियादी के लिए 26000 करोड़, बिहार को बाढ़ प्रबंधन के

लिए 1500 करोड़ और मिलेंगे. बिहार में मंदिरों के विकास के

बजट लिए करीब 37000 करोड़ रुपए की सीधी घोषणा. आंध्र

इंडस्ट्रियल कॉरीडोर और पिछड़े इलाकों के अलग से मदद.

अलग से. बिहार को पैकेज नहीं मगर सडक पुल हाइवे,

प्रदेश को इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के लिए 15000 करोड,

फॉर्मल सेक्टर में उद्योगों को रोजगार देने पर

प्रोत्साहन. पहली बार नौकरी पाने वालों के

गांवों में निवेश

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना

का चौथ चरण आएगा. इससे

गावों में निवेश बढ़ने की

संभावना है.

लांग टर्म कैपिटल गेन्स टैक्स की सीमा 10 से 12 लाख कर दिया गया है. लेकिन टैक्स की दर 10 प्रतिशत से बढाकर 12.5 प्रतिशत कर दिया गया है. इसके साथ ही कुछ निवेशों पर शॉर्ट टर्म टैक्स 20 प्रतिशत किया गया है.

चुनाव परिणामों से नसीहत

कंपनियां रोजगार दें, वेतन व ईपीएफ का

कुछ खर्च सरकार उठाएगी. कोरोना के दौरान ऐसी स्कीम का प्रयोग हुआ था,

सफलता सीमित रही थी.

गठबंधन का दबाव

एनपीए बढ़ने का डर

मुद्रा लोन की सीमा दस लाख से

बढा कर 20 लाख कर दी गई है. इससे बैंकों का एनपीए बढ़ने

नई इनकम टैक्स रिजीम में दो रियायतें दी

बढ़ाकर 75,000 कर दिया गया है. आम करदाताओं को 17500 की रियायत मिलेगी

कैपिटल गेन्स

गई है. स्टैंडर्ड डिडक्शन 50,000 से

का डर है.

इनकम टैक्स

नोकरो वालो क

• रोजगार सृजन, छोटे उद्योगों को प्रोत्साहन पर जोर

किसानों को तोहफा, युवाओं के लिए रोजगार

मध्यम वर्ग को कर में मामूली राहत

नई कर प्रणाली में बदलाव

17.5 हजार तक की होगी बजत

पहले	अब	टैक्स क	ी दर
3 लाख	3 लाख	00	६४ हजार महीने
3 से 6 लाख	3 से ७ लाख	5 %	तक की कमाई
६ से ९ लाख	७ से १० लाख	10%	टैक्स के दायरे
९ से १२ लाख	१० से १२ लाख	15 %	में नहीं
१२ से १५ लाख	१२ से १५ लाख	20%	10 M
१५ लाख से ऊपर	१५ लाख से ऊपर	30 %	TAN

क्या सस्ता-क्या महंगा

झारखंड की झोली में क्या आया

ये चीजें होंगी सस्ती

चमड़े के जूते, कपड़े, सोना-चांदी, तांबा, लोहा-स्टील, मोबाइल फोन, मोबाइल चार्जर, इलेक्ट्रिक व्हीकल, कैंसर दवा, प्लेटिनम, बिजली के तार, एक्सरे मशीन, समुद्री भोजन, क्रूज यात्रा,फुटवियर और सोलर सेट्स.

निर्मला सीतामरण ने बजट पेश करते

लिए पूर्वोदय योजना की भी घोषणा की

हुए नॉर्थ ईस्ट राज्यों के विकास के

है. इसका सीधा लाभ झारखंड और

यहां के आदिवासियों को मिलेगा.

झारखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल

ओडिशा और आंध्र प्रदेश के सर्वांगीण

घोषणा की गयी हैं. झारखंड समेत इन

सभी राज्यों का विशेष राज्य की तरह

आदिवासी-बहल गांवों और आकांक्षी

जिलों में आदिवासी परिवारों के लिए

संतृप्ति कवरेज को अपनाएगी. इससे

रेल परियोजनाओं को मिला

विस्तार: राज्य की पुरानी रेल

परियोजनाओं के विस्तार का ऐलान

63,000 गांवों को कवर किया जाएगा.

विकास किया जाएगा. यह योजना

विकास के लिए पूर्वोदय योजना की

निर्मला सीतारमण के बजट में

इनके बढ़ेंगे दाम

सिगरेट, हवाई जहाज से यात्रा, प्लास्टिक का सामान, दूरसंचार उपकरण और पेट्रोकेमिकल.

हुआ है. इसके तहत कई किमी रेल

झारखंड में 1000 करोड़ से गोइलकेरा

-मनोहरपर थर्ड लाइन का 40 किमी

रांची रेल लाइन का 58 किलोमीटर का

रुपए में रांची लोहरदगा टोरी का 113

किलोमीटर रेल लाइन का दोहरीकरण

किया जाएगा. राजखरसवा सिन्नी थर्ड

लाइन के विस्तार का प्लान है. इसके

अलावा और भी कई परियोजनाओं को

बजट की

होगा. 250 करोड़ रुपए से बंदमुंडा

विस्तार किया जाएगा. 9.50 करोड़

किलोमीटर विस्तार किया जाएगा.

साथ ही मरी बरकाकाना 58

विस्तार मिला है.

लाइन के विस्तार का प्लान है.



किया १२

इंडस्ट्रियल पार्क

का ऐलान

मोदी 3.0 का

पहला आम बजट

नयी दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को पेश आम बजट में आयकर मोर्चे पर मध्यम वर्ग एवं नौकरीपेशा लोगों को राहत देने और अगले पांच साल में रोजगार सृजन के लिए दो लाख करोड़ रुपए के आवंटन की घोषणा की . इसके साथ ही उन्होंने सत्तारूढ गढबंधन में शामिल सहयोगी दलों के शासन वाले राज्यों- बिहार और आंध्र प्रदेश के लिए कई परियोजनाओं का भी ऐलान किया. भाजपा को लोकसभा चुनाव में अपने दम पर बहुमत नहीं मिलने के लिए ग्रामीण असंतोष और बेरोजगारी को जिम्मेदार माना गया है . सीतारमण ने वित्त वर्ष 2024–25 के बजट में ग्रामीण विकास के लिए 2.66 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया . वहीं आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए बजट में बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए 11.11 लाख करोड़ रुपए का आवंटन किया गया है. यह सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 3.4 प्रतिशत है. सीतारमण ने अपना सातवां और नरेंद्र मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल का पहला बजट पेश करते हुए स्टार्टअप में सभी श्रेणी के निवेशकों के लिए 'एंजल कर' समाप्त करने की घोषणा की . जब कोई गैर-सूचीबद्ध या स्टार्टअप कंपनी शेयर जारी कर पूंजी जुटाती है और उसका मूल्य कंपनी के उपयुक्त बाजार मूल्य से अधिक होता है, तब उस पर 'एंजल कर' लगाया जाता है. बजट में मोबाइल फोन एवं सोने पर सीमा शुल्क में कटौती की गई है और पूंजीगत लाभ कर को

सरल बनाया गया है.



₹**2553930000000**

रेलवे के लिए सरकार ने खोल दिया खजाना, अब तक का सबसे बड़ा बजट

- रेलवे के लिए अब तक का सबसे बड़ा बजट आवंट
- सरकार ने विकास के लिए 2 .55 लाख करोड़ रुपये दिए
- चालू वित्त वर्ष में 2500 जनरल कोच के निर्माण का लक्ष्य



लाख करोड़ रुपए का प्रावधान ग्रामीण विकास के लिए

पहली नौकरी मिलने पर सीधे खाते में आएंगे 15 हजार

पीएफ भी सरकार देगी

2.1 करोड़ युवाओं के लिए बड़ा एलान

सीतारमण ने कहा, रोजगार और कौशल विकास सरकार की नौ प्राथमिकताओं में से एक है. इसके तहत पहली बार नौकरी करने वालों को बड़ी मदद मिलने जा रही है. संगठित क्षेत्र में पहली बार नौकरी की शुरुआत करने वालों को एक महीने का वेतन दिया जाएगा. यह वेतन डीबीटी के जरिए तीन किस्तों में जारी होगा. इसकी अधिकतम राशि 15 हजार रुपये होगी. ईपीएफओ में पंजीकृत लोगों को यह मदद मिलेगी. योग्यता सीमा एक लाख रुपये प्रति माह होगी. इससे 2.10 करोड यवाओं को फायदा होगा.

बजट रोजगार वाल • पहली नौकरी पर ईपीएफओ में तीन विकास में 16 प्रजाप जाना कारण जाएंगे

■ टॉप-500 पांच हजार प्रतिमाह का में 12

इंटनिशय महीने की भगा, छड इंटर्नीराग हजार की

में एक क्रमोड युवाओं को मिलेगा



2 लाख करोड़ रुपये के प्रावधान के साथ युवाओं के लिए 5 स्कीम. ५ करोड़ से ज्यादा युवाओं को होगा लाभ. रोजगार सजन को प्रोत्साहन देने के लिए 3 स्कीम.

 हर नए कर्मचारी के लिए कंपनियों को 2 साल तक हर महीने 3-3 हजार रुपए का रिम्बर्समेंट मिलेगा. इससे ५० लाख लोगों को लाभ होगा.

मुख्य बातें • कृषि व उससे जुड़े सेक्टर के लिए 1.52 लाख करोड़ रुपए का प्रावधान. किसानों और उनकी जमीनों को मिलेगा डिजिटल पब्लिक इंफ्रा का फायदा. फार्मर एंड लैंड रजिस्ट्री के दायरे में आएंगे 6 करोड़ किसान.

 विकसित भारत का इंजन बनेंगे पूर्वी राज्य. बिहार को मिले 3 एक्सप्रेस-वे. २६ हजार करोड़ रुपए की लागत से बनेंगी नई सड़कें. गया में बनेगा औद्योगिक

 फॉर्मल सेक्टर में वर्कफोर्स से जुड़ने वालों को डाइरेक्ट बेनेफिट ट्रांसफर के तहत 15 हजार रुपए तक का फायदा दिया जाएगा. इसके लिए १ लाख रुपए तक की सैलरी वाले कर्मचारी पात्र होंगे. इससे २ लाख से ज्यादा युवाओं को लाभ.

 मुद्रा लोन की लिमिट बढ़ाई गई. अब इस स्कीम में 20 लाख रुपए तक के लोन मिलेंगे.

बिहार, आंध्र

और मिडिल

क्लास की

बल्ले-बल्ले

 मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में रोजगार सजन. ईपीएफओ मे कंट्रीब्यूशन के हिसाब से फर्स्ट टाइम एम्पलॉइज को मिलेगा प्रोत्साहन. ३० लाख युवाओं को होगा फायदा. 9. अगली पीढ़ी के सुधार

मोदी 3.0 की नौ प्राथमिकताएं

1. कृषि में उत्पादकता और लचीलापन 2 . रोजगार और कौशल 3 . समावेशी मानव संसाधन विकास

और सामाजिक न्याय 4. विनिर्माण और सेवाएं

5 . शहरी विकास

6 . ऊर्जा सुरक्षा

7 . बुनियादी ढांचा ८ . नवाचार, अनुसंधान और विकास

ले आउट

किस मद में कितनी राशि

4 .55 लाख करोड़ 23-24 4 .54 लाख करोड़ खाद (२५ हजार करोड कम)

23-24 1.89 लाख करोड़ 24-25 1.64 लाख करोड़ फूड सब्सिडी (7000 करोड़

कम) 23-24 2.12 लाख करोड़ 2 .05 लाख करोड़ 24-25 कृषि (८००० करोड़ बढ़ा)

1.43 लाख करोड़ 1.51 लाख करोड 24-25



23-24 2.12 लाख करोड़ 1.02 लाख करोड़ 24-25 पूर्वोत्तर भारत (कोई बदलाव नहीं 23-24 5900 करोड़ 5900 करोड़ 24-25

Named and the high properties of the properties

युवाओं-मध्यम वर्ग को मिलेगी नई ताकतः मोदी

पीएम नरेंद्र मोदी ने बजट देश को समृद्धि की ओर लेकर जाएगा. इसमें सभी वर्गों का ध्यान रखा गया है. ये शक्ति देने वाला बजट है. ये किसानों-युवाओं को प्रगति की राह पर ले जाना वाला बजट है. ये युवाओं को अनिगनत मौके देने वाला बजट है. इस बजट से मिडिल क्लास को नई ताकत मिलेगी. ये जनजातीय समाज, दलित, पिछड़ों को सशक्त करने की योजनाओं के साथ आया है. इससे महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी. इस बजट से व्यापारियों, लघु उद्योगों को प्रगति का नया रास्ता मिलेगा.

विशेष आयोजन



हमारे न्याय पत्र का कॉपी-पेस्ट बजटः राहुल

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा, सरकार ने 'कुर्सी बचाओ' बजट पेश किया है. यह कांग्रेस के चुनावी घोषणापत्र और पिछले बजटों की नंकल है. अपने मित्रों को खुश किया गया, 'एए' को लाभ दिया गया, लेकिन आम लोगों को कोई राहत नहीं दी गई. ये हमारे न्याय पत्र का 'कॉपी-पेस्ट' है. इस देश को आगे बढ़ाने के लिए कांग्रेस के पास ही विजन है. मोदी की तीसरी सरकार के खोखले वादे पहले की तरह निरर्थक साबित होंगे. बजट पूरी तरह दिशाहीन है. इसमें कई राज्यों के साथ अन्याय हुआ है.



चयन पर्षद की बैठक में 49 दारोगा की प्रोन्नति पर किया

गया था विचार: गौरतलब है कि डीजीपी अजय कुमार सिंह

की अध्यक्षता में चयन पर्षद की बैठक हुई थी. इस बैठक में

राज्य के अलग-अलग जिले में पदस्थापित 49 दारोगा की

प्रोन्नित पर विचार किया गया . 49 में से 22 सब इंस्पेक्टर

को इंस्पेक्टर के प्रोन्नित के योग्य पाया गया . वहीं 22 अन्य

सब इंस्पेक्टर को वृहत सजा प्रभावी होने के चलते प्रोन्नति

के लिए अयोग्य पाया गया . पांच ऐसे सब इंस्पेक्टर हैं,



राशिफल आचार्य प्रणव मिश्रा



विदेश यात्रा का योग है. आय भी होगी, पर गलत आय से बचें. नौकरी में पदोन्नित होगी. बेरोज्गारी दूर ह्रोकर प्रसन्न्ता बनी रहेगी. निवेश शभ रहेगा. मेष बोहरी सहयोग से कार्य होगा. नए कार्य की शुरुआत हो सकती है. यात्रा लाभदायक रहेगी. गणेश जी का पूजन करें.



समाज में प्रतिष्ठा बढ़ेगी. सरकारी कार्य में गति मिलेगी. पिता के स्वास्थ्य पर ध्यान दें. किसी संत से शुभ ज्ञान प्राप्त होगा. पुराने भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी. आत्मविश्वास बढता है. व्यवसाय ठीक हैं. चिंता और तनाव रहेगा.



धर्म में मन लगेगा. ससुराल से संबंध सुधार होगा. साथ ही लाभ की स्थित बनेगी. नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं. अप्रत्याशित लाभ होगा बेरोजगारी दूर होगी. सक्रिय रहना होगा परिवार की चिंता रहेगी. व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी



नया कार्य के पहले बिचार अतिआवश्यक है. इससे बचना होगा. अप्रत्याशित खर्च सामने आयेंगे स्वास्थ्य कमजोर रहेगा. कार्य में बाधा होगी. धन और कीर्ति की हानि हो सकती है. जोखिम व जमानत के कार्य टालें. कीमती वस्तुएं संभालकर रखें.

कार्यस्थल पर तनाव हो सकता है. पुरानी लेनदारी



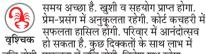
कार्य में सफलता मिलेगी. मान-सम्मान में वृद्धि होगी. बेरोजगारी दूर होगी. नेत्र तथा सिर दर्द हो सकता है. व्यावसायिक कठिनाई दूर होगी. चिंता कम रहेगी. प्रसन्नता बनी रहेगी. कार्य में लगन



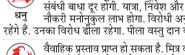
बढ़ेगी. शिवलिंग पर जलाभिषेक करें.

कन्या

अपरिचित से लेन-देन में सावधानी रखें. विवाद को तूल न दें. आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है. अपनों से सहयोग नहीं मिलेगा. चिंता रहेगी. विस्तार कार्यो में देरी हो सकती है. हिम्मत रखो नकारात्मकता बढेगी. फल का दान करें.



स्फलता हासिल होंगी. परिवार में आनंदोत्सव वृश्चिक हो सकता है. कुछ दिक्कतों के साथ लाभ में वृद्धि होगी. प्रसन्नता में वृद्धि होगी. निवेश शुभ रहेगा. उन्नित के प्रयास कोमल् रहेंगे. रोजगार में वृद्धि होगी. धन प्राप्ति सुगूम होगी. भूमि और भवन



धनु नौकरी मनोनुकुल लाभ होगा. विरोधी अनुकूल रहेंगे हैं. उनका विरोध ढीला रहेगा. पीला वस्तु दान करें. वैवाहिक प्रस्ताव प्राप्त हो सकता है. मित्र व संबंधियों से लाभ होगा. कोर्ट कचहरी के काम निबट करेंगे. निवेश शुभ रहेगा. यात्रा से लाभ होगा. नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है.

प्रसन्नता में वृद्धि होगी. जोखिम व जमानत के कार्य टालें.



रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे. आय में वृद्धि होगी. निवेश सोच विचार कर ही करे, धन र्फसने का योग है. यात्रा अनुकूल रहेगी. बेचैनी रहेगी. अपनों से संबंध बिगड़ सकते हैं. वाणी पर नियंत्रण रखें.किये गए कार्य का लाभ होगा.



धन मिलने से मन प्रसन्न होगा. विदेश में बसे लोगों के लिए लाभ का समय है.. निद्रा में कमी आएगी. पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा. नौकरी में काम का दबाव अधिक हो सकता है. आय में वृद्धि होगी. परहित के काम करने का मौका मिल सकता है

सुदेश महतो दिल्ली रवाना, हो सकती है सीट शेयरिंग पर चर्चा

रांची। आजसू सप्रीमो सुदेश कुमार महतो मंगलवार को दिल्ली रवाना हुए. उनके दिल्ली जाने को लेकर राजनीतिक गलियारों में कयासों का दौर शुरू हो गया है. कयास लगाया जा रहा है कि भाजपा आलाकमान के साथ विधानसभा चुनाव को देखते हुए सीट शेयरिंग पर भी चर्चा हो सकती है. साथ ही चुनावी रणनीति पर भी चर्चा हो सकती है. इससे पहले रांची में सुदेश महतो ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से भी मुलाकात की थी. ज्ञात हो कि विधानसभा चनाव को देखते हुए आजस पार्टी भी कई कार्यक्रम चला रही है.

राज्य की जनता खौफ में जी रही अपराधी मौज में : बाबुलाल मरांडी

रांची। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, कांग्रेस और झामुमों सरकार में अपराधियों का बोलबाला इस कदर बढ़ गया है कि शिक्षक समेत राज्य के अन्य कर्मचारी नौकरी छोड़ कर दूसरे प्रदेश में जाने को विवश हैं. भय का वातावरण सिर्फ सड़कों पर ही नहीं है, लोगों के जहन में भी है. जब चोरों, डकैतों और अपराधियों को संरक्षण स्वयं सरकार से मिल रहा है, तो जनता करे तो करे क्या? सरकार में घरों के टुटे हुए ताले भी अब चोरों को मिली हिम्मत की दाद दे रहे हैं. महिलाएं असुरक्षित हैं, बच्चे डरे हुए हैं, झारखंडवासी परेशान हैं और हेमंत सरकार में अपराध और अपराधियों का कोई निदान नहीं है.

शुरू से मैं स्वयंसेवक रहा, यह मेरा सौभाग्य : बाबूलाल ने एक्स पर एक दूसरा पोस्ट भी किया है. उन्होंने पोस्ट में लिखा कि मेरा सौभाग्य है कि मैं अपने जीवन के प्रारंभिक दिनों से ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का स्वयंसेवक रहा हूं. संघ की गतिविधियों से जुड़कर व्यक्तिव विकास, चरित्र निर्माण, समाजसेवा और राष्ट्रप्रेम की भावना विकसित होती है. दुर्भावना एवं पूर्वाग्रह की राजनीति से प्रेरित होकर कांग्रेस ने केंद्रीय कर्मचारियों को संघ की गतिविधियों में भाग लेने पर प्रतिबंध लगा दिया था. पीएम नरेंद्र मोदी की सरकार ने कांग्रेस के इस तुगलकी फैसले को बदलकर समाज के बड़े वर्ग को संघ के संस्कार प्राप्त करने का अवसर प्रदान किया है. इस निर्णय के लिए प्रधानमंत्री का हृदयतल से आभार.

सहायक पुलिसकर्मियों का आंदोलन

जारी रहेगा. उन्होंने अपने आंदोलन

को आगे भी जारी रखने की घो,मा

की है. सहायक पुलिसकर्मियों के

अनुसार, सरकार के साथ सोमवार

हुई वार्ता में जिन बिंदुओं पर सहमति

बनी है, अगर उन मांगों को 24

जुलाई को होनेवाली कैबिनेट की

पुलिस विभाग में उलट-फेर: डीजीपी के आदेश पर डीआईजी कार्मिक ने जारी किया आदेश, गई अफसर किए गए डिमोट

आउट ऑफ टर्न प्रमोशन पाकर एएसआई बने १२ अफसर फिर से बने सिपाही

सौरभ सिंह। रांची

आउट ऑफ टर्न प्रमोशन पाकर सब इंस्पेक्टर बने 12 पुलिस पदाधिकारी फिर से सिपाही बनाए गए हैं. हाईकोर्ट के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई है. डीजीपी के आदेश पर डीआईजी कार्मिक ने इससे संबंधित आदेश जारी कर दिया है.

जिन्हें फिर से सिपाही बनाने का आदेश दिया गया है, उनमें धनंजय कुमार सिंह, सुखराम नाग, संजय कुमार शर्मा (वर्तमान बोकारो जिला बल), रामाकांत राय (वर्तमान में पलामू जिला बल) विशु उरांव, उपेंद्र कुमार राय (वर्तमान में सरायकेला जिला बल) ,मारवाड़ी उरांव, योध्या उरांव (वर्तमान में देवघर जिला बल), सलन पॉल केरकेट्टा (वर्तमान में



धनबाद जिला बल), महेश्वर महतो (वर्तमान रामगढ़ जिलाबल), भूतनाथ सिंह मुंडा (वर्तमान में चाईबासा जिला मो. अबरार (वर्तमान हजारीबाग जिलाबल) और इंस्पेक्टर अमरनाथ-2 (मृत) शामिल हैं.

बताया जा रहा है कि सिमडेगा जिला बल के तत्कालीन पुलिसकर्मी अरुण कुमार ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी. इसमें बताया गया था

2008 में दिया गया था इन्हें प्रमोशन

राजधानी

सिमडेगा के बांसजोर ओपी पर दो जनवरी 2008 की रात उग्रवादियों ने हमला कर दिया था . इस हमले में पलिसकर्मियों ने अदम्य साहस का परिचय देते हुए उग्रवादियों से लोहा लिया था. इसके बाद सिमडेगा के तत्कालीन एसपी ने आउट ऑफ टर्म प्रोमोशन की अनुशंसा कर दी थी . इसके बाद ही 12 सिपाहियों को प्रोमोशन देते हुए एएसआई बना दिया गया था.

कि प्रमोशन के वक्त उन्हें दरकिनार कर दिया गया. प्रोन्नित समेत अन्य मामले को लेकर हाईकोर्ट में (एलपीए

22 दारोगा, इंस्पेक्टर रैंक में प्रोन्नति के योग्य पाए गए

पुनम कुजुर शामिल हैं.

रांची। झारखंड पुलिस मुख्यालय ने 22 सब इंस्पेक्टर (दरोगा) को इंस्पेक्टर रैंक में प्रोन्नति के योग्य पाया है. जल्द ही सभी को इंस्पेक्टर रैंक में प्रोन्नित दी जाएगी. मख्यालय ने जिन 22 सब इंस्पेक्टर को इंस्पेक्टर रैंक में प्रोन्नित योग्य पाया है, उसमें सुधीर प्रसाद साहू, हजारीबाग शिव बिहारी तिवारी, शंभू प्रसाद सिंह, त्रिलोचन तामसोय, पृथ्वी सेन दास, विजय कुमार, अभिजीत गौतम, मुकेश चौधरी, गुलशन भेंगरा, सोनी प्रताप, अजीत कुमार भारती, प्रशांत कुमार-1, हरदियुस टोप्पो, दयानंद सोरेन, संजय जनक मूर्ति, संजय चंद्र उरांव, राजीव प्रकाश, मो . कुहुस, मानकी सुंडी, बैजनाथ कुमार, एस . खालीद ईमाम और

392/2019) दायर की थी. हाईकोर्ट ने 16 दिसंबर 2022 को पुलिसकर्मी के पक्ष में आदेश दिया. आदेश को लेकर अवमाननावाद

जिनकी प्रोन्नित लंबित है . उनमें से चार पर विभागीय (सिविल) (संख्या-471/2023) दायर किया गया. 16 जनवरी 2024

को हाईकोर्ट ने आदेश जारी किया.

इसके बाद गृह विभाग ने कार्रवाई का

कार्यवाही से संबंधित एक मामला लंबित है. निर्देश दिया. पुलिस मुख्यालय ने कार्रवाई करते हुए इनलोगों को सिपाही के पद पर डिमोट करने का

आदेश जारी कर दिया.

कोल्हान प्रमंडल पंचायत स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन

युवा, महिला, किसान, छात्र, गरीब, दलित सबके लिए योजना चला रही सरकारः सीएम

विशेष संवाददाता। रांची

झारखंड मुक्ति मोरचा भी विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुट गया है. रांची के हरम् स्थित सोहराई भवन में मंगलवार को कोल्हान प्रमंडल के पूर्वी सिंहभूम, पश्चिम सिंहभूम एवं सरायकेला-खरसावां जिला के पंचायत स्तरीय कार्यकर्ताओं की बैठक हुई जिसे पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष सह मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ऑनलाइन संबोधित किया. उन्होंने झामुमो कार्यकर्ताओं को चनाव के लिए तैयार रहने का निर्देश दिया है. हेमंत ने कहा कि सरकार की योजना समाज के हर वर्ग के लोगों तक पहुंचे, ये पंचायत स्तर के कार्यकर्ता सुनिश्चित करें. सरकार आज युवा, महिला, किसान, छात्र, गरीब, दलित, आदिवासी, पिछड़ा सबके

लिए योजना चला रही है.

झामुमो कार्यकर्ता विस चुनाव के लिए तैयार रहें : हेमंत



कोल्हान प्रमंडल स्तरीय बैठक में झामुमो महासचिव विनोद पांडेय व गांडेय विधायक कल्पना सोरेन ने कार्यकर्ताओं को टिप्स दिये.

बैठक में चुनावी रणनीति पर चर्चा होगी

बुधवार को झामुमो के खूटी, गुमला, सिमडेगा और लोहरदगा जिला के पंचायत स्तरीय कार्यकर्ताओं की बैठक हरमू स्थित सोहराई भवन में आहूत की गयी है . बैठक में चुनावी रणनीति पर चर्चा होगी और कार्यकर्ताओं को बूथ मैनेजमेंट से लेकर चुनाव जीतने के टिप्स दिए जाएंगे . सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए क्या-क्या करना है, नेताओं- कार्यकर्ताओं को बताया

बुथ स्तर पर कार्यक्रम करें : विनोद पांडेय पार्टी के महासचिव विनोद कुमार पांडेय ने बैठक में आये कार्यकर्ताओं को राज्य की

> ने तर्क दिया कि गवाह वास्तव में प्रत्यक्षदर्शी है और उसने घटना को प्रत्यक्ष रूप से देखा था. दोनों पक्षों को सुनने के बाद हाईकोर्ट ने रांची सिविल कोर्ट के फैसले को बरकरार रखते हुए अजीत कुमार की याचिका खारिज कर दी.

प्रत्यक्षदर्शी हो, तो हत्या के पीछे की मंशा साबित करने की जरूरत नहीं : हाईकोर्ट

विनीत आभा उपाध्याय। रांची

झारखंड हाईकोर्ट ने अपने एक फैसले में कहा है कि जब कोई प्रत्यक्षदर्शी हो. जिसने हत्या होते देखी हो और उसका साक्ष्य विश्वसनीय हो तो अभियोजन पक्ष के लिए अपराध के पीछे की मंशा साबित करना जरूरी नहीं है.

दरअसल रांची सिविल कोर्ट ने अजीत बारला को जेम्स केरकेट्टा की हत्या के जुर्म में दोषी करार देते हुए 27 नवंबर 2017 को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी और 10 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया था. रांची सिविल कोर्ट के फैसले को अजीत बारला ने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी. अजीत की याचिका पर झारखंड हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस आनंद सेन और जस्टिस सुभाष चांद की खंडपीठ में सुनवाई हुई. सुनवाई के दौरान अजीत की ओर से उपस्थित अधिवक्ता ने तर्क दिया कि अभियोजन पक्ष अपराध के पीछे के मकसद को साबित करने में विफल रहा. जिसने घटना को देखने का दावा किया था, उसे विश्वसनीय प्रत्यक्षदर्शी नहीं माना जा सकता, क्योंकि उसने अपीलकर्ता को हथियार के साथ देखने के बाद अपनी आंखें बंद कर ली थीं.

वही राज्य सरकार के अधिवक्ता

बैंक का अधिकारी बन ठगी करने वालों को दी पांच साल की सजा

रांची। बैंक अधिकारी बनकर करोड़ों रुपए की ठगी करने वाले पांच साइबर अपराधियों गणेश

मंडल उसके पुत्र प्रदीप मंडल, संतोष मंडल उसके पुत्र पिंटू मंडल और अंकुश कुमार मंडल को रांची पीएमएलए (प्रीवेन्शन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) की विशेष कोर्ट ने पांच साल सश्रम कारावास की सजा सुनाई है. इसके साथ ही अदालत ने सभी दोषियों पर 2.50 लाख का जुर्माना भी लगाया है. कोर्ट ने अपने आदेश में कहा है कि जुर्माना की राशि जमा नहीं करने पर दोषियों को अतिरिक्त सजा काटनी होगी. 20 जुलाई को कोर्ट ने गणेश मंडल उसके पुत्र प्रदीप मंडल, संतोष मंडल उसके पुत्र पिंटू मंडल और अंकुश कुमार मंडल को दोषी करार दिया है. मंगलवार को इनकी सजा की बिंदु पर सुनवाई हुई. सभी दोषियों पर फर्जी पते पर सिम कार्ड लेने और बैंक अधिकारी बनकर लोगों को कॉल करके साइबर अपराध करने का आरोप सिद्ध हुआ है. ईडी ने इस मामले के ट्रायल के दौरान कुल 24 गवाह कोर्ट में प्रस्तुत किए. ईडी की ओर से विशेष लोक अभियोजक अतीश कुमार ने इस

मामले में बहस की.

PUBLIC SCHOOL
A Unit of Public Charitable Trust "LOKCHETNA"

YOUR CHILD

PLEASE SEND YOUR RESUME FOR AN INDUSTRIAL

AUTOMATION ORGANISATION, MOSTLY ENGAGED

WITH PRESTIGIOUS PROJECTS IN

TATA STEEL, UCIL, ISRO. BARC ETC

MARKETTING MANAGER: SALARY 2.4 LAKHS PA.

ITI, DEE, BEE FOR JAMSHEDPUR, SALES PLC SCADA

OFFICE ASSISTANT: SALARY 2.4 LAKHS PA.

Graduate with 5 Years Work Experiance Computer

Proficient, Knowledge About Tender and TATA STEEL

MAIL CV: pradeep_wk@yahoo.com

HMI KNOWLEDGE, experience 2 years

Nursery to V

CBSE PATTERN

Regd. No. 2020/RAN/4701/BK4/378

२५ जुलाई को मतदाता सुची के प्रारूप का होगा प्रकाशन

लोगों की आस हेमंत से, वह टूटे ना : कल्पना

योजनाओं की जानकारी देने के साथ-साथ संगठन को मजबूत करने का आह्वान

टूटनी नहीं चाहिए. कार्यकर्ता मजबूती से अपने क्षेत्र में जनकल्याण के काम करें.

गांडेय की विधायक कल्पना सोरेन ने बैठक में आये सभी कार्यकर्ताओं को

किया. उन्होंने कहा कि लोगों का विश्वास हेमंत सोरेन पर है. लोगों की आस

उन्होंने राज्य सरकार द्वारा चलायी जा रही लोक कल्याणकारी योजनाओं के

प्रचार-प्रसार व सांगढनिक रूप से युद्ध स्तर पर कार्यक्रमों का आयोजन करने

का निर्देश दिया . योजनाओं का लाभ हर हाल में राज्य के अंतिम व्यक्ति तक

पहुंचाने का निर्देश दिया . आप सभी कार्यकर्ताओं का दायित्व बनता है सरकार की

जों भी योजना है उसे गांव-गांव तक पहुंचाएं.

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी (सीईओ) के. रवि कुमार ने राज्य में चल रहे मतदाता सूची के द्वितीय विशिष्ट संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत 25 जुलाई को होने वाले मतदाता सूची के प्रारूप प्रकाशन को लेकर निर्वाचन सदन में प्रेस वार्ता की. उन्होंने कहा कि राज्य में चल रहे मतदाता सूची के 25 जुलाई को प्रारूप प्रकाशन के अवसर पर सभी मतदान केंद्रों पर बीएलओ के द्वारा नए मतदाता सूची के प्रारूप को प्रदर्शित किया जाएगा. इसके साथ-साथ निर्वाचन आयोग के ऑनलाइन माध्यमों पर भी नए मतदाता सची उपलब्ध रहेगी.

कहा कि मतदाता 25 जुलाई को 1950 पर एसएमएस के माध्यम से भी मतदाता सूची में अपना नाम जांच सकते हैं. इसके लिए अपने नंबर से 1950 पर ईसीआई लिखकर स्पेस देकर अपने एपिक नंबर लिखकर मैसेज करने से आपके मतदाता पहचान पत्र से जुड़ी सभी जानकारी उपलब्ध हो जाएगी. इसके अलावे वोटर हेल्पलाइन ऐप पर भी अपने एपिक नंबर डालकर सूची में नाम जांच सकते हैं. उन्होंने कहा कि इस ओर आम मतदाताओं के बीच

सहायक पुलिसकर्मियों ने सरकार के समक्ष रखीं शर्तें

मांगें मानें, तभी आंदोलन वापस होगा

बोले सीईओ

- 25 से द्वितीय विशेष पुनरीक्षण, चार दिन तक चलेगा विशेष अभियान
- 1950 पर एसएमएस से भी मतदाता सूची में अपना नाम जांच सकते हैं

जागरुकता फैलाने के लिए विभाग द्वारा 25 जुलाई को दोपहर 12 बजे से 1 बजे के बीच #NaamJancho सोशल मीडिया अभियान चलाया जा रहा है.

27 जुलाई से विशेष अभियान: सीईओ ने बतायाँ की मतदाता सची में दावा और आपत्ति दाखिल करने की तिथि 25 जुलाई से 9 अगस्त तक है. इस दौरान निबंधन के योग्य नागरिकों से आवेदन लिए जाएंगे. साथ ही सूची में किसी सुधार का आवेदन भी लिया जाएगा. साथ ही चार दिनों तक विशेष अभियान चलाया जाएगा. 27 एवं 28 जुलाई और 3 एवं 4 अगस्त 2024 को जिला के सभी मतदान केन्द्रों में बीएलओ उपस्थित रहेंगे. इस दौरान बूथ पर ऑफलाइन

क्लासिफाइड • 22 वर्षों से लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन • झारखंड का प्रतिष्ठित संस्थान 14th JPSC PT & Mains Foundation Batch in our Hazaribag Branch Office Class (Hazaribag Branch) Under Guidance of Pawan Jha Mentor : Mr. Harsh Vardhan PT-Rs. 1000/ Mains - Rs. 21000/-Time - 8 am

लोक कल्याणकारी योजनाओं के संबंध में जानकारी दी . उनके कार्यकर्ताओं के

आयोजन करने की बात कही . उन्होंने कार्यकर्तोंओं से आह्वान किया कि हरेक

खरसावां जिला समिति के सभी पदाधिकारी, वर्ग संगठनों के अध्यक्षव सचिव,

समिति के अध्यक्ष व सचिव शामिल हए.

नगर/महानगर समिति के पदाधिकारी, प्रखंड समिति के पदाधिकारी और पंचायत

सवालों के भी जवाब दिए और संगठन की मजबूती के लिए बुथ स्तर पर कार्यक्रमों का

कार्यकर्ता गांव-गांव में जाकर बैठक करें और सरकार की सारी योजनाओं के बारे में

बताएं . बैठक में कोल्हान प्रमंडल के पूर्वी सिंहभूम, पश्चिम सिंहभूम एवं सरायकेला-

Mob - 9608711477 www.vijaystudycircle.com Head Office : Shanti Bhawan, Albert Ekka Chowk, Ranchi

Branch Office : Bhawani Plaza, S.P. Rana Enclave 1st Floor, West of Banshi Lal Chowk Malviya Marg, Hazaribag-825301



Children Clinic The Complete Shishu Care

Dr. Aman Urwar

M.B.B.S, D C.H., P.G.P.N. Child & Newborn Specialist

CHILDREN HOSPITAL (A Unit of ANHRC)

Sr. Cosultant

जेडी स्कूल बड़कागांव रोड हजारीबाग

योग शिक्षक.

आधुनिक सुविधा .







X-Ray Technicia

+ 8.50 MLT

Add- Near PND Chowk, Hazaribag, Jharkhand, India © 9431505777, 7870145555, 8789274448



बैठक में मान लिया जाता है, तभी वे अपना आंदोलन समाप्त करेंगे. जब तक सरकार उनकी मांगों को रांची के मोरहाबादी मैदान में धरने पर बैठे सहायक पुलिसकर्मी. कैबिनेट में नहीं लाती है, तब तक

मोरहाबादी मैदान में धरना दे रहे उनका आंदोलन जारी रहेगा. झारखंड पुलिस ने किया था सहायक पुलिसकर्मी 19 जुलाई को लाठीचार्ज : झारखंड पुलिस में सीएम आवास का घेराव करने पहुंचे थे. समायोजन की मांग को लेकर इस दौरान उनपर झारखंड पुलिस ने

लाठीचार्ज कर दिया था. सहायक पलिसकर्मियों की बहाली 10 हजार रुपये के मानदेय पर राज्य के 12 जिलों पलामू, लातेहार,

फिलहाल पांच मुख्य बिंदुओं पर बनी है सहमति • मानदेय में ३० प्रतिशत तक की

- बढ़ोतरी पर सहमति सेवा अवधि का विस्तार एक
- साल के लिए किया जाएगा होमगूार्ड् और वृन आरक्षी की बहाली में रिजर्वेशन पर भी
- विभागीय सिपाही की तरह की सरकारी छुट्टियां भी मिलंगी
- सिपाही की तरह सालाना चार हजार रुपये का भत्ता भी मिलगा लोहरदगा, गुमला, सिमडेगा, खुंटी, पूर्वी

व पश्चिमी सिंहभूम, दुमका व गिरिडीह में हुई थी.



शम् संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in

ब्रीफ

जमशेदपुर।पूर्वी सिंहभूम के 55

हिन्द धर्मावलंबियों (अटेंडर सहित) का जत्था मंगलवार को द्वारिका-सोमनाथ तीर्थ यात्रा के

लिए रवाना हुआ. उप विकास

आयुक्त मनीष कुमार एवं जिला

खेल पदाधिकारी अविनेश त्रिपाठी

ने हरी झंडी दिखाकर रांची स्थित

हटिया रेलवे स्टेशन के लिए बस

को रवाना किया. वहां ट्रेन से

द्वारिका-सोमनाथ प्रस्थान करेंगे.

तीर्थ यात्रा 30 जुलाई को समाप्त

समिति ने अधिकारियों से

विधानसभा की आवास समिति के

सभापति ग्लेन जोसेफ गॉलस्टिन ने

मंगलवार को स्थानीय परिसदन में

विभिन्न विभागों के अधिकारियों के

साथ बैठक की. इस दौरान जिले

में पूर्व में बने सरकारी भवनों में

मानकों के अनुरूप सुविधाओं की

अधिकारियों से मांगा. सभापति ने

बताया कि अलग-अलग जिलों में

जाकर सरकारी भवनों में उपलब्ध

सुविधाओं की जांच की जा रही है.

अधिवक्ता के निधन पर

बार एसो. ने शोक जताया

जमशेदपुर । आदित्यपुर निवासी

अधिवक्ता मिथिलेश पांडे का

निधन हो गया. उनका इलाज

टीएमएच में चल रहा था. निधन

की जानकारी मिलने के बाद बार

एसोसिएशन के सदस्यों ने गहरी

संवेदना प्रकट की. उनका पार्थिव

शरीर अस्पताल के शीत गृह में

रखा गया है. 24 जुलाई को दाह

संस्कार पार्वती घाट में किया

जाएगा. बार एसोसिएशन के

बताया कि मिथिलेश पांडेय

प्रैक्टिस करते थे.

अधिवक्ता अक्षय कुमार झा ने

जमशेदपुर व्यवहार न्यायालय में

उपलब्धता से जुड़ा प्रतिवेदन

मांगा प्रतिवेदन

जमशेदपुर । झारखंड

जमशेदपुर, बुधवार २४ जुलाई २०२४ ● श्रावण कृष्ण पक्ष ०३ संवत २०८१ ● पृष्ठ : १२, मूल्य : ₹ 🥻 ● वर्ष : २, अंक : १०६

आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

दोबारा नहीं होगी नीट यूजी की परीक्षा खबर ५५ तीर्थ यात्रियों का दल द्वारिका-सोमनाथ रवाना

सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा- ऐसे सबूत नहीं मिले, जिससे निष्कर्ष निकले कि परीक्षा की पवित्रता पूरी तरह से प्रभावित हुई

- जांच अधूरी, व्यापक गड़बड़ी की संभावना नहीं
- आज से शुरू हो सकती है काउंसिलिंग

एजेंसियां। नयी दिल्ली

नीट पेपर लीक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को फैसला सुनाते हुए कहा कि नीट का पेपर दोबारा नहीं होगा. फैसला पढ़ने के दौरान सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि केंद्र सरकार, एनटीए ने अपनी बातें रखीं. सीबीआई के एडिशनल डायरेक्टर ने भी कोर्ट की सहायता की. सीजेआई ने कहा कि यह मामला बड़ी संख्या में छात्रों को प्रभावित करने वाला है. इसलिए, हम दोबारा परीक्षा

को न्यायोचित नहीं मानते. सीजेआई ने कहा कि हमारा निष्कर्ष है कि पेपर लीक हजारीबाग में हुआ और पटना तक गया, यह निर्विवाद है. उन्होंने आदेश पढ़ते हुए कहा कि सीबीआई ने कहा है कि अभी तक हजारीबाग और पटना के 155 छात्रों के लाभान्वित होने की बात सामने आई है.

सीजेआई ने कहा कि अभी तक जांच अधरी है, हमने केंद्र से भी जवाब मांगा था कि 4750 केंद्रों में से कहां-कहां गड़बड़ी रही. हालांकि, आईआईटी मदास ने भी मामले की समीक्षा की. अभी तक उपलब्ध सामग्री के हिसाब से यह निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता कि परीक्षा की पवित्रता पूरी तरह प्रभावित हुई है. सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हमने इस साल के नतीजों की तुलना पिछले तीन

पेपर लीक मामले में सुप्रीम फैसला



साल के आंकड़ों से भी की. इससे भी ऐसा नहीं लगा कि व्यापक गड़बड़ी है. उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि गलत तरीके अपनाने वाला कोई भी

छात्र फायदा न उठा सके. न भविष्य में दाखिला पा सकें. उन्होंने कहा कि हम मानते हैं कि दोबारा परीक्षा का 20 लाख से ज्यादा छात्रों पर इसका असर

पडेगा. अकादमिक सत्र गडबडा जाएगा, पढ़ाई में देरी होगी. इसलिए हम दोबारा परीक्षा को न्यायोचित नहीं मानते. सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि

• पेपर लीक हजारीबाग

में हुआ और पटना तक

गया, १५५ लाभान्वित

- दोबारा परीक्षा लेने पर

छात्रों पर असर पडेगा

20 लाख से ज्यादा

चार लाख से ज्यादा छात्रों का रिजल्ट दोबारा जारी होगा

शीर्ष अदालत एनटीए को आदेश दिया है कि वो प्रश्न पत्र के विवादित प्रश्न का एक ही उत्तर (विकल्प 4) मानते हुए रिवाइज्ड रिजल्ट जारी करे . आईआईटी दिल्ली के विशेषज्ञों द्वारा सौंपी गयी रिपोर्ट के आधार पर सुप्रीम कोर्ट ने साफ कर दिया है कि फिजिक्स के विवादित प्रश्न का चौथा ऑप्शन ही सही माना जाएगा . अब एनटीए को जल्द ही रिवाइज्ड रिजल्ट जारी करना होगा . बता दें कि नीट के ४,२०,७७४ अभ्यर्थियों ने विवादित प्रश्न का विकल्प २ चुना था, जबिक 9,28,379 ने विकल्प 4 चुना था . एनटीए ने दोनों उत्तरों को सही मानते हुए विकल्प २ और ४ चुननेवालों को मार्क्स दिए थे. अब सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद उन अभ्यर्थियों के 5 अंक कटेंगे, जिन्होंने विकल्प 2 चुना था . चार अंक प्रश्न के और एक अंक नेगेटिव मार्किंग के . इससे ऑल इंडिया रैंकिंग में बड़ा बदलाव होगा . नीट के टॉपरों की संख्या भी घटेगी . रीटेस्ट के बाद नीट यूजी परीक्षा के 61 टॉपर हैं . इनमें 44 ऐसे हैं, जिन्होंने पुरानी एनसीईआरटी बुक के हिसाब से विकल्प २ चुना था . अब इनके ५ मार्क्स कटेंगे और इनका स्कोर ७२० से घटकर ७१५ पर आ जाएगा .

एनटीए चाहे, तो बुधवार से अभ्यर्थियों की काउंसिलिंग की प्रक्रिया शुरू कर सकता है. इस पर कोई आपत्ति नहीं है. यह काबिल छात्रों के साथ न्याय होगा.

विधायक निधि की कई योजनाओं पर नहीं हुआ काम, डीडीसी ने जतायी नाराजगी

- मुसाबनी व पोटका बीडीओ से योजना की राशि वापस मांगी गई
- जेएनएसी व मानगो निन से 15 योजनाओं का डीसी विपत्र मांगा

वरीय संवाददाता । जमशेदपुर

उप विकास आयुक्त मनीष कुमार ने मंगलवार को विधानसभावार विधायक निधि की लम्बित योजनाओं की समीक्षा की. जिसमें पाया गया कि वितीय वर्ष 2020-21 से लेकर 2023-24 तक की दर्जनों योजनाएं अभी भी लंबित हैं. अधिकांश का डीसी विपत्र जमा नहीं किया गया है.

डीडीसी ने कुछ योजनाओं को पूरा करते हुए जल्द डीसी विपत्र जमा करने के लिए कहा.समीक्षा के दौरान डीडीसी ने कहा कि वितीय वर्ष 2024-25 में जिन योजनाओं की अनुशंसा प्राप्त है उनका प्राक्कलन 31 जुलाई तक जिला कार्यालय में जमा करना सुनिश्चित करें. स्थल विवाद के कारण कोई योजना प्रारम्भ नहीं होने की स्थिति में स्थानीय विधायक से अनुशंसा लेकर स्थल चयन कर योजना प्रारंभ करने के लिए कहा गया.

बहरागोड़ा विधानसभा क्षेत्र में वित्तीय वर्ष 2021-22 में लंबित 2 योजनाओं, घाटशिला में 4 योजना को पूर्ण करने का निर्देश दिया गया. जुगसलाई से वित्तीय वर्ष 2021-22 की 1 योजना को स्थल परिवर्तन कर जल्द पूर्ण का निर्देश दिया गया. जमशेदपुर पूर्वी में वर्ष 2021-22 में 2 योजनाओं के कनीय अभियंता द्वारा बताया गया कि स्थल का चयन कर लिया गया है. मानगो नगर निगम को निर्देशित किया गया कि वित्तीय वर्ष 2021-22 के 7 योजनाओं का डीसी विपत्र जमा करें. जेएनएसी में 10 योजना लिम्बत है, प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, मुसाबनी एवं पोटका को एक-एक योजना की राशि वापस करने के लिए कहा गया.

वज्रपात से ११ बकरी की मौत, दो घायुल चक्रधरपुर । प्रखंड की ईटीहासा

पंचायत के गाजीडीह गांव में वज्रपात की चपेट में आने से 11 मवेशियों की मौत हो गई, जबिक दो अन्य पशु घायल हो गए. बताया जाता है कि गाजीडीह गांव निवासी युवक लांडू हेंब्रम गांव के कुछ ग्रामीणों के बकरा, बकरी व बैल चरा रहा था.इसी दौरान शाम में बारिश शुरू हो गई. इस बीच लांडू हेंब्रम एक पेड़ के नीचे चला गया, जबिक बकरा, बकरी व बैल दूसरे पेड़ के नीचे चले गए. इस बीच वजपात की चपेट में आने से पेड़ के नीचे मौजूद 11 बकरियों की मौत हो गई, वहीं दो बैल घायल हो गए. इस घटना में गांव के किसान दुर्गा हेंब्रम की तीन, विश्वनाथ हेंब्रम की पांच, कायरा हेंब्रम की एक एवं साधुचरण हेंब्रम की दो बकरी की मौत हो गई. गंगाधर गोप के दो बैल घायल हो गए.

ढलाई के एक दिन बाद ही ढही आदिवासी कला केंद्र की छत

संवाददाता । चांडिल

सरायकेला-खरसावां जिला के ईचागढ़ प्रखंड के लेपाटांड़ गांव के जाहेरथान के निकट निर्माणाधीन आदिवासी कला केंद्र भवन भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया है. भवन के छत की ढलाई 20 जुलाई को की गई थी और दूसरे ही दिन 21 जुलाई को छत की ढलाई ढह गई. कला केंद्र भवन की छत गिरने के बाद इसके निर्माण में बरती गई गुणवत्ता को लेकर सवाल उठने लगे हैं. ग्रामीण अब भवन निर्माण की उच्चस्तरीय जांच की मांग कर रहे हैं.

ग्रामीणों का कहना है कि भवन का निर्माण काफी घटिया स्तर का किया जा रहा था. राजनीतिक छत्रछाया रहने के कारण ठेकेदार पर विभाग का किसी प्रकार का दबाव नहीं पड़ता था. बताया गया कि भवन निर्माण में नींव नहीं दी गई



है. छत ढलाई में भी सरिया कम लगाया गया था. अनुसूचित जाति, जनजाति और पिछड़े वर्ग के उत्थान के लिए कल्याण विभाग द्वारा एसीए फंड से 24 लाख 50 हजार रुपये की लागत से ईचागढ़ प्रखंड के लेपाटांड़ में आदिवासी कला केंद्र भवन का निर्माण कराया जा रहा है. ग्रामीणों ने बताया कि भवन निर्माण के लिए गांव में कुछ लोगों ने ग्रामसभा कर लाभक समिति का गठन किया था. लेकिन भवन निर्माण का काम किसी दूसरे व्यक्ति से कराया जा रहा है. निर्माण स्थल पर किसी प्रकार का बोर्ड भी नहीं लगाया गया है.

कार्यकाल के पहले पुण

बजट में किए गए

का

स्वागत

माइंस खुलवाने के लिये एसडीओ को भेजा पत्र

जादूगोड़ा । पूर्वी सिंहभूम जिले के मुसाँबनी प्रखंड अंतर्गत यूसिल की बागजाता यूरेनियम माइंस बीते 15 जुलाई से बंद पड़ी हुई है.

इस बीच यहां कार्यरत साढ़े तीन सौ ठेका मजदूरों ने माइंस खोलने की मांग को लेकर आज मंगलवार को माइंस के बगल में प्रदर्शन किया व विरोध जताया. ठेका मजदूर नेता चंद्राई हांसदा की अगुवाई में एक प्रतिनिधि मंडल ने घाटशिला अनुमंडल पदाधिकारी की पत्र लिखकर इस दिशा में पहल करने की मांग की है.

यहां यूसिल के ठेका कर्मी बरियार मार्डी ने अपनी रैयती जमीन से कंपनी वाहन के आने-जाने पर रोक लगा रखी है एवं रास्ते में गड्ढा खोदकर बैरिकेटिंग कर दिया है. वह स्थायी नौकरी की मांग पर अडा हुआ है.

बजट पर प्रतिक्रिया सत्ता पक्ष ने सराहनीय, विपक्ष ने बताया लोकलुभावन

वरीय संवाददाता । जमशेदपुर

केंद्रीय वित मंत्री निर्मला सीतारामण ने वित वर्ष 2024-25 का आम बजट मंगलवार को संसद में पेश किया. बजट पेश करने के दौरान उन्होंने जहां कई लोक लुभावन घोषणाएं की. वहीं देश की जीडीपी बढ़ोतरी के लिए कई कदम उठाने की बात कही. आम बजट को सत्ता पक्ष ने जहां सराहना की. वहीं विपक्षी दलों ने इसे लोकलुभावन व निराशानजक बताया. जबकि शहर के व्यापारी वर्ग एवं उद्यमियों ने बजट को मिला जुला करार दिया. भाजपा सरकार ने जनता पर थोपा

चुनावी खर्च : बन्ना गुप्ता सूबे के स्वास्थ्य सह खाद्य आपूर्ति मंत्री बन्ना गुप्ता ने कहा कि एनडीए सरकार का आम बजट में जनता के



हित की अवहेलना की गई है. एक तरह से हाल में संपन्न चुनावी खर्च को जनता पर थोप दिया गया है. युवाओं को नौकरी के इंटर्निशिप का झुनझुना वह भी ईएमआई

में. किसानों और महिलाओं की फिर से उपेक्षा की गई है, कामगार और मजदूरों को फिर ठगा गया है, बजट को कांग्रेस के न्याय पत्र से चुराया गया हैं. जिसमें पहली नौकरी पक्की का वायदा था, झारखंड में केंद्रीय मंत्री चुनावी प्रभारी बने हैं लेकिन झारखंड की जनता को कुछ नहीं दिला सके. आश्चर्य है कि बजट में स्वास्थ्य सेवा का बजट घटाया गया हैं जिसका मतलब साफ है कि जनता की जान से भाजपा सरकार को कोई लेना देना नहीं.

युवाओं और किसानों को थमाया लॉलीपॉप : डॉ. अजय कुमार

पूर्व सांसद सह कांग्रेस के वरीय नेता डॉ.अजय कुमार ने कहा कि मोदी सरकार ने देश के करोड़ों युवाओं और किसानों को



बरगलाने का काम किया है. या यूं कहें तो मोदी सरकार ने युवाओं और किसानों को इस बजट के माध्यम से लॉलीपॉप थमा दिया है. कांग्रेस

संकल्प पत्र की नकल करते हुए नौकरी देने का वादा किया है. लेकिन क्या प्रावधान होंगे स्पष्ट नहीं है. बजट कागजों पर तो अच्छा लग सकता है, लेकिन जमीनी स्तर पर इससे किसानों को कोई लाभ नहीं

टीडीएस कानून का सरलीकरण स्वागत योग्यः सुरेश सौंथालिया



कनफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय सचिव सुरेश सोंथालिया ने किसानों को लाभ, युवाओं के प्रशिक्षण रोजगार

एमएसएमई को समर्थन देने के लिए वित मंत्री का भी खास नहीं है. जमीनी स्तर पर इससे किसानों को आभार जताया. उन्होंने कहा कि इस बजट दो लाख कोई लाभ नहीं पहुंचेगा. सरकार को बजट में बताना करोड़ की लागत से चार करोड़ लोगों के लिए चाहिए था कि पिछले 10 वर्षों में आपने कितनी रोजगार योजनाएं. उच्च उपज वाली फसल की किस्म जारी करने से किसानों को लाभ होगा. शिक्षा के लिए 1.48 लाख करोड़ रुपये से गरीब छात्रों को मदद मिलेगी. कृषि और संबद्ध उत्पादों के लिए 1.52 लाख करोड़ रुपये से किसानों को मदद मिलेगी. बुनियादी ढांचे में बड़े व्यय से औद्योगिकीकरण को समर्थन मिलेगा. टीडीएस कानून का सरलीकरण स्वागत योग्य है. कुल मिलाकर यह एक अच्छा बजट है

महिलाओं व युवाओं के लिए ड्रीम बजट : दिनेश कुमार

पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष दिनेश कुमार ने कहा कि यह सभी वर्गों खासकर युवाओं और महिलाओं के लिए एक ड्रीम बजट है. इसमें



बिहार, झारखंड, पश्चिम ओडिशा, आंध्र प्रदेश और पूर्वोत्तर के लिए घोषणाएं पूर्वी भारत अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देंगी. कौशल और

रोजगार सृजन की घोषणाएं ऐतिहासिक हैं. महिलाओं के लिए सहायता योजनाओं की तारीफ की जानी चाहिए. पीएम मोदी का 2047 तक विकसित भारत का सपना बजट में साफ झलकता है. इनकम टैक्स स्लैब में बदलाव मध्यम वर्गीय करदाताओं को बड़ी राहत देगी.

पूर्वोदय स्कीम से विकसित होगा पूर्वोत्तरः कुलवंत सिंह

भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य कुलवंत सिंह बंटी ने आम बजट को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित



उतारने वाला उन्होंने कहा कि देश के पूर्वी राज्यों के विकास के लिए पूर्वोदय स्कीम की

घोषणा सराहनीय है. केंद्र ने पूर्वी के अन्य राज्यों के साथ साथ झारखंड के विकास के लिए पूर्वीदय स्कीम की घोषणा की है जो सराहनीय है. इसके साथ ही आदिवासी समाज को ध्यान में रखते हुए यह बजट बनाया गया यह किसानों, युवाओं, मजदूरों और महिलाओं को देखते हुए बनाया गया बजट है जिससे सभी वर्गों को लाभ मिलेगा

निराशाजनक बजट : मंगल कालिदी आम बजट पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए विधायक मंगल कालिंदी ने कहा कि मंहगाई से



भारत बनाने की दूरदर्शी सोच को धरातल पर

> अग्रवाल सिंहभूम चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के उपाध्यक्ष (पीआरडब्ल्यू) अभिषेक अग्रवाल गोल्डी ने कहा की भारत की

नौकरियां दीं. इस बजट में जनता को राहत देने वाला

चिकित्सा के क्षेत्र में सराहनीय बजटः

डॉ. सौरभ चौधरी

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के सचिव डॉ. सौरभ

चौधरी ने केंद्रीय वित मंत्री निर्मला सीतारमण के द्वारा

को देखते हुए ये एक महत्वपूर्ण कदम है. एक्सरे

मशीन के अंदर जो मेन कंपोनेंट होता है, जैसे फ्लैट

पैनल डिटेक्टर और ट्यूब उसके भी बेसिक कस्टम

ड्यूटी को कम किया गया है. हेल्थ बजट में लगभग

3000 करोड़ रिसर्च के लिए भी दिया गया है जिसकी

बहुत आवश्यकता है. ये सारे सकारात्मक कदम है.

सरकार बचाओ-महंगाई बढ़ाओ

बजट : बबलू झा

पूर्वी सिंहभूम जिला कांग्रेस कॉमटी के उपाध्यक्ष

बबलू झा ने कहा कि इस बार का बजट ₹सरकार

लिए

ओपीएस नहीं. नौजवान अग्निवीर योजना में फंसा

रहेगा. महिलाएं मंहगाई की मार झेलती रहेंगी. देश

के हर वर्ग को निराश करने वाला बजट लेकर आई

रोजगार परक बजट : अभिषेक

है मोदी सरकार. यह बजट निराशा का बजट है.

जिससे आम लोगों को फायदा होने की उम्मीद है.

पेश किए गए बजट को

चिकित्सा क्षेत्र के लिए

सराहनीय बताया. उन्होंने

कहा कि तीन प्रमुख

कैंसर ड्रग्स पर से कस्टम

ड्यूटी हटाया गया है.

कैंसर के बढ़ते मामलों

बचाओ-महंगाई बढ़ाओ₹ बजट हैं. इस बजट में

दलित-आदिवासियों के

योजना नहीं लाई गई है.

किसान की एमएसपी

दुगुना नहीं, कर्मचारी को

कोई क्रांतिकारी

कुछ नहीं है, केवल आंकड़ों की बाजीगरी है.



आर्थिक प्रगति सही रास्ते पर है. गरीब, महिलाओं, किसानों और युवाओं के लिए बजट संतुलित है. खेती की उत्पादकता बढ़ाने, उत्पादन, भंडारण और विपणन की व्यवस्था करने,

युवाओं के लिए रोजगार, कौशल और अन्य अवसरों की सुविधा बजट में देखने को मिली है. बजट में रोजगार के अनेकों अवसर देखने को मिले है. एमएसएमई के लिए क्रेडिट गारंटी स्कीम का एलान किया गया है. पीपीपी मोड में औद्योगिक श्रमिकों के

लिए किराये के आवास की सुविधा प्रदान की भी घोषणा हुई है. बजट में नवाचार, अनुसंधान और विकास को मजबूती मिलेगी. केंद्रीय बजट 2024-25 में मुद्रा लोन की सीमा को 10 लाख रुपये से बढ़ा कर 20 लाख किया जाना ऐतिहासिक निर्णय है.

आम बजट राष्ट्र हित में : सहिस पूर्व मंत्री सह आजसू पार्टी के केंद्रीय प्रधान महासचिव रामचंद्र सिहस ने मोदी सरकार की तीसरी पारी का आम



बजट देश हित में है. इस बजट से किसान, शिक्षा के मध्यम वर्गीय लोगो के स्वरोजगार के क्षेत्र मे कारगर साबित होगा.

गरीबों को सबसे जायदा राहत मिलेगी. कौशल विकास योजना के तहत 1.48 लाख करोड़ रूपये का प्रावधान करने से सीधे सीधे युवा-छात्र लाभांवित होंगे. जिससे देश में उन्नित के मार्ग प्रशस्त होंगे. मध्यम वर्गीय लोगों को मिलेगी राहत : कन्हैया सिंह

आजसू पार्टी के जिलाध्यक्ष कन्हैया सिंह ने कहा कि इस बजट से मध्यम वर्गीय लोगों को राहत मिलेगी. साथ ही देश के चाहुमुखी विकास के लिए जो



स्वर्णिम योजना है उसे धरातल पर उतारने मे राज्य सरकार का भी सहयोग जरूरी है. संगठित क्षेत्रों में पहली बार नौकरी की शुरुआत

करने वालों को एक महीने का वेतन दिए जाने की घोषणा से पहली बार नौकरी पाने वाले को तोहफा मिलेगा. देश में महंगाई खत्म करने का भी प्रयास किया गया है जिसका दुरगामी परिणाम सुखद और संतोषजनक होगा

रोजगार के बढ़ेंगे अवसर : अप्पू तिवारी आजसू जिला प्रवक्ता अप्पू तिवारी ने आमें बजट पर ख़ुशी जताते हुए कहा कि एक तरफ राज्य में



चरमरा गई है वही केंद्र सरकार ने दवायें सस्ती करने और कैंसर जैसे इलाज में छुट्ट देने की बात कही है, जो सराहनीय है. इससे

गरीबों को सबसे ज्यादा राहत मिलेगी. 5 वर्षों में 500 टॉप कम्पनियां इंर्न्यशिप के अवसर प्रदान करेगी और युवाओं को रोजगार के क्षेत्र मे बहुत लाभ मिलेगा. इससे झारखण्ड प्रदेश को सबसे ज्यादा

बजट में समग्र विकास का संकल्प : सुधांशु ओझा भाजपा जमशेदपुर महानगर अध्यक्ष सुधांशु ओझा ने

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र की



उन्होंने वित्तीय किया. को बजट सर्वसमावेशी और विकासोन्मुखी बताते हुए कहा कि बजट में गांव, गरीब, किसान, महिला, नौजवान, बुजुर्ग समेत समाज के सभी वर्गों के समग्र विकास का संकल्प निहित है. कैंसर की दवाएं, इलेक्ट्रिक व्हीकल, कपड़े, मोबाइल एवं अन्य उपकरणों में बीसीडी घटाई गई है. इसके अतिरिक्त सोना- चांदी पर कस्टम ड्यूटी कम की गई है. इसके साथ ही, झारखंड के लिए पुरानी रेल परियोजनाओं के

प्रस्तावित की गई है. युवाओं को प्रशिक्षण व भत्ता सराहनीय कदम : प्रेम झा

विस्तार हेतु 1260 करोड़ से अधिक की राशि



अध्याय लिखेगा. प्रेम झा ने कहा कि देश के टॉप 500 कंपनियों में 1 करोड़ युवाओं को प्रशिक्षण देने एवं 5000

रुपये का मासिक भत्ता की घोषणा सराहनीय कदम है. यह योजना युवाओं को रोजगार के लिए खुदको तैयार करने में सहायक होगी.

बुजट एमएसएमई उद्योगों को पुनजीवित करने वाली : इंदर अग्रवाल संसद में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किया गया केंद्रीय बजट हर मायने में देश के



सर्वोत्तम है. बजट में एमएसएमई उद्योगों को पुनर्जीवित करने और रोजगार के अवसर प्रदान करने वाली जरूरी चीजें शामिल हैं. उक्त बातें

उत्थान के मद्देनजर

आदित्यपुर स्माल इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के अध्यक्ष इंदर अग्रवाल ने कहीं. उन्होंने कहा कि आम लोगों के लिए भी बजट में बहुत कुछ है. टैक्स के स्लैब में कोई छेड़छाड़ नहीं की गई है. गरीबों को हर माह मिलने वाला फ्री अनाज भी अगले 5 वर्षों के लिए बढ़ा दिया गया है, यहु अच्छी बात है.

सभी वर्गों का रखा गया है ख्याल : जटा शंकर पांडेय संसद में पेश वार्षिक



बजट में सभी वर्गों का ख्याल रखा गया है. यह बात भाजपा झारखंड के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य डॉ जटाशंकर पांडेय ने कहीं. उन्होंने बिहार तथा आंध्र प्रदेश पर विशेष ध्यान देने के लिए प्रधानमंत्री तथा वित्त मंत्री की मुक्त कंठ से सराहना की. उन्होंने कहा कि यह बजट गांव, गरीब, किसान, मजदूर, युवा, महिला, एवं छात्रों सबके लिए उपयोगी है. आयकर दाता के लिए भी स्टैंडर्ड डिडक्शन 50000 रुपये से बढ़ाकर 75000 रुपये कर दिया गया है. महिलाओं के लिए 3 लाख करोड़, युवाओं के लिए 1.48 लाख करोड़ रुपये, छात्रों के लिए भी सस्ते दर पर ऋग की व्यवस्था की गयी है.

बजट में वेतन भोगियों के लिए कुछ खास नहीं : गांगुली

केंद्रीय बजट 2024-25 पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए झारखंड कर्मचारी महासंघ के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष शशांक कुमार गांगुली ने कहा कि बजट में



सरकारी कर्मचारियों एवं वेतन भोगियों के लिए कुछ खास नहीं है. हालांकि नए टैक्स स्लैब में कुछ राहत दी गई है पर

यह घरेलु बचत और निवेश को हतोत्साहित करता है जो उपभोक्तावादी संस्कृति को बढ़ाता है. सरकार को चाहिए था कि पराने टैक्स स्लैब में भी कुछ रियायत दे. स्लैब में बदलाव हो. महगाई अपने चरम पर है ऐसे में निवेश पर, होम लोन के ब्याज पर, मेडिक्लेम साथ ही मानक कटौती पर छूट की सीमा बढ़ने की उम्मीद थी. जिससे सरकार को भी लाभ होता पर कर्मचारियों को निराशा ही हाथ लगी है.

विकसित भारत की ओर कदम बढ़ाने वाला बजट : कार्ल

भाजपा के पूर्व प्रदेश प्रवक्ता अमरप्रीत सिंह काले ने कहा है कि केंद्रीय बजट सर्व समावेशी, युवा केंद्रित



और विकासोन्मुख बजट है. यह विकसित भारत के संकल्पों को साकार करने वाला है. 140 करोड़ देशवासियों की आशा एवं आकांक्षाओं के अनुरूप समाज के सभी वर्गों के

सर्वांगीण विकास को बजट गतिशीलता प्रदान करेगा. यह बजट युवाओं के लिए सुनहरा अवसर लेकर आया है. स्किल डेवलपमेंट के साथ साथ 5 वर्षों में चार करोड़ रोजगार की व्यवस्था देश के विकास में युवाओं की भूमिका को सुनिश्चित करेगा. गरीब, युवा, अन्नदाता और महिला ये चार स्तंभों पर बजट आधारित है. पूर्वोत्तर के बिहार, झारखंड, उड़ीसा, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, असम प्रदेश के विकास को सुनिश्चित कर भारत में नया सवेरा लाने की दिशा में मोदी सरकार कार्य कर रही है. प्रधानमंत्री ने मुद्रा लोन की सीमा 10 लाख रुपये से बढ़ाकर 20 लाख की है. इससे गरीब गरीबों को बिना किसी गारंटी के सरलता से ऋग प्राप्त होगा. यह बजट आत्मनिर्भर भारत का मार्ग प्रशस्त करने वाला है.

जीसीजेडी हाई स्कूल में प्रतिभा सम्मान समारोह

अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर एवं सरस्वती वंदना के साथ किया गया

प्रतिभा सम्मान समारोह में घाटशिला अनुमंडल से चार्टड अकाउंटेंट की परीक्षा पास करने वाली छात्रा आयुषी अग्रवाल, पलक सिंघानिया, जादूगोड़ा

की आयुषी अग्रवाल, मऊभंडार के दीपक सिंघानिया, मुसाबनी की शुभांगी पोद्दार, मऊभंडार की ऋषिका खेतान, गालुडीह की महक कुमारी बंसल

अंकिता अग्रवाल सहित मैट्रिक व इंटरमीडिएट परीक्षा 2024 के टॉपर रहे

एसिया के एजीएम में उद्यमियों ने बताईं समस्याएं

और नालियों की दुर्दशा का जिक्र हुआ. एजीएम की अध्यक्षता एसिया

अध्यक्ष इंदर अग्रवाल ने और संचालन मनदीप सिंह ने किया, जबकि

धन्यवाद ज्ञापन दशरथ उपाध्याय ने किया. मंच पर महासचिव प्रवीण

गुटगुटिया, कोषाध्यक्ष रतन अग्रवाल मौजूद रहे. एसिया अध्यक्ष इंदर

अग्रवाल ने कहा कि हमलोगों जो 2004 से रेंट लेवी लेने का मुद्दा उठाया था

उसपर सफलता मिली है. उद्यमियों को अब वह देना नहीं पड़ेगा. उद्योगों को

आवंटित जमीन पर 2 अगस्त की बैठक को लेकर उद्यमियों ने विचार रखे.

विद्यालय में आयोजित हुआ स्कूल रूआर कार्यक्रम

शिक्षकों को विद्यालय पुनर्गठन, शिक्षक अभिभावक दिवस, मुखिया

सम्मेलन, व्यावसायिक शिक्षा , निपुण भारत खेलो झारखंड एवं विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की शिक्षा के बारे में विस्तार पूर्व दिशा निर्देश दिया.

बच्चों की उपस्थिति में वृद्धि एवं विद्यालय में ठहराव व विद्यालय शिक्षा की

विभिन्न भागीदारियों को बनाए रखने के लिए भी कई मार्गदर्शन दिए गए. इस

मौके पर बहरागोड़ा प्लस टू उच्च विद्यालय के प्रभारी प्रधानाचार्य कमलेश

वनपट्टा पर अभिलेख की एसडीओ ने की समीक्षा

सुरीन ने विभिन्न अंचलों तथा वन विभाग से प्राप्त अभिलेख की जांच की

डीसीएलआर ने वन विभाग एवं अंचल के पदाधिकारी एवं प्रतिनिधियों को

स्पष्ट निर्देश दिया कि वनपट्टा के लिए दावा करने वाले लाभार्थी के लिए ग्राम

सभा, ग्राम प्रधान की अध्यक्षता में कम से कम दो तिहाई ग्रामीण की

उपस्थिति हो एवं कम से कम एक तिहाई महिला की उपस्थिति अनिवार्य होनी चाहिए. नजरी नक्शा एवं वन विभाग द्वारा लाभार्थी पर अतिक्रमण का

मामला दर्ज किया हुआ होना चाहिए, जिस जमीन पर दावा कर रहे हैं.

सीट. स्वर्णकमल मोहंती, सत्यजीत पात्र आदि उपस्थित थे.

46 छात्र व छात्राओं को अंग वस्त्र व उपहार देकर सम्मानित किया गया.

न्यूज अपडेट

घाटशिला । गिरीश चंद्र झुरो देवी उच्च विद्यालय

मुसाबनी में मंगलवार को

प्रतिभा सम्मान समारोह का

समारोह की अध्यक्षता

विद्यालय प्रबंध समिति के

अध्यक्ष सत्यनारायण ओझ

ने की. कार्यक्रम का शुभारंभ

(एसिया)

का एजीएम

मंगलवार की देर शाम को

एसिया भवन में सम्पन्न

हुआ. जिसमें उद्यमियों ने

अपनी समस्याएं रखीं

जिसमें मख्य रूप से सडकों

बहरागोडा । प्लस ट उच्च

विद्यालय परिसर में स्कुल

आयोजन किया गया. इस

अवसर पर प्रखंड विकास

पदाधिकारी केशव भारती एवं प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी

सुरेश कुमार महतो ने प्रखंड

क्षेत्र के उपस्थित सभी

घाटशिला । अनुमंडल

कार्यालय के सभागार में

अनुमंडल स्तरीय वनपट्टा

को लेकर अभिलेख की

की गई. इस मौके पर डीसीएलआर नित निखिल

महतो अध्यक्षता में मंगलवार को

एसडीओ

कार्यक्रम

किया

🔻 बजट प्रतिक्रिया

देश की अर्थव्यवस्था को मिलेगी मजबूती : सरयू **जमशेदपुर**। जमेंशेदपुर पूर्वी के



की आर्थिक स्थिति को तथा देश की अर्थव्यवस्था

को वैश्विक प्रतिस्पर्धा टिकाऊ बनाने वाला बताया. कहा कि बजट से भारत की अर्थव्यवस्था को 5 ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था बनाने में मदद मिलेगी. आयकर स्लैब में सहलियत देने का केन्द्र सरकार का प्रयास सराहनीय है. इससे मध्यम वर्ग को लाभ पहुंचेगा. दूसरी ओर पेट्रोल और डीजल की कीमतें कम करने तथा जीएसटी में सुधार करने की आम जनता की उम्मीदें पूरी नहीं हो पायी है. केपिटल गेन पर टैक्स में वृद्धि से भी मध्यम वर्ग को नुकसान होगा. उम्मीद है कि बजट पर लोकसभा में बहस के दौरान भारत सरकार इसका ध्यान रखेगी कि मध्यम एवं निम्न मध्यम वर्ग को बचत हो और अर्थव्यवस्था में सुधार का लाभ केवल संगठित वर्गों तक ही सिमत नहीं रहे बल्कि समाज के असंगठित समूहों को लाभ दिया

बजट में विकसित भारत की झलक : सांसद

जमशेदपुर । सांसद विद्युत वरण महतो ने आम बजट पर कहा कि प्रधानमंत्री के तीसरे कार्यकाल का पहला

बजट में

विकसित भारत (2047) की नींव रखी गई है. यह बजट रोजगार सृजन, उन्नत खेती, महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने, ऊर्जा उत्पादन घरेलू उद्योगों ख़ासकर एमएसएमई को बढ़ावा और युवाओं को उन्नत प्रशिक्षण देकर स्वरोजगार सृजन की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है. पूर्वोदय योजना से बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, उड़ीसा और आंध्र प्रदेश को विशेष रूप से लाभ मिलेगा. आवास निर्माण, सड़क

जाना स्वागत योग्य है. मोबाइल सस्ता करने से गरीबी नहीं मिटेगी : अशोक

कनेक्टिविटी से ग्रामीण क्षेत्र

संवरेंगा. आयकर कटौती को 5

लाख से बढ़कर 7.5 लाख किया

जमशेदपुर। व्यापारी संघ के अध्यक्ष अंशोक अग्रवाल ने आम बजट को गरीब विरोधी बताया. कहा कि आज महंगाई सातवें आसमान है. जरूरी चींजे गरीब व मध्यम वर्ग नहीं खरीद पा रहा है. व्यापारी वर्ग भी उसे बेंच नहीं पा रहा है. ऐसे में मोबाइल एवं अन्य इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद सस्ता करने से गरीबी नहीं मिटेगी.

मजदूर व किसान विरोधी बजट : महेंद्र पांडेय

जमशेदपुर। पूर्वी सिंहभूम जिला कांग्रेस कमिटी के महासचिव सह बागबेड़ा मंडल कांग्रेस के पर्यवेक्षक महेंद्र कुमार पांडेय ने केंद्र सरकार के आम बजट को मजदूर, किसान व महिला विरोधी बताया. कहा कि इस बजट में महंगाई से त्रस्त जनता के लिए कुछ नहीं किया गया है. केवल आंकड़े प्रस्तुत कर देश की जनता को गुमराह किया गया है. उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने कांग्रेस के संकल्प पत्र में घोषित कई योजनाओं की नकल करते हुए उसे दूसरे रूप में प्रस्तुत किया है.

बजट में जनता के हितों का ख्याल : विवेक त्रिवेदी

जमशेदपुर। सुंदरनगर निवासी भाजपा नेता विवेक त्रिवेदी ने केंद्र सरकार के आम बजट की सराहना की. कहा कि इस बार का बजट जनता की उम्मीदों को ध्यान में रखकर बनाया गया है. बचत करने वाले मध्यम वर्ग को टैक्स में छूट दी गई है. वहीं युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए स्किल्ड डेवलपमेंट जैसे कार्यक्रम शुरू करने पर जोर दिया गया है.

बजट युवाओं व किसानों के हित के खिलाफ : डॉ. पवन

जमशेदपुर। चिकित्सक सह एनसीपी युवा मोर्चा के राष्ट्रीय महासचिव व प्रवक्ता डॉ. पवन पांडेय ने आम बजट को युवा और किसानों के हित के खिलाफ बताया. उन्होंने कहा कि मध्यमवर्गीय परिवार को राहत जरूर दी गई है. लेकिन फसल उत्पादक किसानों को एमएसपी पर चुप्पी साध ली गई है. विकास के रोड मैप का अभाव दिखा, यह बजट घोर निराशाजनक है.

सिलिकॉन सेफ पैक प्राइवेट लिमिटेड के कामगारों को 15 दिन में मिलेगा फुल सेटलमेंट

जमशेदपुर-घाटशिला-आदित्यपुर

श्रम अधीक्षक के हस्तक्षेप से 55 कामगारों को मिला हक

संवाददाता । आदित्यपुर

रामकृष्ण फोर्जिंग लिमिटेड कंपनी के प्लांट 5 में सिलिकॉन सेफ पैक प्राइवेट लिमिटेड के अंदर 55 ठेकदार कर्मचारियों को श्रम अधीक्षक अविनाश के हस्तक्षेप से उनका हक मिला है. सभी कामगारों ने पिछले दिनों श्रम अधीक्षक अविनाश ठाकुर से मिलकर अपने फुल फाइनल सेटलमेंट के लिए आवेदन दिया था. सोमवार को श्रम अधीक्षक ने त्रिपक्षीय वार्ता की और सभी कर्मचारियों को बिना सूचना के जनवरी 2024 से काम से बैठा दिए जाने की घटना को सच पाया.

इन कर्मचारियों को ठेकेदार ने न तो फुल सेटलमेंट और न ही ग्रेच्युटी दी थी. कर्मचारियों को उनका पीएफ के साथ 3 माह का वेतन भी नहीं दिया

• मनरेगा का कार्य पुरे

संवाददाता । घाटशिला

लिपिक, अनुसेवक, रोजगार

सेवक, कनीय अभियंता एवं सहायक

अभियंता के हड़ताल पर चले जाने से

लोगों को काफी परेशानी का सामना

करना पड़ रहा है. प्रखंड, अंचल एवं

अनुमंडल कार्यालय के लगभग सभी

लिपिक हड़ताल पर हैं. इससे सरकार

द्वारा चौकीदार की निकाली गई बहाली

के लिए कैरक्टर सर्टिफिकेट बनाने के

युवक युवतियों की भीड़ अंचल

इस संबंध में सीओ निशांत अंबर से

पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि लिपिक

के हड़ताल पर जाने से कार्यालय का

कामकाज ठप हो गया है. हालांकि

प्रयास रहेगा कि बच्चों का सर्टिफिकेट

समय से निकल जाए. कैरक्टर

सर्टिफिकेट के लिए जितने भी आवेदन

मिले थे उन सभी आवेदनों को जांच

के लिए थाना भेज दिया गया है. जांच

कार्यालय में दिन भर लगी रही.

प्रखंड में टप



वार्ता के बाद सिलिकॉन सेफ पैक के हटाए गए ठेका कर्मचारी.

गया था. ऐसे में सभी कर्मचारी अपना फाइनल सेटलमेंट पिछले 3 महीने से मांग रहे थे, लेकिन ठेकेदार के मैनेजमेंट इसपर कोई प्रतिक्रिया नहीं दे रहे थे. फिर कर्मचारी एकजुट होकर सरायकेला स्थित लेबर ऑफिस गए और श्रम अधीक्षक अविनाश ठाकुर

घाटशिला में लिपिक, अनुसेवक व मनरेगाकर्मी हड़ताल पर

कैरेक्टर सर्टिफिकेट के

लिए युवा हो रहे परेशान

अंचल कार्यालय में दिन भर लगी रही युवक-युवतियों की भीड़

करने की समस्या होगी लेकिन इसका

भी समाधान करने का प्रयास किया

जाएगा. उन्होंने बताया कि अंचल

कार्यालय से पांच कर्मचारी हड़ताल

पर हैं. ठीक उसी तरह प्रखंड

कार्यालय से चार, अनुमंडल

कार्यालय से नौ कर्मचारी हड़ताल पर

प्रखंड में ठप पड़ गया है. मनरेगा

कर्मी अनिश्चितकालीन हडताल पर

हैं ऐसे में कनीय अभियंता एवं

सहायक अभियंता भी हड़ताल में

शामिल है. इससे विकास योजनाओं

पर खास असर पड़ेगा. हालांकि राहत

वहीं मनरेगा योजना का कार्य पूरे

के समक्ष अपनी बातों को रखा था. उन्होंने सिलिकॉन सेफ पैक प्राइवेट लिमिटेड के ब्रांच मैनेजर टी एन पाठक और ऑपरेशन प्रमुख प्रदीप को बुलाकर त्रिपक्षीय वार्ता की साथ ही उन्हें आदेश दिया कि हटाए गए सभी कर्मचारियों उनका पूरा फुल फाइनल



इंटक नेत्री मीरा तिवारी के साथ कामगार.

सेटलमेंट, लीव, बोनस, ग्रेच्युटी सहित सभी को एक महीना का नोटिस पे एक महीना के अंदर भगतान करें.

इस आदेश के बाद ठेकेदार के मैनेजमेंट और कर्मचारियों में सहमति बनी है और ठेकेदार ने 15 दिन के अंदर सभी कर्मचारी का फुल फाइनल

सेटेलमेंट कर देने की बात कही है. इस पूरे मामले में मजदूर इंटक नेत्री मीरा तिवारी ने अहम भूमिका निभाई कर्मचारियों की तरफ से त्रिपक्षीय वार्ता में केदार महतो, रोहित, माधव ठाकुर, सपन, सोना राम और गुरुपदो

सीओ ने राजस्व उप निरीक्षक समेत सात से मांगा स्पष्टीकरण



इस संबंध में अंचलाधिकारी से पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि मुख्यालय दिवस के दिन कार्यालय में अन्य दिनों की अपेक्षा भीड-भाड ज्यादा रहती है. ऐसे में सभी कर्मचारी समय पर पहुंचे. वहीं कहा कि अनुसचिवीय



के हड़ताल पर चले जाने के कारण कामकाज प्रभावित हो रहा है. कंप्यूटर ऑपरेटर व अन्य सहायकों से काम

ज्ञात हो कि 19 जून को दैनिक शुभम संदेश ने प्रखंड एवं अंचल कार्यालय में पदस्थापित कई अधिकारियों के कार्यालय नहीं आने की खबर प्रमुखता से प्रकाशित की थी. जिसके बाद कई विभागों के अधिकारी मुख्यालय आने लगे.

लापता युवक का शव तालाब में मिला

हांसदा के रूप में हुई है. मृतक के शरीर के कई हिस्सों में चोट के गंभीर निशान पाए गए हैं. शव की आंख को बुरी तरह से क्षतिग्रस्त किया गया है. मृतक के छोटे था. काफी खोजबीन करने के बाद भी उसका कोई पता नहीं चला. जिस जगह पर शव मिला है वहां भी ढूंढ़ा था, मगर नहीं मिला था. देर रात दोबारा वहां जाने पर तालाब के गड्ढे में उसका भाई मृत पड़ा मिला. उसने बताया कि उसके बड़े भाई की किसी से कोई दुश्मनी नहीं थी. ड्यूटी जाता था और घर पर ही रहता था. आरआईटी थाना पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है.

आदित्यपुर । आरआईटी थाना क्षेत्र के पार्वतीपुर गांव के तालाब से 20 वर्षीय युवक का राव पुलिस को मिला है. राव की पहचान पार्वतीपुर गांव के ही बीरसिंह भाई विश्वनाथ हांसदा ने बताया कि उसका बड़ा भाई कल दोपहर से ही लापता

के बाद हालांकि प्रमाण पत्र निर्गत देने वाली बात यह है कि अंचल और न ही फॉर्म जमा कर पा रहे हैं. बरसात के बाद अस्पताल में

बढ़ती जा रही मरीजों की संख्या प्रखंड में मिले मलेरिया के तीन मरीज



घाटशिला। बरसात का मौसम शुरू होते हैं अस्पतालों में मरीजों की भीड़ दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है, मंगलवार को अनुमंडल अस्पताल में काफी संख्या में सर्दी, खांसी, बुखार से पीड़ित मरीज ओपीडी में पहुंचे थे. एक माह पहले तक ओपीडी में 40 से 50 मरीज जाते थे जबकि 15 जुलाई के बाद से 80 से 100 तक मरीज पहुंच रहे हैं. इतना ही नहीं तीन अलग-अलग गांव में मलेरिया भी धीरे-धीरे पांव पसार रहा है. ओपीडी में डॉ. रजनीश कौर द्वारा मरीज का इलाज किया जा रहा था. इसी बीच अलग-अलग गांव से एक साथ तीन मरीज मलेरिया से पीड़ित पाया गया, जिन्हें अनुमंडल अस्पताल में भर्ती कराया गया है. मलेरिया से पीड़ित केंदडांगा गांव निवासनी रेखा देवी महतो, पुनगोडा गांव के राम चंद्र मार्डी एवं कीताडीह गांव की कापरा मार्डी शामिल हैं. इस संबंध में अनुमंडल अस्पताल के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. आर एन सोरेन ने बताया कि बरसात के मौसम में लोग अपने घरों में मच्छरदानी का उपयोग अधिक से अधिक करें. घर के आसपास पानी का जमाव न होने दें. बरसात में डेंगू एवं चिकनगुनिया जैसे बीमारी भी मच्छरों के काटने से ही होता है यह मच्छर साफ पानी में ही पनपता है.

घाटशिला कॉलेज में आज से 26 तक कारगिल विजय दिवस

कार्यालय के राजस्व कर्मचारी, अंचल

निरीक्षक हडताल से अलग हैं. जिसके

कारण जमीन संबंधी मामले एवं

छात्र-छात्राओं के लिए आय,

आवासीय, जाति अन्य प्रमाण पत्र

निर्गत करने में परेशानी नहीं होगी.

प्रखंड कार्यालय में प्रधान लिपिक

नजीर एवं अनुसेवक की हडताल से

अभिलेख एवं संचिकाओं का कार्य ठप

होने से विकास योजनाएं प्रभावित हो

रही है. प्रखंड नाजिर के हडताल पर

जाने से वर्तमान में लोगों को सबसे

ज्यादा परेशानी यह है कि प्रखंड

मुख्यालय में बनी दुकान के आवंटन

को लेकर फॉर्म नहीं मिल पा रहा है

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कैडेट सम्मानित



संवाददाता । घाटशिला

घाटशिला महाविद्यालय की एनसीसी इकाई द्वारा 24 से 26 जुलाई तक कारगिल विजय दिवस को समारोह पूर्वक आयोजित किया जाएगा. यह आयोजन 37 झारखंड बटालियन एनसीसी के निर्देशानुसार किया जा रहा है. इस तीन दिवसीय कार्यक्रम में 24 जुलाई को व्याख्यान कार्यक्रम होगा. इसमें कारगिल युद्ध के इतिहास एवं परिणाम पर विमर्श किया जाएगा. 25 जुलाई को कारगिल युद्ध से संदर्भित फिल्म छात्रों को दिखाया जाएगा तथा तीसरे दिन 26 जुलाई को युद्ध के नायक शहीद गणेश हांसदा के गांव जाकर श्रद्धांजलि एवं सम्मान

कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे. यह जानकारी प्राचार्य डॉ आर के चौधरी ने दी. प्राचार्य ने बताया कि कार्यक्रम की तैयारी में एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट महेश्वर प्रमाणिक मुख्य

रूप से लगे हैं. प्राचार्य डॉ आर के चौधरी ने एनसीसी के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कैडेट राजाराम हेंब्रम, छीता हांसदा, प्रियंका भगत एवं कैडेट पार्वती सोरेन को मेडल पहनाकर सम्मानित किया. इस मौके पर एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट महेश्वर प्रमाणिक, प्रो इंदल पासवान, डॉ संदीप चंद्रा, डॉ एस पी सिंह, प्रो विकास मुंडा, डॉ कुमार विशाल, डॉ संजेश तिवारी उपस्थित थे.



बहरागोड़ा। प्रखंड क्षेत्र के एन एच 49 तथा एन एच 18 के संगम स्थल पर उभरे गड्ढे से वाहन चालक के साथ साथ स्थानीय लोग परेशान हैं. फ्लाई ओवर के नीचे से लेकर कोलकाता की ओर जाने वाली सड़क कई महीने पहले बन कर तैयार हुई थी. लेकिन सावन की पहली बारिश में ही सड़क में बड़े-बड़े गड्ढे उभर आए हैं तथा गड्ढे में कीचड़ भर गया है. जहां धूप होने पर सड़क से उड़ती धूल से तथा बारिश में कीचड़ से स्थानीय लोगों के साथ-साथ वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. इसी सड़क के किनारे प्लस टू उच्च विद्यालय बहरागोड़ा अवस्थित होने के कारण विद्यार्थियों को जान जोखिम में डालकर विद्यालय आना जाना करना पडता है. साथ ही आए दिन वाहन गड्ढे फंस जाने से वाहन मालिकों को आर्थिक नुकसान के साथ-साथ परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है.

हेंब्रम, सत्यनारायण महतो, सृष्टि धर

महतो, संजय सरकार, अरुण कुमार आदि अपनी सेवा देते हैं और कार्यक्रम

आयोजित कराते हैं. इस बाबत पूछे

जाने ओर कमिटी के निर्मल कुमार

महतो और सनातन सीट ने बताया कि

यहां का शिवलिंग अपने आप प्रकट

हुए हैं. यहां जो भी भक्त मन्नत मागते

हैं पूरी होती है. यहां मंदिर तक पहुंचने

के लिए सड़क नहीं है. लोग पर्थरिले

रास्ते से होकर मंदिर तक पहुंचते हैं.

कई बार सड़क व जलमीनार के लिए

क्षेत्र के सांसद विद्युत वरण महतो एवं

विधायक रामदास सोरेन से गुहार

एनएच ४९ व १८ के संगम स्थल पर गह्ने से वाहन चालक परेशान



संचिता नायर एवं ममता कुमारी को मिला. आदित्यपुर । दुर्गा पूजा में

माता शबरी रूप सज्जा के परिणाम घोषित जमशेदपुर । सिंहभूम जिल हिन्दी साहित्य सम्मेलन (तुलसी भवन) की ओर से तुलसी जयंती समारोह के अंतर्गत करायी गयी माता

गई. प्रतियोगिता 13 जुलाई को आयोजित की गई थी. जिसमें नगर के 27 विद्यालयों के कुल 142 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था. प्रतियोगिता में कक्षा 1 से 3 तथा कक्षा 4 से 6 तक के छात्रों ने हिस्सा लिया. कक्षा 1 से 3 के प्रतिभागियों में प्रथम-आभा महेश गोराई, द्वितीय-प्रगीता शरण, तृतीय-तनुश्री कुमारी, प्रोत्साहन परस्कार- वेदिका राय. इसी तरह कक्षा 4 से 6 के प्रतिभागियों में प्रथम-इषिता, द्वितीय- मंदिरा साहु खां तथा आरुषि सोना, तृतीय-वंशिका कुमारी तथा रागिनी कुमारी,प्रोत्साहन पुरस्कार- भव्या वर्मा, शिखा कनौजिया,

एस टाइप में सोमनाथ मंदिर की छटा दिखेगी

इस वर्ष सोमनाथ मंदिर की खूबसूरत छटा एस टाइप मैदान में दिखेगी. मंगलवार को सिंहभूम बॉयज क्रिकेट क्लब कमेटी ने पंडाल निर्माण का भूमिपूजन किया. पंडाल भव्य बनेगा. पंडाल

प्रतियोगिता के विजेताओं की

मंगलवार को घोषणा की



100 फीट चौड़ा और 80 फीट ऊंचा रहेगा. पूजा का कुल बजट 45 लाख रुपये है. शिव के 12 ज्योतिलिंगों में से एक बाबा सोमनाय मंदिर की आकति यहां श्रद्धालुओं को लुभाएगी. दुर्गा पूजा कमेटी के मुख्य संरक्षक मनोज सिंह और अध्यक्ष बबलू सिंह दिनेश ने बताया कि इस बार पूरे जमशेदपुर शहर का टॉप पंडाल यहां बनाया जा रहा है. पश्चिम बंगाल के मायापुर के पंडाल के कलाकार आज से ही पंडाल निर्माण में लग गए हैं. सिंहभूम बॉयज क्रिकेट क्लब कमेटी 1972 से यहां पूजा कर रही है.

बिजली कामगार यूनियन नौ से करेगी आंदोलन

आदित्यपुर ।झारखंड राज्य बिजली कामगार यूनियन राज्य बिजली वितरण निगम के कार्यशैली के विरुद्ध क्रांति दिवस के दिन नौ अगस्त से चरणबद्ध आंदोलन करेगी. जिसकी शुरुआत जमशेदपुर से होगी. यह घोषणा मंगलवार को यहां यूनियन के महामंत्री राम



कृष्ण सिंह ने प्रेसवार्ता में की. प्रेसवार्ता के बाद यूनियन के प्रतिनिधिमंडल ने अधीक्षण अभियंता दीपक कुमार से मिलकर उन्हें ज्ञापन सौंपा. यूनियन के महामंत्री बताया कि आज यूनियन की आपात बैठक आयडा परिसर में हुई है. बैठक में इस बात पर विरोध जताया गया कि बिजली कामगारों को मिली हुई सुविधाएं निगम ने छीन ली है. उनकी मांगों को पूरा नहीं किया गया तो नौ अगस्त से जमशेदपुर से राज्यव्यापी चरणबद्ध आन्दोलन शुरू किया जायेगा. प्रेसवार्ता में केएन सिंह, अमजदूल हक, मुकुल कुमार शामिल थे.

कोल्हान के शिवालय मुर्गाघूटू का श्री श्री सार्वजनिक प्राचीन सिदेश्वर धाम शिव मंदिर

अज्ञातवास के दौरान पांडवों ने की थी यहां शिवलिंग की पूजा भास्कर पात्रो, अशोक नायक, सायवा

विद्या शर्मा । जादुगोड़ा

मुसाबनी-जादुगोड़ा मुख्य मार्ग किनारे मुर्गाघुट्ट पंचायत में श्री श्री सार्वजनिक प्राचीन सिदेश्वर धाम नामक सुप्रसिद्ध शिव मंदिर है. जादुगोड़ा से तीन किलोमीटर दूर राखा कॉपर माइंस से सटे 500 मीटर की ऊंची पहाड़ी पर बने इस मंदिर तक पैदल चलकर भक्त पहुंचते हैं.

कहा जाता है कि पांच पांडव ने अज्ञातवास के दौरान विराट राजा (ओडिशा) का दर्शन करने के पश्चात घाटशिला के मऊ भंडार में स्नान के पश्चात इसी शिवलिंग की पूजा की थी. मान्यता है कि इस मंदिर के शिवलिंग 500 वर्ष पूर्व अपने आप प्रकट हुए थे. गालुडीह के बाबा विनय दास ने शिवलिंग की पहचान कर



मंदिर की स्थापना की. इस शिव मंदिर जलाभिषेक करने झारखंड के ने हर साल सावन के महीने में 10 जमशेदपुर, बहड़ागोड़ा, पोटका के अधिक शिवभक्त अलावा ओडिशा एवं पश्चिम बंगाल



से आते हैं.इस मौके पर श्री श्री सार्वजनिक प्राचीन सिदेश्वर धाम की कमिटी की ओर से सनातन सीट,

लगाई गई, लेकिन अभी तक कोई नतीजा नहीं निकला है. फिलहाल कमिटी अपने फंड से पांच लाख की लागत से तोरण द्वार बनवा रही है.

🔻 ब्रीफ खबरें

उम विद्यालय के विद्यार्थियों के बीच साइकिल का वितरण

चक्रधरपुर । राज्य सरकार की ओर से चलाई जा रही उन्नति का पहिया योजना के तहत मंगलवार को गोईलकेरा प्रखंड कार्यालय में कदमदीहा पंचायत स्थित नरसंडा उत्क्रमित मध्य विद्यालय के विद्यार्थियों के बीच साइकिल का वितरण किया गया. इस मौके पर विद्यालय के कुल 33 छात्र-छात्राओं को साइकिल दी गई.मौके पर मुख्य रूप से मौजूद प्रखंड कल्याण पदाधिकारी लाल हेम्ब्रम ने छात्र-छात्राओं को साइकिल दी. साइकिल पाकर विद्यार्थियों के चेहरे पर खुशी देखी गई. प्रखंड कल्याण पदाधिकारी लालू हेम्ब्रम ने कहा कि सरकार पढ़ाई के लिए कई सुविधाएं प्रदान कर रही हैं.

विभिन्न पंचायतों में अबुआ आवास योजना की जांच की चाईबासा । पश्चिमी सिंहभम

जिला अंतर्गत डीडीसी संदीप कुमार मीणा के निर्देश पर बुधवार को जिला स्तर से गठित डीआरडीए टीम ने कई प्रखंडों में अबआ आवास योजना की जांच की. टीम ने चक्रधरपुर, बंदगांव, सोनुआ, झींकपानी, कुमारडुंगी, जगन्नाथपुर, मंझगांव और नोवामुंडी प्रखंड के विभिन्न पंचायतों में अबुआ आवास वित्तीय वर्ष 2023-24 अंतर्गत द्वितीय किस्त की राशि भुगतान से पूर्व लाभुकों के आवास निर्माण की जांच की. टीम ने वैसे लाभुकों से पूछताछ की किन कारणों से निर्माण में प्रगति नहीं हुई है.

अधूरी योजनाओं को जल्द परा करें : बीडीओ

चक्रधरपुर । गोईलकेरा के प्रखंड कार्यालय सभागार में मंगलवार को पंचायत समिति की बैठक हुई बैठक की अध्यक्षता प्रखंड प्रमुख निरामुनी कोड़ा ने की. बैठक में बीडीओ विवेक कुमार ने कहा कि अधूरी योजनाओं को जल्द पूरा करें. मुख्यमंत्री बहन-बेटी, मई-कुई योजना के बारे में जानकारी दी. इसमें 25 वर्ष से 50 वर्ष तक की महिलाओं को राज्य सरकार प्रतिमाह एक हजार रुपए देगी. इसका आवेदन फॉर्म आंगनबाड़ी केंद्र में मिलेगा. इसका प्रचार-प्रसाद जल्द प्रत्येक पंचायत में शिविर लगाकर किया जाएगा. बैठक में पंचायत में चलने वाली विकास योजनाओं पर चर्चा की.

46 बीपीएल छात्रों को दी गई पाठ्य सामग्री

किरीबुरु । सेल की सीएसआर विभाग, गुवा अयस्क खान ने 23 जलाई को गुवा क्लब में पाठ्य सामग्री वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया. इसमें डीएवी पब्लिक स्कूल, गुवा में पढ़ने वाले सीएसआर गांवों के 46 बीपीएल छात्रों को किताबें, कॉपियां, स्टेशनरी आइटम दिये गये. गुवा ओर माइंस के सीएसआर के तहत आस-पास के गांवों के लगभग 50 बीपीएल छात्रों को डीएवी स्कूल में मुफ्त शिक्षा दी जा रही है. सभी छात्रों को फीस, किताबें, कॉपी, स्टेशनरी आइटम, स्कल बैग, यूनिफॉर्म जूते आदि प्रदान किए जाते हैं. अगले महीने छात्रों को यूनिफॉर्म, जूते दिए जाएंगे.

खान मजदूर संघ ने दत्तोपंथ ठेंगड़ी को किया नमन



🚚 किरीबुरु । खान मजदूर संघ, किरीबुरु कार्यालय में भारतीय मजदुर संघ

का 70वां स्थापना दिवस हर्षोउल्लास के साथ मनाया गया. इस अवसर पर भारतीय मजदूर संघ के संस्थापक दत्तोपंत ठेंगड़ी को नमन किया एवं उनके सिद्धांतों पर चलने का प्रण लिया गया. इस कार्यक्रम में प्रमोद कुमार महंता, प्रकाश मोहंती, अवतार सिंह, रवि चंद्र नायक, सूर्य नारायण बेहरा आदि उपस्थित थे.

सात लाभुकों के बीच बकरा का किया गया वितरण

चक्रधरपुर । चक्रधरपुर के पशु चिकित्सालय प्रांगण में मंगलवार को मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के तहत सात लाभुकों के बीच बकरा का वितरण किया गया. इस मौके पर जिला परिषद सदस्य मीना जोंको, उप प्रमुख विनय प्रधान के हाथों लाभुकों को बकरा दिया गया. लाभुकों को 90 फीसदी अनुदान पर चार बकरी और एक बोदा दिया गया. मौके पर जिप सदस्य मीना जोंको और उप प्रमुख विनय प्रधान ने कहा कि रोजगार सृजन के लिए सरकार ग्रामीणों में पशुधन का वितरण कर रही है. उन्होंने लाभुकों से कहा कि पशुओं की देखभाल करें ताकि उसका लाभ मिल सके.

ईचागढ़ विधानसभा सीट: झामुमो की वर्तमान विधायक सविता महतो को टिकट मिलना लगभग तय

भारतीय जनता पार्टी में ऊहापोह, झारखंड मुक्ति मोर्चा में असमंजस नहीं

- भाजपा व झामुमो ने स्थानीय को कभी नहीं दिया टिकट
- भाजपा से पूर्व विधायक अरविंद व सारथी प्रमुख दावेदार
- खूंटी जिले के विनोद राय भी भाजपा से टिकट की जुगत में

संवाददाता । चांडिल

आसन्न विधानसभा चुनाव के लिए ईचागढ विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने के लिए नेता सक्रिय हैं. सभी जनता को अपने पक्ष में करने के लिए कार्यक्रम कर रहे हैं और सेवा कार्य के नाम पर खर्च भी कर रहे हैं. गौरतलब है कि ईचागढ़ विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी और झारखंड मुक्ति मोर्चा ने



सविता महतो, विधायक.

विधानसभा क्षेत्र के किसी नेता को अबतक टिकट नहीं दिया है, ईचागढ में सिक्रय गैर मतदाता नेताओं की लिस्ट में भाजपा के नेता सबसे अधिक हैं. ईचागढ विधानसभा क्षेत्र में जमशेदपुर के अलावा पश्चिम सिंहभूम, रांची और खूंटी जिले के अलावा दूसरे क्षेत्र में रहने वाले नेता चुनाव में किस्मत आजमाते रहे हैं.





अरविंद सिंह, पूर्व विधायक.



निर्मल ईचागढ़ से झामुमो का टिकट वर्तमान विधायक सविता महतो को मिलना तय माना जा रहा है. झारखंड आंदोलन को धार देने वाले निर्मल महतो की हत्या के बाद ईचागढ से उनके अनुज दिवंगत सुधीर महतो और

सुधीर महतो की मृत्यु के बाद उनकी पत्नी

सविता महतो को टिकट दिया जाता रहा है.

दिवंगत सुधीर महतो ईचागढ़ से चुनाव

जीतकर राज्य के उप मुख्यमंत्री बने थे. उन्होंने दो बार ईचागढ़ का प्रतिनिधित्व किया था. वहीं सविता महतो ईचागढ़ से पहला चुनाव हार गईं थीं. दुसरी बार उन्होंने ईचागढ से विजय प्राप्त की और वर्तमान में वह ईचागढ़ की विधायक हैं. विदित हो कि शहीद निर्मल महतो ने भी चुनाव में ईचागढ़ से अपनी

किस्मत आजमायी थी. वर्ष 1985 में हुए 22552 मत मिले थे.

विधानसभा चुनाव में ईचागढ़ राजघराने के युवराज कांग्रेस उम्मीदवार प्रभात कुमार आदित्यदेव ने झारखंड मुक्ति मोर्चा के उम्मीदवार शहीद निर्मल महतो को पराजित किया था. उस समय चुनाव में (वर्तमान में दिवंगत) प्रभात कुमार आदित्यदेव को 28786 और शहींद निर्मल महतो को

न्यूज अपडेट

किरीबुरः । जिला परिषद अध्यक्ष

लक्ष्मी सुरेन ने गुवा के बिरसा नगर

के लोगों को सामाजिक व धार्मिक

कार्यों में सामृहिक भोजन बनाने हेतु

बर्तन सेट उपलब्ध कराया. बर्तन

पाकर ग्रामीण काफी खुश दिखे.

उल्लेखनीय है कि बीते लोकसभा

चुनाव प्रचार के दौरान बिरसा नगर

के लोगों ने लक्ष्मी सुरेन से बर्तन की

समस्या बतायी थी. ग्रामीणों ने कहा

भाजपा में दावेदारों की लिस्ट लंबी

भारतीय जनता पार्टी से इस बार ईचागढ़ से टिकट लेने की रेस में सबसे पहले

पुर्व विधायक अरविंद कुमार सिंह का उर्फ मलखान सिंह का नाम चल रहा है,

अरविंद सिंह तीन-तीन बार ईचागढ़ का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं. सबसे पहले

उन्होंने निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में ईचागढ़ से चुनाव जीता था. इसके बाद

एक बार भाजपा से और एक बार झाविमो से चुनाव जीतकर विधानसभा पहुंचे

थे. ईचागढ़ से चुनाव लड़ने के लिए टिकट की रेस में दूसरा नाम सारथी महतो

का है. सारथी महतो पूर्व विधायक दिवंगत साधुचरण महतो की पत्नी हैं.

सारथी महतो गम्हरिया से जिला परिषद सदस्य रह चुकी हैं. खुंटी जिले के

विनोद राय भी ईचागढ़ विधानसभा क्षेत्र से टिकट पाने की जुगत में लगे हैं.

वज्रपात की चपेट में आने से ११ मवेशियों की मौत

चक्रधरपुर । चक्रधरपुर प्रखंड की ईटीहासा पंचायत के गाजीडीह गांव में वज्रपात की चपेट में आने से 11 मवेशियों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य पशु घायल हो गए. बताया जाता है कि गाजीडीह गांव निवासी युवक लांडू हेंब्रम गांव के कुछ ग्रामीणों के बकरा, बकरी व बैल चरा रहा था.इसी दौरान शाम में बारिश शुरू हो गई. इस बीच लांडू हेंब्रम एक पेंड़ के नीचे चला गया, जबकि बकरा, बकरी व बैल दूसरे पेड़ के नीचे चले गए. इस बीच वजुपात की चपेट में आने से पेड़ के नीचे मौजूद 11 बकरियों की मौत हो गई, वहीं दो बैल घायल हो गए. इस घटना में गांव के किसान दुर्गा हेंब्रम की तीन, विश्वनाथ हेंब्रम की पांच, कायरा हेंब्रम की एक एवं साध्चरण हेंब्रम की दो बकरी की मौत हो गई. गंगाधर गोप नामक व्यक्ति के दो बैल घायल हो गए. इस घटना में मवेशियों को चलाने वाला युवक बच गया

चाईबासा में विधानसभा आवास समिति ने की समीक्षा बैठक

सरकारी भवन, आवास में अग्निशामक यंत्र व तड़ित चालक होना चाहिए : सभापति

- पेयजल सुविधा की स्थिति का लिया गया जायजा
- सिमित कई जिलों में योजना की करेगी समीक्षा

संवाददाता । चाईबासा

पश्चिमी सिंहभूम जिला अंतर्गत चाईबासा परिसदन सभागार में मंगलवार को झारखंड विधानसभा की आवास समिति की समीक्षा बैठक हुई. बैठक की अध्यक्षता समिति के सभापति ग्लेन जोसेफ गॉलस्टन ने की. बैठक में समिति सभापति ने जिला में पूर्व में बनाए गए सरकारी भवन, आवास की वर्तमान स्थिति, उनमें अग्निशामक यंत्र एवं तड़ित चालक जैसी सुरक्षा मानकों, पेयजल सुविधा, सरकारी गोदाम की स्थिति, भवन, आवास में शौचालय, सरकारी विद्यालयों एवं छात्रावासों की स्थिति तथा वर्तमान में चल रहे अबुआ आवास योजना आदि के अद्यतन प्रतिवेदन का जायजा लिया गया.



उन्होंने कहा कि पुराने सरकारी भवन और आवास में भी अग्निशामक यंत्र और तड़ित चालक होना चाहिए. बैठक के बाद सभापति ग्लेन जोसेफ गॉलस्टन ने कहा कि झारखंड विधानसभा की आवास समिति के माध्यम से 22 जुलाई से 24 जुलाई तक राज्य के पश्चिमी सिंहभूम, सिमडेगा, पूर्वी सिंहभूम एवं

अध्ययन यात्रा की जा रही है. इसी दौरान चाईबासा परिसदन सभागार में ऊर्जा, वन एवं पर्यावरण, ग्रामीण कार्य, गृह-कारा, स्वास्थ्य, ग्रामीण विकास, शिक्षा, पथ निर्माण, जल संसाधन, खान एवं भूतल, राजस्व, भवन निर्माण, राजस्व, परिवहन विभाग सहित तकनीकी विभागों के पदाधिकारियों के साथ बैठक की. इसमें विभाग अंतर्गत आवास, भवन निर्माण से संबंधित झारखंड विधानसभा में उठाए गए प्रश्न जो इस जिला से संबंधित हैं, उनपर चर्चा कर संबंधित प्रश्न आधारित प्रतिवेदन विधानसभा कार्यालय को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया है. बैठक में डीडीसी संदीप कुमार मीणा, परियोजना निदेशक स्मिता कुमारी व जिला स्तरीय पदाधिकारी, कार्यपालक अभियंता आदि उपस्थित थे.

समाहरणालय कर्मियों का हडताल दूसरे दिन भी जारी

चाईबासा । पश्चिमी सिंहभूम जिले में दूसरे दिन भी झारखंड राज्य अनुसचिवीय कर्मचारी संघ (समाहरणालय संवर्ग) द्वारा राज्य नेतृत्व के आह्वान पर नौ सूत्री मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल जारी रहा. राज्य स्तरीय संघ द्वारा दो वर्षों से अपनी मांगों के प्रति सरकार का ध्यान आकर्षित करते रहे हैं. मुख्य सचिव, झारखंड सरकार को भी पत्र के माध्यम से मांगों से अवगत करते रहे हैं. हड़ताल जारी रहने के बावजद सरकार की ओर से कोई पहल नहीं की गयी है. ऐसे में आम जनमानस के बीच अपने काम को लेकर असमंजस का माहौल बना हुआ है. इधर, संघ के जिलाध्यक्ष ललितेश्वर महतो ने कहा कि जब तक सरकार हमारी मांगों पर विचार नहीं करती है हम चट्टानी एकता के साथ डटे रहेंगे और हड़ताल जारी रहेगा. जिला सचिव ने कहा कि जब तक हमारी मांग पूरी नहीं होंगी हम टूटेंगे नहीं. सरकार को हमारी मांगों पर विचार करना होगा. संघ के उपाध्यक्ष अतुल कुमार ने कहा कि सरकार से हमें काफी उम्मीद है. जल्द ही हमारी मांगों पर सकरात्मक विचार किया जायेगा. जिला कोषाध्यक्ष सुनील बड़ाइक ने कहा कि हम अपनी मांगों के प्रति चट्टानी एकता के साथ डटे रहेंगे. राज्य सरकार को हमारी मांगों को जरूर

झामुमो की बैठक में शामिल होने के लिए रांची रवाना

था कि बस्ती के लोग काफी गरीब हैं. शादी-ब्याह या अन्य कार्यक्रम में उन्हें

टेंट हाउस से भाडे.पर बर्तन लाना पड़ता है, जिसमें काफी पैसा लग जाता है.

उतना पैसा खर्च करना उनके लिए काफी मुश्किल होता है, लक्ष्मी सुरेन ने

आश्वासन दिया था कि चुनाव बाद वह उनकी मांगों को पूरा कर देंगी.

बिरसा नगर के लोगों को जिप अध्यक्ष ने दिया बर्तन सेट

चक्रधरपुर । आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारी को लेकर रांची के सोहराय भवन में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) केन्द्रीय कमेटी की मंगलवार को बैठक होगी. इस बैठक में शामिल होने के लिए मंगलवार की सुबह झामुमो नेता व कार्यकर्ता रांची के लिए रवाना हुए. इस बैठक में शामिल होने के लिए पश्चिमी

मंगलवार को उन्होंने अपना वादा पूरा कर दिया.



सिंहभूम जिला व चक्रधरपुर प्रखंड कमेटी के पदाधिकारी व कार्यकर्ता प्रखंड कार्यालय के समीप इकट्ठा हुए. वहां से सभी अलग-अलग वाहनों में रांची के लिए रवाना हुए. इस संबंध में विधायक प्रतिनिधि पीरू हेम्ब्रम ने बताया कि सोहराय भवन में होने वाली बैठक में केन्द्रीय कार्यकारी अध्यक्ष सह मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन मुख्य रूप से मौजूद रहेंगे. पश्चिमी सिंहभूम जिला के सभी झामुमो केन्द्रीय पदाधिकारी एवं सदस्य बैठक में शामिल होंगे.

आस ने डीसी के नाम बीडीओ को सौंपा 10 सूत्री मांगपत्र

किरीबुरु । आदिवासी समन्वय समिति (आस) संयोजक सुशील बारला के नेतृत्व में ग्राम सभा सदस्यों, प्रबुद्ध जनों ने 22 जुलाई को डीसी के नाम गोइलकेरा बीडीओ को 10 सूत्री मांगपत्र सौंपा. मांगपत्र में सुशील बारला ने कहा है कि गोइलकेरा प्रखंड अन्तर्गत सारूगाडा पंचायत के लोग आजादी के 78 वर्षों बाद भी संविधान प्रदत मौलिक



सविधाओं से वंचित हैं. पंचायत के हिन्डुंग गांव में 93 परिवार रहते हैं, जिसकी जनसंख्या-533 है. 1 से 5 साल तक के बच्चों की संख्या 48 है. इसके बावजूद हिन्डुंग गांव में विद्यालय और आंगनबाड़ी केंद्र नहीं है. हिन्डुंग एवं साऊसाल के बीच बन रहा पुल 4 साल से अधूरा है. प्रतिनिधिमंडल में संयोजक सुशील बारला के अलावा मुंडा जॉन सिरूम, श्याम सुन्दर लोमगा, प्रेम सिंह चेरोवा आदि शामिल थे.

मेघाहातुबुरु श्रमिक संघ ने बीएमएस का मनाया स्थापना

किरीबुरु । 23 जुलाई को मेघाहातुबर श्रमिक संघ कार्यालय में भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) का ७०वां स्थापना दिवस मनाया गया. कार्यक्रम का शुभारम्भ महामंत्री जगन्नाथ चातर द्वारा बीएमएस का झंडोत्तोलन कर किया गया. तत्पश्चात संघ के संस्थापक, विचारक दत्तोपंत ठेंगडी की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें याद किया गया. आज से 70 साल पहले संघ



विचारक दत्तोपंत ठेंगड़ी ने आज ही के दिन 23 जुलाई 1955 को भोपाल में बीएमएस की स्थापना की थी. स्थापाना दिवस कार्यक्रम में भारतीय मजदुर संघ के जमशेदपुर विभाग उप प्रमुख अमित कुमार झा, पश्चिमी सिंहभूम जिला मंत्री धनुर्जय लागुरी, जिला कोषाध्यक्ष सरगेया अंगारिया, मेघाहातुबुरु श्रमिक संघ के अध्यक्ष शिव शंकर सिंह, पियूष गोप, श्यामलाल पूर्ति, गोवर्धन शर्मा, सुनील गागराई, सानिका गुड़िया, सुनील आदि शामिल थे.



द्वारका-सोमनाथ दर्शन के

लिए रवाना हुए ३१ श्रद्धालु

बस को हरी झंडी दिखा कर रवाना करते बीडीओ कीकु महतो.

संवाददाता । चांडिल

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना अंतर्गत सरायकेला-खरसावां जिले से कुल 31 चयनित हिंदू धर्मावलंबी द्वारका-सोमनाथ तीर्थ दर्शन के लिए रवाना हुए. तीर्थ दर्शन के लिए रवाना होने वालों में 20 श्रद्धालु चांडिल अनुमंडल क्षेत्र के रहने वाले हैं. इनमें कुकड़ प्रखंड के आठ, ईचागढ़ के छह और नीमडीह के छह श्रद्धालु शामिल हैं. इसके अलावा जिले के राजनगर प्रखंड से कुल 11 श्रद्धालु द्वारका-सोमनाथ तीर्थं दर्शन के लिए रवाना हुए. कुकडू, ईचागढ़ और नीमडीह प्रखंड के कुल 20 श्रद्धालुओं को ईचागढ़ के प्रखंड विकास पदाधिकारी कीकु महतो ने शुभकामना देते हुए चौका मोड़ से विंदा किया. सभी श्रद्धालु बस से रांची के हटिया स्टेशन के लिए रवाना हुए. प्रखंड विकास पदाधिकारी ने हरी झंडी दिखा कर यात्रियों की बस को रवाना किया. वहीं राजनगर के श्रद्धालुओं को जिला मुख्यालय से उप विकास आयुक्त ने रवाना किया.

भारत गौरव ट्रेन से जाएंगे द्वारका-सोमनाथ : श्रद्धालुओं के साथ नोडल पदाधिकारी के रूप में जिला स्तरीय पर्यटन विशेषज्ञ सौरव साव द्वारका-सोमनाथ जा रहे हैं. उन्होंने बताया कि झारखंड से एक हजार श्रद्धालु भारत गौरव स्पेशल ट्रेन से

ग्रामीणों ने यातायात सेवा बहाल करने की मांग की चक्रधरपुर । पश्चिमी सिंहभूम के

बंदगांव प्रखंड के सुदूरवर्ती क्षेत्र पोड़ोंगेड़ गांव में यातायात सुविधा नहीं रहने को लेकर स्थानीय ग्रामीणों को काफी परेशानियों का सामना करना पडता है. गांव में ग्रामीण बस सेवा योजना के तहत बस सेवा चालू करने की मांग को लेकर मंगलवार को गांव में बैठक हुई. बैठक में सांसद जोबा माझी के पुत्र सह झामुमो युवा नेता जगत माझी शामिल हुए. ग्रामीणों ने सिन्दुरीबेड़ा व अन्य गांवों में कई स्थानों पर पक्की सड़क निर्माण कराने को लेकर पत्र भी सौंपा. इस दौरान ग्रामीणों की समस्या सुनने पर झामुमो युवा नेता जगत माझी ने जल्द ही समस्या के समाधान का आश्वासन दिया. उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ग्रामीण बस सेवा योजना के तहत बस सेवा चालू होने से ग्रामीणों को लाभ पहुंचेगा. बैठक में गांव के बासु बरजो समेत अन्य महिला-पुरूष ग्रामीण मौजूद थे.



ग्रामीणों की समस्या सुनते जगत.

मझगांव विस से ही कांग्रेस ने चुनाव लड़ने का लिया निर्णय



फॉरेस्ट गेस्ट हाउस में कांग्रेस की बैठक में शामिल नेता.

संवाददाता । चाईबासा

कुमारडूंगी फॉरेस्ट गेस्ट हाउस में मझगांव विधानसभा कांग्रेस ने मंगलवार को विधानसभा चुनाव को लेकर बैठक की. बैठक की अध्यक्षता कुमारडुंगी प्रखंड अध्यक्ष सुखलाल हेम्बरोम ने की. विधानसभा कांग्रेस के पदाधिकारियों ने विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस संगठन को बुथ स्तर तक मजबूत करने को लेकर रणनीति तैयार की. कांग्रेस किसी भी सूरत में मझगांव विधानसभा से कमजोर नहीं है. मझगांव विधानसभा कांग्रेस प्रदेश के आला अधिकारियों को ये मैसेज देने का काम कर रही है कि यहां कांग्रेस मजबूत स्थिति में है. विधानसभा के हर बूथ पर पांच मजबूत लोगों की टीम तैयार की जाएगी. बैठक में वक्ताओं ने कहा कि

बार मौका मिलना चाहिए. इसके लिए मझगांव विधानसभा (53) कांग्रेस के आला अधिकारियों ने जिला से प्रदेश एवं राष्ट्रीय स्तर तक सभी कांग्रेस पदाधिकारियों को इससे अवगत कराएगी. आगामी संगठन बैठक की तैयारी को लेकर मंझारी प्रखंड भरभरिया में 27 जुलाई को 9 बजे बैठक होगी. इसमें मझगांव विधानसभा के सभी वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता भाग लेंगे. बैठक को मुख्य वक्ता अविभाजित बिहार के विधानसभा के पूर्व डिप्टी स्पीकर देवेन्द्र नाथ चंपिया, ओबीसी प्रदेश उपाध्यक्ष मायाधर बेहरा, युवा कांग्रेस के प्रदेश महासचिव दीनबंध बोयपाई, जिला मुख्य संगठक नृतन पिंगुवा, आदिवासी चेयरमैन देवराज चातर आदि ने संबोधित किया.

अब गठबंधन के तहत कांग्रेस को एक

पश्चिम सिंहभूम के चक्रधरपुर, चाईबासा, किरीबुरु में अधिकारियों, नेताओं व आमलोगों ने दिया अपना-अपना मंतव्य

किसी ने कहा टैक्स स्लैब में ज्यादा बदलाव नहीं तो किसी ने कहा बजट से सबको है राहत

आम लोगों को राहत नहीं : पद्माकेश दुबे

चक्रधरपुर निवासी एफसीए पद्माकेश दुबे ने कहा कि इस बजट से महंगाई बढ़ेगी. आम इससे शेयर मार्केट में निवेश करने वालों में कमी आएगी. माध्यम से खेती करने से संबंधित बजट में रखा गया है. राज्य और दो दल पर केंद्रित दिखाई देती है.

चक्रधरपुर निवासी किसान रमेश महतो ने 📕 कहा कि इस बजट में किसानों का ध्यान

बजट में किसानों का रखा ध्यान : रमेश टिलवे सुरक्षा का उल्लेख नहीं : सन्नी सिंकू

पश्चिम सिंहभूम कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष 🕨 सन्नी सिंकू ने कहा कि केंद्रीय वित्त मंत्री

आयकर में थोडी राहत मिलेगी : अशोक

मेघाहातुबुरु के सेलकर्मी अशोक पान ने कहा कि इस बजट में वेतनभोगी ्सेलकर्मियों रास्ता खोलने का प्रयास होना चाहिये था.

🌉 सेल के ठेकेदार रामाधार सिंह ने कहा कि

सेल के ठेकेदार वीरेन्द्र मिश्रा ने कहा कि इस बार के बजट में सबके लिये कुछ न कुछ राहत लोगों को बजट से राहत नहीं है. टैक्स स्लैब में 10 लाख रुपए तक में छूट दिया जाना लोगों को भी राहत मिलेगी. बजट में सिंचाई रेलवे सुरक्षा, रेलवे भुतीं जैसी जरूरी युवाओं को इंटर्निशप का लाभ दिया जाना साल तक के लिये अनाज की सुविधा, एक

सभी के लिए राहत वाली बजट : वीरेन्द्र मिश्रा

चाहिए था. टैक्स स्लैब में ज्यादा बदलाव नहीं किया गया की व्यवस्था पर ध्यान देने की बात कही गई है. इससे आवश्यकताओं का उल्लेख नहीं है, जबकि रेलवे में बेहतर कदम है. लेकिन सारंडा व झारखंड की बंद करोड़ गरीबों को पीएम आवास योजना का लाभ मिलेगा. है. वहीं शेयर मार्केट के निवेश में टैक्स लगा दिया है. किसानों को लाभ मिलेगा. किसानों को नई तकनीक के इतनी घटनाएं हो रही है. केंद्रीय बजट मूल रूप से दो खदानों को खोलकर हजारों बेरोजगारों को रोजगार का इस बजट में किसानों व युवाओं के लिये बेहतर योजना लाई है. बजट में किसानों के लिये प्रावधान किया गया है.

पर्व की तरह ही है यह बजट : विजय सिंह

कांग्रेस के प्रखंड अध्यक्ष विजय सिंह सामड 🌅 ने कहा कि यह बजट पूर्व की तरह ही है. इस वर्ष के बजट में कोई खास बदलाव देखने 🖚 🎫 को नहीं मिला है. बजट में आम लोगों का 🌅

भाजपा के पूर्व जिला उपाध्यक्ष पवन शंकर पांडेय ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा तीसरे कार्यकाल का पहला बजट बजट पूरे देश में

चौतरफा विकास करेगा. गांव, गरीब, दूसरी ओर सोलर सिस्टम को महंगा किया जा रहा है. 🛾 खास कर जनजातीय समुदाय पर भी ध्यान दिया गया है. 🛭 प्रधानमंत्री इंटर्निशिप योजना की घोषणा की है.

परे देश में चौतरफा विकास होगा : पवन कॉपी-पेस्टल व सरकार बचाओ बजट : त्रिशानू

सामाजिक कार्यकर्ता त्रिशानु राय ने केन्द्र सरकार पर कॉपी-पेस्ट और सरकार बचाओ बजट पेश करने का आरोप लगाया है. उन्होंने कहा कि इसमें नौजवानों, किसानों

ध्यान नहीं रखा गया है. एक ओर सरकार ऊर्जा बचाने के किसान, मजदूर, युवा, युवतियों, महिलाओं के हितार्थ और विपक्षी दलों के शासन वाले राज्यों की अनदेखी की योजना से एक करोड़ युवाओं को लाभ मिलेगा. सोलर डेढ़ हजार रुपये टैक्स बचेगा. सैलरी क्लास को जैसी लिए सोलर सिस्टम पर ध्यान देने की बात कहती है, बजट है. इसमें सभी वर्ग के विकास पर ध्यान दिया गया है. गई है. बजट भाषण दिखावे पर ज्यादा केंद्रित रहा है. ऊर्जा का बढ़ावा देने के प्रयास के साथ सोना-चांदी की उम्मीद थी, वैसा नहीं हुआ. एक करोड़ युवाओं को कीमत को घटाया जायेगा. इसका लाभ लोगों को मिलेगा. इंटर्निशिप में सैलरी बेहतर कदम है.

रोजगार के मिलेंगे अवसर : रामाधार हर माह डेढ़ हजार रूपए टैक्स बचेगा : अवधेश

सेल की झारखंड खान समूह के ऑफिसर्स 🌆 इस बजट में वेतन भोगी कर्मचारियों व अन्य 📕 एसोसिएशन के अध्यक्ष अवधेश कुमार ने को टैक्स में थोड़ा लाभ मिलेगा. युवाओं को कहा कि बजट में सैलरी क्लास के लोगों को 🕦 रोजगार के नये अवसर मिलेंगे, इंटर्निशप 🍱 कुछ राहत मिली है. इससे हर माह लगभग

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को देश का आम बजट पेश किया. यह मोदी 3-0 का पहला और उनका रिकॉर्ड 7वां बजट था. वह लगातार 7 बजट पेश करने वाली पहली वित्त मंत्री बन गई हैं. उन्होंने मोरारजी देसाई का रिकॉर्ड तोड़ा है. इस दौरान वित्त मंत्री ने कई घोषणाएं भी कीं. घोषणाएं होते ही पक्ष के लोगों ने वाह-वाह किया है. वहीं विपक्ष ने इसे जनता से बहुत दूर का बजट करार दिया है.

न्यू टैक्स रिजीम में



<mark>ओल्ड</mark> टैक्स रिजीम वाले

किसानों के लिए खोला खजाना, 1.52 लाख करोड़ रूपये आवंटित

लगातार न्यूज नेटवर्क । मोदी 3-0 सरकार के तीसरे कार्यकाल के पहले बजट में कृषि और किसानों के लिए खजाना खोल दिया गया है. वित्त मंत्री निर्मला सीतारम<mark>ण</mark> ने इस साल के बजट में किसानों का खास ध्यान रखा है और किसानों की कमाई में इजाफा करने के लिए कई कदम उठाए गए हैं. बजट में किसानों और कृषि क्षेत्र के 1.52 लाख करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है. इस फंड से कृषि और इससे जुड़े क्षेत्रों के लिए योजनाएं बनाई जाएंगी. इस दौरान निर्मला सीतारमण के पिटारें से किसानों के लिए कई योजनाएं निकली हैं. बजट 2024 में केंद्रीय सरकार का फोकस कृषि के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने, कृषि में तकनीक को बढ़ावा देने और प्राकृतिक खेती क<mark>ी</mark> ओर किसानों का रुझान बढ़ाने पर रहा है. हालांकि, बजट में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की राशि में बढ़ोतरी और एमएसपी को लेकर कोई घोषणा नहीं की गई है.

किसानों के लिए खुला सरकार का पिटारा

डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना (डीपीआई) : देश के 400 जिलों में डीपीआई का उपयोग करते हुए खरीफ फसलों का डिजिटल सर्वेक्षण किया जाएगा. पांच राज्यों में जन समर्थ आधारित किसान क्रेडिट कॉर्ड जारी किए जाएंगे. झींगा मछली ब्रुडस्टॉक के लिए केन्द्रीकृत प्रजनन केंद्रों का नेटवर्क स्थापित करने हेतु वित्तीय सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा . ग्रामीण अर्थव्यवस्था की वृद्धि और रोजगार सुजन में तेजी लाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय सहयोग नीति तैयार की जाएगी . किसानों 🏴 के लिए 32 कृषि और बागवानी में फसलों की 109 उच्च–पैदावार और जलवायू–अनुकूल किस्में जारी की जाएंगी . क्रियान्वयन में सहायता के लिए 10 हजार आवश्यकता आधारित जैव-इनपुट संसाधन केंद्र स्थापित किए जाएंगे. देश भर में 1 करोड़ किसानों को प्रमाणीकरण और ब्रांडिंग के माध्यम से प्राकृतिक खेती की शुरुआत की जाएगी.

घर-परिवार

बच्चों के लिए ऐसे करें बचत, मिलेगा फायदा

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट में 'एनपीएस–वात्सल्य' योजना की भी घोषणा की है , वित्त मंत्री ने कहा, ' एनपीएस–वात्सल्य के रूप में नाबालिग बच्चों के लिए माता–पिता और अभिभावकों द्वारा योगदान की एक योजना शुरू की जाएगी . नाबालिंग के वयस्क होने पर योजना को निर्बाध रूप से सामान्य एनपीएस खाते में परिवर्तित किया जा सकता है . राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस), केंद्र ांसेवानिवृत्त होने के बाद भी एक निश्चित आमदनी आपके खाते में आती है . इस योजना वे तहत आपको लंबी अवधि तक निवेश करना होता है . अब आप इस योजना के तहत अपने नाबालिग बच्चों के नाम पर भी निवेश कर सकेंगे . केंद्र सरकार ने इस अतिरिक्त योजना को 'एनपीएस–वात्सल्य' नाम दिया है. वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि एनपीएस–वात्सल्य योजन के तहत माता-पिता अपने नाबालिग बच्चे के नाम पर निवेश कर सकेंगे.

गरीब-मध्यम वर्ग

एक करोड़ परिवारों को घर, मिलेगी सब्सिडी

बजट भाषण में वित्त मंत्री ने एलान किया कि प्रधानमंत्री आवास योजना— ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में तीन करोड़ अतिरिक्त घरों की घोषणा की गई है . इसके लिए आवश्यक आवंटन किया गया है . औद्योगिक श्रमिकों के लिए छात्रावास शैली के आवासों के साथ किराये के आवास बनाए जाएंगे . इसे सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी मोड) के माध्यम से किया जाएगा . बजट में पीएम आवास योजना (शहरी) 2.0 का एलान किया गया है. इसके तहत 10 लाख करोड़ रुपए के निवेश से एक करोड़ गरीब और मध्यम वर्ग के परिवारों की आवास की जरूरत को पूरा किया जाएगा . इसमें अगले पांच वर्षों में २.२ लाख करोड़ रुपए की केंद्रीय सहायता शामिल होगी . शहरी आवास के लिए किफायती दरों पर ऋण उपलब्ध कराने के लिए सरकार ब्याज सब्सिडी योजना लाएगी . इसके साथ ही सरकार बेहतर उपलब्धता के साथ कुशल और पारदर्शी किराये के आवास बाजार की स्थापना करेगी .

मध्यम वर्ग के लिए राहत |

पारिवारिक पेंशन पर बढ़ी छूट की सीमा

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने घोषणा की कि आयकर अधिनियम 1961 की व्यापक समीक्षा की जाएगी, जिससे टैक्स संबंधी विवाद और मुकदमेबाजी कम होगी . इसे 6 महीने में पूरा करने का प्रस्ताव है इसे 6 महीने में पूरा करने का प्रस्ताव है कर व्यवस्था में व्यवितगत आयकर दरों पर वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा, 'नई कर 🔃 व्यवस्था के तहत, कर दर संरचना ऐसी होगी, जिसमें 0 से 3 लाख रुपये तक कोई टैक्स नहीं लगेगा . 3-7 लाख रुपये की आय पर 5% और 7-10 लाख रुपये की आय पर 10% आयकर लगेगा . वहीं 10–12 लाख की आय पर 15% और 12–15 लाख रुपये की सालाना आय पर 20%, और 15 लाख से अधिक की आय पर 30% आयकर लगेगा.

सरकार ने स्टैंडर्ड डिडक्शन को 50 हजार से बढाकर 75 हजार रुपये कर दिया है. पारिवारिक पेंशन पर छट की सीमा 15 हजार से बढ़ाकर 25 हजार रुपये की जा रही है . वित्त मंत्री ने कहा कि इन दोनों बदलावों से चार करोड़ नौकरीपेशा और पेंशनर्स को फायदा मिलेगा . वित्त मंत्री ने कहा कि केवल उन मामलों में आयकर आकलन को 3 साल बाद फिर से खोला जाएगा, जहां बची हुई आय 50 लाख रुपये और उससे अधिक है . वित्त मंत्री ने कहा कि दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ कर को 10 र से बढ़ाकर 12.5% किया गया और दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ छूट १ लाख से बढ़ाकर १.२५ लाख किया गया .

बाइल- द्वाइयां सरती वित्त मंत्रा न बजट भाषण म प्रशास नाषाहर के घरेलू उत्पादन में इजाफा हुआ है. मोबाइल फोन, मोबाइल चार्जर पर सीमा शुल्क घटाया जाएगा . वित्त मंत्री ने कहाँ मोबाइल फोन और मोबाइल पीसीबीएस तथा मोबाइल चार्जर पर बीसीडी को घटाकर 15% करने का प्रस्ताव करती हूं . इसके चलते देश में मोबाइल और मोबाइल उपकरण सस्ते होंगे . वित्त मंत्री ने कहा, 'प्रधानमंत्री सूर्यघर मुप्त बिजली योजना की शुरुआत की गई है, जिसके तहत छतों पर सोलर पैनल लगाए जाएंगे, जिससे १ करोड़ परिवारों को हर महीने ३०० यूनिट तक निशुल्क बिजली मिल सकेगी . यह योजना इसे और बढ़ावा देगी . बजट के दौरान वित्तमंत्री ने कैंसर रोगियों को बड़ी राहत दी है . सरकार ने कैंसर की तीन दवाओं से कस्टम ड्यूटी हटाने का एलान किया है . कैंसर

इन्फ्रास्ट्रक्वर

औद्योगिक केंद्र का विकास किया जाएगा



अमृतसर–कोलकाता औद्योगिक गलियारे के तहत गया में औद्योगिक केंद्र का वि<mark>कास</mark> केया जाएगा . 26 हजार करोड़ रुपए की कुल लागत से इन सड़क संपर्क परियोज<mark>नाओ</mark>ं का विकास किया जाएगा . पटना-पूर्णिया एक्सप्रेस-वे, बक्सर-भागलपुर एक्सप्रेस-वे बोधगया, राजगीर, वैशाली और दरभंगा में सड़कों के काम में तेजी लाई जाएगी .बक्सर में गंगा नदी पर नया 2—लेन वाला एक पुल बनेगा .

उद्योग

खनिज मिशन शुरू किया जाएगा



100 शहरों में या उसके आसपास निवेश के लिए प्लग एंड प्ले' औद्योगिक पार्कों का निर्माण किया जाएगा . राष्ट्रीय औद्योगिक कॉरिडोर विकास कार्यक्रम के तहत 12 औद्योगिक पार्कों को मंजूरी दी जाएगी . खनिजों के घरेलू उत्पादन, रिसाइक्लिंग और विदेश में महत्वपूर्ण खनिज अस्तियों का अधिग्रहण करने के लिए महत्वपूर्ण खनिज मिशन शुरू किया जाएगा .

शहरी विकास

पीपीपी मोड पर मकानों का निर्माण होगा

आर्थिक और आवागमन योजना के जरिए बाह्य शहरी क्षेत्रों का सुनियोजित विकास. मौजूदा शहरों के रचनात्मक ब्राउनफील्ड पुनर्विकास के लिए रूपरेखा . 100 बड़े शहरों के लिए जलापूर्ति, सीवेज ट्रीटमेंट <mark>और</mark> दोस कचरे का प्रबंधन परियोजनाएं एवं सेवाएं . 30 लाख से ज्यादा आबादी वाले 14 बडे शहरों के लिए आवागमन संबंधी विकास योजनाएं . पीएम आवास योजना (शहरी) 2.0 के तहत एक करोड़ शहरी गरीब व मध्यमवर्गीय परिवारों को लाभ मिलेगा . चयनित शहरों में 100 हाट या स्ट्रीट फूड हब बनेंगे. औद्योगिक कर्मियों के लिए पीपीपी मोड में किराए के मकानों का निर्माण किया जाएगा.

ऊर्जा सुरक्षा

पीएम सुर्य घर मुपत बिजली योजना चालू

पीएम सर्य घर मफ्त बिजली योजना के तहत 1.28 करोड़ से ज्यादा पंजीकरण किए गए और 14 लाख

सुविधाजनक बनाने के लिए पम्पड स्टोरेज परियोजाओं को बढ़ावा देने के लिए एक नहें नीति लाई जाएगी . परमाणु ऊर्जा के लिए नई प्रौद्योगिकियों और स्मॉल और मॉड्सूलर परमाणु रिएक्टर का अनुसंघान और विकास . उन्नत अल्ट्रा सुपर क्रिटिकल थर्मल पावर 🔭 (एयुएससी) प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल से एनटीपीसी और बीएचईएल का एक संयुक्त उद्यम 800 मेगावाट का वाणिज्यिक संयंत्र स्थापित करेगा. हार्ट टू एबेट उद्योगों के लिए रोडमैप

तैयार किया जाएगा. 60 कलस्टरों में सूक्ष्म एवं लघु उद्योगों की निवेश ग्रेड उर्जी लेखा परीक्षा की सुविधा से स्वच्छ उर्जा में परिवर्तित करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी.

ऋण-रोजगार

मद्रा योजना में मिलेगा २० लाख तक ऋण

देश में चलने वाली कई तरह की योजनाओं के जरिए गरीब और मध्यम वर्ग को लाभ दिया जाता है . इसके लिए भारत सरकार कई तरह की योजनाएं चलाती है जिसमें से एक प्रधानमंत्री मुद्रा योजना . इसी योजना को लेकर वित्त मंत्री ने संसद में बजट पेश करने के दौरान मुद्रा लॉन को लेकर एक बड़ा एलान किया . तो चलिए जानने की कोशिश करते हैं कि ये एलान किया है और किन्हें इसका लाभ मिल सकेगा . दरअसल, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने ऐलान किया कि अब मुद्रा लोन 20 लाख रुपए तक मिल सकेगा. जबिक इससे पहले ये लोन सीम 10 लाख रुपए तक की थी . ऐसे में इस घोषणा से मद्रा लोन लेने वाले लोगों को सीधे तौर पर लाभ मिल सकता है . सरकार ने इस योजना की शुरुआत साल 2015 में की थी.

की कुछ दवाएं और कैंसर के उपचार में इस्तेमाल किए जाने वाले उपकरण सस्ते होंगे . इससे रोगियों को सीधा लाभ मिलने की उम्मीद है . गौरतलब है कि कैंसर की समस्या तेजी से बढ़ती जा रही है और इसका उपचार प्राप्त करना और दवाओं पर खर्च आम आदमी की जेब पर बड़ा भार डालता है .वित्त मंत्री निर्मला ने चरणबद्ध विनिर्माण कार्यक्रम के तहत मेडिकल एक्स-रे मशीनों में उपयोग के लिए एक्स-रे टयब और फ्लैट पैनल डिटेक्टरों पर आयात शुल्क हटाने की घोषणा की है . कैंसर के मरीजों के लिए तीन और देवाओं को पूरी तरह सीमा शुल्क से मुक्त कर दिया जाएगा . एक्सरे ट्यूब, फ्लैट पैनल डिटेक्टर में भी सीमा शुल्क घंटाया जाएगा. सोने और चांदी पर सीमा शुल्क छह फीसदीँ और प्लेटिनम पर 6.4 फीसदी सीमा शुल्क घटाया जाएगा . एक करोड़ परिवारों को हर महीने मिलेगी 300 यूनिट मुफ्त बिजली .



सोने का भाव करीब

४००० रुपये प्रति १०

ग्राम तक घट गया



सीतारमण

आम बजट

पेश करने जाती

वित्त मंत्री निर्मला

पहली

सरकार ने अपना पहला बजट पेश कर दिया है और इसमें सोने की कीमतों में अचानक बड़ी गिरावट देखने को मिली है.

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का बजट भाषण खत्म होते-होते

सोने का भाव करीब ४००० रुपये प्रति १० ग्राम तक घट गया . एमसीएक्स पर यहां पहंचा भाव वित्त मंत्री ने अपने बजट भाषण सोना—चांदी को लेकर एक बड़ा ऐलान किया गया है . इसके बाद में सोने और चांदी समेत अन्य मेटल्स पर कस्टम ड्यूटू घटाने का ऐलान किया है . सरकार ने सोना और चांदी पर पहले से लागू कस्टम ड्यूटी कम करके अब 6% कर दिया है .

सीधे खाते में आएंगे 15 हजार, पीएफ भी सरकार देगी, 2.1 करोड़ युवाओं के लिए बड़ा ऐलान : वित्त मंत्री ने पहली बार नौकरी पाने वालों को तोहफा दिया है. सीतारमण ने कहा कि संगठित क्षेत्र में पहली बार नौकरी की शुरुआत करने वालों को एक महीने का वेतन दिया जाएगा. यह वेतन डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के

<mark>1. पहली बार नौकरी पाने वालों को तोहफा</mark>ः सीतारमण ने कहा, रोजगार और कौशल विकास सरकार की नौ प्राथमिकताओं में से एक है . इसके तहत पहली बार नौकरी करने वालों को बड़ी मदद मिलने जा रही है . संगठित क्षेत्र में पहली बार नौकरी की शुरुआत करने वालों को एक महीने का वेतन दिया जाएगा . यह वेतन डीबीटी के जरिए तीन किस्तों में जारी होगा . इसकी अधिकतम राशि १५ हजार रुपए होगी . ईपीएफओ में पंजीकृत लोगों को यह मदद मिलेगी . योग्यता सीमा एक लाख रुपये प्रति माह होगी . इससे 2 .10 करोड़ युवाओं को फायदा होगा .

2. पीएफ में एक महीने का योगदान : वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार रोजगार से जुड़ी तीन योजनाएं शुरू करेगी . उन्होंने कहा कि एक महीने का पीएफ (भविष्य निधि) योगदान प्रदान करके नौकरी बाजार में प्रवेश करने वाले 30 लाख युवाओं को प्रोत्साहन प्रदान करेगी . उन्होंने घोषणा की कि कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी को बढावा देने के लिए देश में कामकाजी महिला छात्रावास

3. एक करोड़ युवाओं को टॉप-500 कंपनियों में 12 महीने इंटर्निशिप और हर महीने भता ः वित्त मंत्री निर्मण सीतारमण ने अपने बजुट भाषण में कहा कि सरकार एक करोड़ युवाओं को अगले पांच साल में टॉप—500 कंपनियों में इंटर्निशिप का मौका देगी . यह <mark>इंटर्निशिप 12 महीने की होगी . इसमें युवाओं को कारोबार के वास्तविक माहौल को जानने और अलग–अलग पेशे की चुनौतियों से</mark> रुबरु होने का मौका मिलेगा . इसके तहत युवाओं को हर महीने पांच हजार रुपए का भत्ता भी दिया जाएगा . यही नहीं, उन्हें एकमुश्त मदद के रूप में छह हजार रुपएँ दिए जाएंगे . कंपनियों को अपने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत प्रशिक्षण <mark>का खर्च और इंटर्नशिप की 10 फीसदी लागत को वहन करना होगा .</mark>

> **4.** 1000 <mark>औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों को अपग्रेड किया जाएगा : उन्होंने क</mark>हा, मुझे कौशल विकास और राज्य सरकारों व उद्योग जगत के साथ<mark> सहयोग के लिए प्रधानमंत्री पैकेज के त</mark>हत चौथीं योजना के तौर पर केंद्र की नई प्रस्तावित योजना की घोष्<mark>रणा</mark> करते हुए खुशी हो रही हैं . पांच साल की अवधि में 20 लाख युवाओं को कुशल बनाया जाएगा . एक हजार औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) को हब में अपग्रेड किया जाएगा .

5. जलवायुं के अनुकूल बीज विकसित करने के लिए धन मुहैया करेगी सरकार : सीतारमण ने कहा कि सरकार जलवायु के अनुकूल बीज विकसित करने के लिए निजी क्षेत्र और उससे जुड़े विशेषज्ञों व अन्य को धन मुहैया कराएगी

> 6. मनरेगा में परिवार के एक सदस्य को कम से कम 100 दिन का रोजगार : उन्होंने आगे कहा, पहले मौजूद मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी) योजना में प्रत्येक उस परिवार के कम से कम एक व्यक्ति को 100 दिनों का रोजगार प्रदान किया जाएगा, जिसके वयस्क सदस्य शारीरिक काम चाहते हैं

कौशल विकास और रोजगार पर जोर

हैं. इस बार के केंद्रीय बजट में शिक्षा के क्षेत्र को 1.48 करोड़ रुपये का शिक्षा क्षेत्र के लिए पिछले साल के मकाबले और अब तक की सबसे अधिक राशि है . इस बार के शिक्षा बजट में आवंटित राशि से शैक्षिक बुनियादी ढांचे में सुधार ला<mark>ने,</mark> नौकरी के अवसर पैदा करने और पूरे देश में कौशल विकास कार्यक्रमों को बढ़ाने की उम्मीद है , वहीं, यवाओं को स्किल्ड बनाना के उद्देश्य से पीएम पैकेज के तहत युवाओं के लिए पांच मुख्य स्कीम की घोषणा की गयी है . इसके लिए दो लाख करोड़ रुपये का फंड <mark>आ</mark>वंटित किया गया है . इस बार के बजट में कामकाजी महिलाओं का भी विशेष ध्यान रखा गया है इसके अलावा युवाओं के कौशल प्रशिक्षण, आईआईटी संस्थानों के विकास पर भी ध्यान दिया गया है

इंफ्रास्ट्रक्चर-यात्री सुरक्षा पर जोर

ाजर्ग रेल यात्रियों को सरकार ने फिर किया निराश : केंद्रीय बजट 2024–25 में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से रेलवे को लेकर कुछ महत्वपूर्ण घोषणाएं करने की उम्मीद थी, लेकिन केंद्र ने पुंजीगत व्यय को अंतरिम बजट 2024 में घोषित किए गए अनुसार ही रखा . वित्त मंत्री के बजट भाषण में भारतीय रेलवे का केवल एक बार उल्लेख किया गया, जो उम्मीदों के विपरीत था . इस बजट में रेलवे का फोकस रेल दुर्घटनाओं को कम करने और ढांचागत मतबूती पर रखा गया है . इसके अलावा वंदे <mark>भारत, अमृत भारत और बुलेट ट्रेनों पर भी सरक</mark>ार काम कर रही है . सुरक्षा और यात्री भी प्राथमिकता दी गई है . हालांकि बुजुर्ग रेल यात्रियों की उम्मीदों पर एक बार फिर गा है . कोरोना काल से बंद बुजुर्गों को रेल टिकट पर मिलने वाली रियायत पर इस बार के बजट में नहीं <mark>है. बुजुर्ग ये मांग बहुत दिनों से कर रहे हैं, लेकिन सरकार ने उन्हें निराश किया है . कुल मिला इफ़ास्ट्रुक्<mark>वर पर पूरा जार है . साथ ही यात्रियों की सुरक्षा पर धन खर्च करने की बात कही गयी है .</mark></mark>

<mark>जानते हैं</mark>, रेलवे को क्या-क्या मिला...

प्रा<mark>क्ताने के लिए 34,603 करोड़ रुपये</mark> : मोदी 3,0 सरकार के पहले बजट में इनों की बिछाने के लिए अनुमानित 34,603 करोड़ रुपये की राशि के आवंटन की योजना है . <mark>11म बजुट में यह राशि 34,410</mark> करोड़ रुपये थी . वहीं, दोहरी रेल लाइन बिछाने के लिए बजट की कुम कि<mark>या गुरा है . 2024–25</mark> के बजट में अनुमानित 29,312 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं,

विधाओं के लिए 💎 रेलपथ नवीकरण के लिए भी बजट की परियोजनाओं के लिए अनुमानित 6472 करोड़ थी . इसी तरह, रेलपथ नवीकरण के लिए भी भावं<mark>टित करने की योजना बनाई गई है . यह 🌎 बजट की राशि बढ़ायी गयी है . इस बजट में</mark>

ः इस बजट में रेल राशि को बढाया : सिग्नल और दूरसंचार संबंधी कार्यों के लिए भी बजट की राशि बढार्य गयी है . इसके लिए इस बजट में 4647 करोड़ रुपये आवंटित करने की योजना है . 2023-24 के आम बजट में यह राशि 3,581 करोड़ रुपये 23-24 के केंद्रीय बजट के मुकाबले इसके लिए 17,652 करोड़ रुपये की राशि 889 करोड़ रुपये कम है . पिछले पूर्ण बजट में आवंटित करने की योजना है . पिछले केंद्रीय बजट यह राशि 8361 करोड़ रुपये थी . में यह राशि 16,826 करोड़ रुपये थी .

ीएस मुद्र में 2 .52 लाख करोड़ का आवंटन बरकरार : 2024–25 के अंतरिम बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रेलवे को सकल बजटीय सहायता (जीबीएस) के रूप में 2,52,200 करोड़ रुपये आवंटित किए थे. बजटीय संसाधनों (ईबीआर) से अतिरिक्त 10,000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे. बजट 2024–25 में इसे बरकरार रखा गया है. इसके अलावा सरकार की प्राथमिकता सूची में कवच स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली का दायरा बढ़ाने में तेजी लाना भी शामिल है.

सेना को ६.२१ लाख करोड का बजट आवंटन रक्षा मंत्रालय को कुल बजट का 12.9% और जीडीपी का 2.5% मिलाकेंद्र सरकार ने वर्ष 2024–25 के

आम बजट में रक्षा मंत्रालय के लिए अब तक का सर्वाधिक 6,21, 940 करोड़ रुपये का आवंटन किया है, जो कुल बजट का 12.9% है. वहीं, वर्ष 2023-24 में रक्षा मंत्रालय का आवंटन 5,93,537 .64 करोड़ रुपये था . रक्षा बजट का आवंटन जीडीपी का लगभग 2 .5% है . इस वर्ष के रक्षा बजट में पंजीगत व्यय के लिए 1.72 लाख करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है . रक्षा क्षेत्र में आत्मिनर्भरता बढ़ाने के लिए घरेलू पूंजीगत खरीद के लिए 15,518.43 रुपये आवंटित किये गये हैं . वहीं, सीमा सड़क संगठन के लिए 6500 रोड़ रुपए का आवंटन किया गया है, जो पिछले बजट की तुलना में 30 % अधिक है . स्टार्टअप, नवाचार

तथा छोटी इकाइयों को प्रौद्योगिकी समाधान तथा उन्नयन के लिए आईडेक्स योजना के तहत 518 करोड

रुपये का आवंटन किया गया है. बजट में रक्षा पेंशन मद में 141,205 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है.

बजट पर नेताओं ने क्या कहा

बजट दुरदर्शी, जनहितैषी व विकासोन्मुखीः अमित शाह

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा मंगलवार को संसद में पेश किए गए 2024–25 के आम बजट को दूरदर्शी, जनहितैषी और विकासोन्मुखी करार दिया और कहा कि यह न केवल भारत के उद्देश्य, उम्मीद और आशावाद की नयी भावना का उदाहरण प्रस्तुत करता है बल्कि उन्हें मजबत भी करता है। शाह ने कहा कि बजट न केवल पीएम के नेतृत्व वाली सरकार के तहत भारत के उद्देश्य, उम्मीद और आशावाद की नयी भावना का उदाहरण देता है.

सशस्त्र बलों को और मजबूत बनाया जाएगा : राजनाथ सिंह

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक्स पर लिखा. 'भारत सरकार के वित्त वर्ष 2024–25 के बजट में रक्षा मंत्रालय के लिए सबसे ज्यादा आवंटन किया है, मैं वित्त मंत्री को धन्यवाद देता हूं जिन्होंने रक्षा मंत्रालय के लिए 6,21,940 .85 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं. ये कुल बजट का 12.9 फीसदी है. 1,72,000 कैपिटल एक्सपेंडिचर हमारे सशस्त्र बलों की क्षमताओं को और मजबूत करेगा . घरेलू पूजीगत खरीद के लिए 1,05,518.43 करोड़ रुपये का प्रावधान आत्मनिर्भरता को प्रोत्साहन देगा.

सभी संकल्पों को सिद्ध करने वाला बजट : योगी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को संसद में पेश किये गये केन्द्रीय बजट को १४० करोड़ देशवासियों की आशाओं, आकांक्षाओं और 'अमृत काल' के सभी संकल्पों को सिद्ध करने वाला बजट बताया है . योगी ने 'एक्स' पर अपने संदेश में भी कहा, आम बजट 2024-25 'विकसित भारत-आत्मनिर्भर भारत' के निर्माण का आर्थिक दस्तावेज है. उन्होंने कहा, मध्यम वर्ग को बडी राहत प्रदान करते हुए प्रत्यक्ष कर प्रणाली के संबंध में नए प्रावधानों की घोषणा स्वागत योग्य है.

आम बजट से हम बहत खुश हैं : नीतीश कुमार

आम बजट को लेकर बिहार में सियासी बयानबाजी खूब हो रही है. इस बीच सीएम नीतीश कुमार ने मंगलवार को प्रतिक्रिया दी . उन्होंने कहा कि बजट से हम खुश हैं . विशेष दर्जा के लिए हमलोग आंदोलन कर रहे थे. आज जो बोल रहे हैं जब उनकी पार्टी केंद्र में थी तब क्या किए? हम इसके लिए लगातार बोलते रहे हैं . हमने कहा विशेष राज्य जा दर्जा दीजिए या विशेष अधिकार के लिए मदद कीजिए. हम लोगों ने कह दिया था बिहार को मदद करिए उसी में कई चीजों की मदद की घोषणा हुई है .

बजट लक्ष्य को प्राप्त करने की रूपरेखा : भूपेंद्र पटेल गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने मंगलवार

को पेश केंद्रीय बजट को 'विकासोन्मखी' बताते हुए कहा कि इसमें 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने की रूपरेखा दी गई है . पटेल ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत बजट 2047 तक विकसित भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सपने को साकार करने की रूपरेखा है. पटेल ने कहा कि यह बजट भारत को विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने म महत्वपूर्ण कदम साबित हागा

जरूरतों को पहचानने के लिए धन्यवाद : चंद्रबाबु

आंध्र के सीएम ने भी जताई खुशी बजट में आंध्र प्रदेश के लिए की गई घोषणाओं को लेकर आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री और तेलुगु देशम पार्टी के प्रमुख चंद्रबाबू नायडू ने राज्य की जरूरतों को पहचानने और नई राजधानी अमरावती सहित राज्य में कई विकासों के लिए धन आवंटित करने के लिए केंद्र को धन्यवाद दिया है. वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को बजट 2024 के दौरान आंध्र प्रदेश के विकास के लिए कई उपायों की घोषणा की, जिसमें अमरावती के विकास के लिए 15,000 करोड़ रुपये की घोषणा भी शामिल है .

पांच साल बाद 'विशेष आवंटन' किया गया : तेदेपा

तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) ने केंद्रीय बजट में पोलावरम परियोजना, औद्योगिक गलियारों और अन्य के लिए घोषित प्रतिबद्धताओं का जिक्र करते हुए मंगलवार को कहा कि पांच साल बाद बजट में आंध्र प्रदेश के लिए विशेष आवंटन किया गया है . आंध्र प्रदेश में सत्तारूढ़ तेदेपा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' के जरिए कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 में आंध्र प्रदेश के पुनर्निर्माण के लिए 15,000 करोड़ रुपये की धनराशि आवंटित की गई.

www.lagatar.in

रांची, बुधवार 24 जुलाई, 2024 06-07

नकलची व मोदी सरकार बचाओ बजट है : खरगे कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने

मंगलवार को आरोप लगाया कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने देश की तरक्की वाल नहीं, बल्कि मोदी सरकार बचाओ बजट पेश किया है, उन्होंने यह दावा भी किया कि यह नकलची बजट है जिसमें सरकार कांग्रेस व न्याय के एजेंडे की ठीक तरह से नकल नहीं कर पाई है . खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, कांग्रेस के न्याय के एजेंडे को ठीव तरह से कॉपी भी नहीं कर पाया मोदी सरकार का "नकलची बजट"

उम्मीद वाला कम, मायुस करने वाला ज्यादा : मायावती

बहजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष मायावती ने मंगलवार को संसद में पेश केंद्रीय बजट को 'अच्छे दिन' की उम्मीदे वाला कम बल्कि उन्हें मायूस करने वाला ज्यादा बताया है . बसपा प्रमुख मायावती सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि संसद में पेश केन्द्रीय बजट अपने पुराने ढर्रे पर कुछ मुट्टी भर अमीर व धन्ना सेठों को छोडकर देश के गरीबों, बेरोजगारों, किसानों, महिलाओं मेहनतकशों, वंचितों वाला कम बल्कि उन्हें मायूस करने वाला ज्यादा है.

केंदीय बजट पक्षपातपूर्ण और गरीब विरोधी : मैमत

पश्चिम बंगाल की मख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को केंद्रीय बजट 2024–25 को 'राजनीतिक रूप से पक्षपातपूर्ण और गरीब वि रोधी ' करार दिया और राज्य को (लाभ से 'वंचित' करने के लिए केंद्र की आलोचना की . मुख्यमंत्री ने आश्चर्य प्रकट करते हा कहा कि पश्चिम बंगाल ने ऐसी कौन सी गलती है कि उसे केंद्र ने 'वंचित' कर दिया है उन्होंने विधानसभा परिसर में संवाददाताओं से कहा, इस केंद्रीय बजट में बंगाल को पूरी तरह से वंचित किया गया है . इसमें गरीबों के हितों का ख्याल नहीं रखा गया है.

दिल्ली को एक पैसा नहीं दिया गया : आतिशी

दिल्ली की वित्त मंत्री आतिशी ने मंगलवार को कहा कि केंद्र को करों के रूप में 2.32 लाख करोड़ रुपये का भुगतान करने के बावजुद केंद्रीय बजट के केंद्रीय करों में दिल्ली को उसके हिस्से के रूप में एक पैस भी नहीं मिला है . उन्होंने कहा कि दिल्ली ने एमसीडी के लिए बजटीय आवंटन की मांग की थी लेकिन उसे केंद्र से एक भी पैसा नहीं मिला है. वह केंद्र को आयकर के रूप में दो लाख करोड़ रुपये से अधिक और केंद्रीय जीएसटी के रूप में 25,000 करोड़ रुपये का भुगतान करती है .

वित्त मंत्री ने कांग्रेस का घोषणा पत्र पढाः चिदंबरम कांग्रेस के वरिष्ट नेता पी चिदंबरम ने केंद्रीय

बजट में इंटर्निशिप योजना की घोषणा किए जाने के बाद कटाक्ष करते हुए कहा कि उन्हें इस बात की खुशी हुई है कि लोकसभा चुनाव के बाद वित्त मंत्री ने मुख्य विपक्षी दल का घोषणापत्र पढा . पर्व वित्त मंत्री चिदंबरम ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, मुझे यह जानकर खुशी हुई कि माननीय वित्त मंत्री ने चुनाव परिणामों के बाद कांग्रेस का लोकसभा २०२४ का घोषणापत्र पढा है काश, वित्त मंत्री ने कांग्रेस घोषणापत्र में कुछ

सरकार बचाने वाला यह आम बजट : अखिलेश

अन्य विचारा का नकल का होता

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोमवार को केंद्रीय बजट में आंध्र प्रदेश और बिहार के लिए की गई घोषणाओं को 'सरकार बचाने' का प्रयास करार दिया और आरोप लगाया कि सरकार ने किसानों और नौजवानों के साथ पूरे देश की अनदेखी की है. उन्होंने कहा, आंकड़ों के हिसाब से बडी-बडी बातें की जाती हैं, लेकिन जो परियोजनाएं चल रही हैं वो समय पर पूरा नहीं हुई हैं ...सरकार बचानी है तो अच्छी बात है कि बिहार और आंध्र प्रदेश को विशेष पैकेज या विशेष योजनाओं से जोड़ा गया है.

राज्य को 'आत्मनिर्भर' बनाने में मददगार होंगी : त्यागी

जदयु ने मंगलवार को आम बजट में बिहार से जुडी घोषणाओं का स्वागत किया और कहा कि विकास के ये उपाय राज्य को 'आत्मनिर्भर' बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम साबित होंगे. पार्टी प्रवक्ता त्यागी ने राजमार्गों के लिए 26,000 करोड़ रुपये से अधिक और बाढ़ से निपटने के कदमों के लिए 11.500 करोड़ रुपये के बजटीय आवंटन की सराहना की और इसे बिहार के लिए 'विशेष वित्तीय सहायता' करार दिया

५ लाख तक की कमाई होनी चाहिए थी टैक्स फ्री

टैक्स एक्सपर्ट की रायः आयकर में छूट को ऊंट के मुंह में जीरा



इनकम पर 5 प्रतिशत इनकम टैक्स देना होगा. 7 से 10 17,500 रुपये की बचत होगी. ै टैक्सेबल इनकम पर 20 फीसदी आयकर लगेगा. 15 लाख 👚 3 लाख है उसे 0-5 लाख करनी चाहिए थी और इसे टैक्स फ्री 👚 गया है. जबकि शॉर्ट टर्म कैपिटल गेन को 15 फीसदी से 👚 हैं और जिनकी सैलरी 10-12 लाख से नीचे है.

आयकर लगेगा. हालांकि आयकर में इस छूट को टैक्स 🛘 बढ़ाया जाना चाहिए था. इस हिसाब से ये ऊंट के मुंह में जीरा 📉 झुनझुनवाला ने कहा कि इससे टैक्स पेयर्स को ज्यादा त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट 2024 में इनकम टैक्स एक्सपर्ट ऊंट के मुंह में जीरा बता रहे हैं. टैक्स एक्सपर्ट जैसा ही लगता है. टैक्स विशेषज्ञ झूनझूनवाला ने कहा कि 📑 कुछ हासिल नहीं होने वाला है. उन्होंने कहा कि इस व्यवस्था स्लैब में बदलाव कर दिया है. वित्त मंत्री ने स्टैंडर्ड डिडक्शन मनोज गोयल ने कहा कि ये कटौतियां ऊंट के मुंह में जीरा अगर करमुक्त आय 3 से बढ़ाकर 5 लाख कर दिया जाता तो से 37500 करोड़ रुपए का भार सरकार पर पड़ेगा, लेकिन की सीमा को 50 हजार से बढ़ाकर 75 हजार कर दिया गया जैसी ही बात है. उन्होंने कहा कि इसका कुल प्रभाव देखें तो 15 लाख से ऊपर सालाना कमाने वाले व्यक्ति को 60 हजार सरकार इसी सिस्टम से 30 हजार करोड़ वसूल कर लेगी है. इसके अलावा सरकार ने न्यू टैक्स रिजीम के तहत नए 🛮 जिनकी कमाई सैलरी से न होकर अन्य स्रोतों से होती है उन्हें 🔻 रुपये की बचत होती. उन्होंने कहा कि ज्यादा अहम बात जो 👚 एक अन्य टैक्स विशेषज्ञ पुनीत खंडेलिया के अनुसार अब न्यू ैटेक्स स्लैब की घोषणा की है. अब तीन लाख तक की आय 时 10 हजार का फायदा होगा. जबकि जो नौकरीशुदा लोग हैं 📉 समझने की है वो ये है कि एक तरफ तो टैक्स स्लैब बढ़ा कर 👚 टैक्स रिजीम की ओर लोगों का रुझान बढ़ेगा. उन्होंने कहा कि पर कोई टैक्स नहीं लगेगा. 3 से 7 लाख तक के टैक्सेबल 🛚 उन्हें 25000 स्टैंडर्ड डिडक्शन बढ़ने की वजह से सालाना 🔻 उन्होंने थोड़ी सी राहत दी है, लेकिन कई बहुत सारी रियायतें 📉 वित्त मंत्री पहले ही कह चुकी हैं कि दो तिहाई लोग न्यू टैक्स छीन भी ली है. जो लोग स्टॉक मार्केट में निवेश कर रहे थे वहां रिजीम में शिफ्ट हो चुके हैं. प्रदीप झुनझुनवाला ने भी कहा कि लाख का टैक्सेबल इनकम होने पर 10 फीसदी की दर से 💎 टैक्स मामलों के एक्सपर्ट प्रदीप झुनझुनवाला ने कहा कि अगर कोई स्टॉक को एक साल तक के लिए रखता था और 🛮 इस बदलाव के बावजूद जिनकी सालाना सैलरी 12 लाख से आय कर लगेगा. 10 से 12 लाख के टैक्सेबल इनकल पर 🛾 आज की महंगाई में लोग जिस तरह की उम्मीदें रख रहे थे वे 🔻 उसे बेचता था तो उसे लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन 10 फीसदी देना 👚 ऊपर है उनके लिए टैक्स का नया रिजीम ही फायदेमंद है. 15 फीसदी की दर से आयकर लगेगा. 12 से 15 लाख के 👤 पूरी नहीं हुई हैं. उन्होंने कहा कि पहली स्लैब जोकि अभी 0- 📉 पड़ता था. लेकिन अब इसे बढ़ाकर 12.5 फीसदी कर दिया 👚 ओल्ड रिजीम में उन्हें ही फायदा है जो डिडक्शन क्लेम करते

से ज्यादा के टैक्सेबल आय पर 30 फीसदी की दर से 💮 करनी चाहिए थी. इसी अनुपात में नीचे के टैक्स स्लैब को भी 📉 बढ़ाकर 20 फीसदी कर दिया गया है. प्रदीप



बढ़ाने की घोषणा : सेंसेक्स, निफ्टी में गिरावट के साथ बंद

यदा एवं विकल्प सौदों पर प्रतिभति लेनदेन कर (एसटीटी) बढ़ाने का मंगलवार को बजट में प्रावधान किए जाने से घरेलू घोषणा की. बजट में इन कदमों की घोषणा होते ही शेयर शेयर बाजारों में भारी उतार-चढ़ाव रहा. हालांकि, मानक बाजार में बड़े पैमाने पर गिरावट देखी जाने लगी. उस समय सुचकांक सेंसेक्स और निफ्टी आखिर में मामुली गिरावट के सेंसेक्स 1,277.76 अंक यानी 1.58 प्रतिशत तक टूटकर साथ बंद हुए. बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित सूचकांक 79,224.32 अंक के निचले स्तर पर आ गया था. हालांकि, सेंसेक्स एक समय 1,200 अंक से ज्यादा गोता लगा गया था. कर रियायतों और सीमा शुल्क में कटौती ने टिकाऊ उपभोक्ता नुकसान की काफी हद तक भरपाई कर ली. कारोबार के अंत 👚 कंपनियों (एफएमसीजी) के शेयरों को बढ़ावा देने में मदद 👚 सर्वाधिक गिरावट देखी गई. में यह 73.04 अंक यानी 0.09 प्रतिशत की हल्की गिरावट के की. जिससे शेयर दिन के निचले स्तर से उबरने में सफल रहे. सीतारमण ने लोकसभा में वित्त वर्ष 2024-25 का बजट पेश निफ्टी 30.20 अंक यानी 0.12 प्रतिशत गिरकर 24,479.05 (एसटीसीजी) को 20 प्रतिशत और दीर्घावधि पूंजीगत लाभ कर और वर्ष 2021 में 2,314.84 अंक की छलांग लगाई थी.

से अधिक की छलांग लगाई जबकि आईटीसी में पांच प्रतिशत से अधिक की बढ़त रही. इनके अलावा अदाणी पोटर्स. एनटीपीसी, इन्फोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एचसीएल

करते हुए वायदा एवं विकल्प सौदों पर लगने वाले कर 🛮 पर बंद हुआ. कारोबार के दौरान एक समय निफ्टी 435.05 📉 (एलटीसीजी) को 12.5 प्रतिशत तक बढ़ाना एक बड़ा झटका

एसटीटी में बढ़ोतरी और इक्विटी निवेश पर दीर्घकालिक अंक यानी 1.77 प्रतिशत फिसलकर 24,074.20 पर आ है. हमें अल्पाविध में इसकी नकारात्मक प्रतिक्रिया के लिए खुद अवधि में होने वाले पुंजीगत लाभ पर कर को बढ़ाने की 🛾 गया था. सेंसेक्स के समूह में शामिल टाइटन ने छह प्रतिशत 👚 को तैयार रखना होगा. मेहता इक्विटीज लिमिटेड में विरष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) प्रशांत तापसे ने कहा, बजट घोषणाओं पर बाजार ने तगडी प्रतिक्रिया दी लेकिन आखिर में सचकांक अपने नकसान की काफी हद तक भरपाई करने में सफल रहे. व्यापक टेक्नोलॉजीज और सन फार्मा के शेयर भी बढ़त के साथ बंद बाजार में बीएसई मिडकैप सूचकांक में 0.74 प्रतिशत की हुए. दूसरी तरफ लार्सन एंड टुब्रो, बजाज फाइनेंस, भारतीय गिरावट रही जबिक स्मालकैप सचकांक 0.18 प्रतिशत घट लेकिन बजट भाषण खत्म होने के बाद इसने धीरे-धीरे अपने 🛮 उत्पादों और दैनिक उपभोग वाले सामान बनाने वाली 🔻 स्टेट बैंक, एक्सिस बैंक और एचडीएफसी बैंक के शेयर में 👚 गया. इससे पहले के तीन बजट दिवसों पर शेयर बाजार में तेजी का माहौल रहा था. वर्ष 2023 में बजट के दिन सेंसेक्स साइट्स एडवाइजर्स के संस्थापक संजय सिन्हा ने कहा. 158.18 अंक चढकर 59,708.08 अंक पर बंद हुआ था. साथ 80,429.04 अंक पर बंद हुआ. वित्त मंत्री निर्मला 📑 नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का मानक सूचकांक 🏻 बाजार के नजरिये से अल्पावधि पूंजीगत लाभ कर 🔻 उससे पहले 2022 में बजट के दिन सेंसेक्स ने 848.40 अंक

हुनर और युवा केंद्रित बजट

कसभा चुनाव में भाजपा को मिले ठोकर का पूरा असर नरेंद्र मोदी की एनडीए सरकार के तीसरे कार्यकाल के पहले बजट पर पड़ा है. यही कारण है कि बाजार को यह बजट ज्यादा रास नहीं आया है, जबकि मध्यवर्ग और गरीबों के लिए भी बजट नयी उम्मीदें पैदा कर पाने में भी कामयाब नहीं है. देश में खपत में जारी गिरावट रुकेगी, ऐसा बजट प्रावधानों से नहीं लगता. मांग की कमी को दूर करने का भी ठोस एलान नहीं है. इसके साथ ही रोजगार के स्थायी सृजन के लिए नए उद्यम खोलने की भी पहल नहीं हैं. यह स्पष्ट कर दिया गया है कि मोदी सरकार की पुरानी नीतियां जारी रहेंगी. नयी कारपारेट नीति की बात की गयी है, लेकिन उसकी दिशा क्या होगी, यह नहीं बताया गया है. कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि बजट उम्मीद पैदा करने में कारगर शायद ही साबित होगा. इसका एक बड़ा कारण पिछले दस सालों का वह अनुभव है, जिसमें आर्थिक सुधार के नाम पर बढ़ती असमानता का कहर है. आर्थिक सर्वेक्षण में बताया जा चुका है कि चालू वित्त

वर्ष २०२३-२४ में अर्थव्यवस्था बजट में अगले पांच वर्षों में 4.1 करोड़ युवाओं के में जो 8.2 फीसद वृद्धि का दावा किया गया है, वह अधिकतर लिए रोजगार, कौंबाल और रोजगार रहित रही है. अन्य अवसरों की सुविधा के लिए अर्थव्यवस्था में देश की आधी से अधिक 15 से 35 वर्ष के बीच पांच योजनाओं और पहलों के विशाल युवा आबादी को रोजगार प्रधानमंत्री पैकेज की घोषणा की गयी देने के मौके नगण्य हैं. इसे ध्यान है. इसके तहत शिक्षा, रोजगार और में रखते हुए वित्त मंत्री ने बजट का कौशल के लिए 1.48 लाख करोड़ फोकस रोजगार, हुनर और युवा रुपये का प्रावधान किया गया हैं. पर केंद्रित करने का प्रयास किया

है, लेकिन स्थायी रोजगार कैसे पैदा होगा, यह नहीं बताया गया है. इसके साथ ही पूर्वोदय योजना के नाम से पूरबी भारत के राज्यों के लिए सौगात देने की पहल की गयी है. इसमें झारखंड, बंगाल, बिहार के लिए विशेष योजना की बात की गयी है. इसके बावजूद आर्थिक असमानता दूर करने के नजरिए से बजट आशा का संचार नहीं कर पाया है. हालांकि यह पूरी कोशिश की गयी है कि बजट मैन्युफैक्चरिंग बढाने वाला साबित हो, ताकि रोजगार सृजन के सपने पैदा किए जा सकें. लेकिन पूरी स्पष्टता का अभाव है. बजट में अगले पांच वर्षों में 4.1 करोड़ युवाओं के लिए रोजगार, कौशल और अन्य अवसरों की सविधा के लिए पांच योजनाओं और पहलों के प्रधानमंत्री पैकेज की घोषणा की गयी है. इसके तहत शिक्षा, रोजगार और कौशल के लिए 1.48 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया हैं. मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल में किसानों, श्रमिकों, निम्न मध्यवर्ग के लिए भी संभावनाएं पैदा करने की कोशिश की गयी है. निर्मला सीतरामण के इस बजट की नौ प्राथमिकताएं हैं. वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि बजट में सरकार की नौ प्राथमिकताएं हैं, जिनमें शामिल हैं खेती में उत्पादकता, रोजगार और क्षमता विकास, समग्र मानव संसाधन विकास और सामाजिक न्याय, विनिर्माण और सेवाएं, शहरी विकास, ऊर्जा सुरक्षा, अधिसरंचना, नवाचार, शोध तथा विकास और अगली पीढ़ी के सुधार. इसके साथ ही कैंसर की तीन दवाओं को कस्टम इयटी से मुक्त कर दिया गया है. बजट में आयकर को ले कर मध्यवर्गीय उम्मीदें पूरी नहीं होती दिख रही हैं.

सुभाषित

परोपदेशे पांडित्यं सर्वेषां सुकरं नृणाम् । धर्मे स्वीयमनुष्ठानं कस्यचित् सुमहात्मनः।।

दूसरों को उपदेश देकर अपना पांडित्य दिखाना बहुत सरल है. परन्तु केवल महान व्यक्ति ही उस तरह से धर्मानुसार अपना बर्ताव रख सकता है. अर्थात यदि आपमें सचमुच पांडित्य है तो आपके आचरण और व्यवहार में भी उस पांडित्य को झलकना आवश्यक है.

प्रकृति की चेतावनी : सचेत होने का वक्त

विडंबना यह है कि हम आज भी सिर्फ प्रौद्योगिकी के रास्ते जलवायू परिवर्तन को रोकने की कोश्चिश कर रहे हैं, मगर यह काफी नहीं है. आवश्यकता है जीवन शैली में व्यापक बदलाव लाने की, जिसमें संपूर्ण मानवता को अपने व्यवहार में बदलाव लाना होगा. विद्यालयों एवं विश्ववविद्यालय में पर्यावरण का पाठ्यक्रम जोड़ देने से कुछ रवास हासिल नहीं होने वाला. जलवायु पेरिवर्तन एक सामाजिक, आर्थिक एवं मनोवैञ्जानिक समस्या है, जिसका समाधान भी इन्हीं के माध्यम से होगा.

र्षों से हम सुनते आ रहे हैं कि जलवायु परिवर्तन हो रहा है. लेकिन वर्ष 2024 की लंबी और भीषण गर्मी के दौर में अब यह स्पष्ट हो गया कि जलवायु परिवर्तन हो नहीं रहा है बल्कि हो गया और हम अभी भी इसको स्वीकार करने में कतरा रहे हैं. इस बार जो गर्मी पड़ी इसकी सामान्य भाषा में यदि चर्चा करें तो यह प्रलयंकारी थी और पुरी तरह से अप्रत्याशित रही. बल्कि गर्मी अभी भी जारी है. एक प्रकार से यह संपूर्ण मानवता को एक कड़ी चेतावनी है कि सुधरों या विनाश के लिए तैयार हो जाओ. इस बार प्रकृति ने बड़े साफ तरीके से संकेत दिया है कि अगर अभी भी नहीं बदले तो भयावह परिणाम भुगतना पड़ेगा. धरती माता सचमुच बहुत गुस्से में है और मनुष्य की कुकृतियां अब बर्दाश्त नहीं करने के मूड में है. गर्मी न सिर्फ अपेक्षाकृत काफी लंबी चल रही है, बल्कि काफी तकलीफ देह भी है, क्योंकि साथ में तेज उमस भी झेलना पड़ रहा है. विशेष रूप से भारत के अधिकांश क्षेत्र में. हमारे प्रदेश झारखंड और पास के प्रदेश बिहार एवं उत्तर प्रदेश में तो स्थिति और भी पीड़ा दायक रही. झारखंड का जहां तक सवाल है तो यहां तो बिजली की समस्या गर्मी के कष्ट को और भी बढ़ा देती है. वैसे तो इस बार की गर्मी एक वैश्विक परिघटना है और यूरोप एवं अमेरिका जैसे ठंडे मौसम वाले देशों में भी पिछले कुछ वर्षों में तापमान का पारा 38 से 40

डिग्री सेंटीग्रेड तक चला गया है. और यह बढ़ रहा है.यह बड़ा ही स्पष्ट संदेश है प्रकृति का कि जलवायु परिवर्तन को रोकने के हमारे अब तक के प्रयास बहुत कारगर नहीं साबित हुए हैं और शायद इस पर गंभीर और ईमानदार प्रयास करने की आवश्यकता है.

• देश-काल

डा. प्रमोद पाठक

जलवायु परिवर्तन कोई एक दिन में नहीं हुआ. यह तो मानवीय भूलों की एक लंबी शृंखला का परिणाम है और हम निश्चिंत थे कि हमारी हरकतों के कुप्रभाव से धरती पर कोई असर नहीं पड़ेगा, किंतु हम यह भूल गए कि प्रकृति का एक बड़ा ही शाश्वत नियम है कि कर्मों का फल तो भुगतना ही पड़ता है. यह सब हमारे ही दुष्कर्मों का

परिणाम है.पर्यावरण की समस्या पर पहली बार सन 1972 में दुनिया के राष्ट्राध्यक्षों ने स्वीडन की राजधानी स्टॉकहोम में मंथन शुरू किया था जिसमें भारत की ओर से तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने प्रतिनिधित्व किया था. उस विचार मंथन के फलस्वरूप विश्व पर्यावरण दिवस मनाना शुरू किया गया, ताकि



पर्यावरण के प्रति चेतना जागृत की जा सके. मगर पांच दशकों से ज्यादा अर्सा बीत जाने के बाद भी धरातल पर परिस्थितियां कुछ खास नहीं बदली हैं, बिल्क थोड़ा बहुत बिगड़ ही गई हैं. इसका मुख्य कारण यह है कि हमने पर्यावरण की समस्या को दूर करने में आम जन को जोड़ने की कोशिश नहीं की. जबकि पर्यावरण प्रदूषण दूर करने के लिए सबसे अधिक भागीदारी आम

आदमी की होनी चाहिए. पर्यावरण प्रदूषण से होने वाला जलवायु परिवर्तन अब खतरनाक स्थिति में पहुंच गया है और इसे रोकने के लिए एक-एक मनुष्य को अपनी जिम्मेवारी निभानी होगी. छोटी-छोटी कोशिशों से हम बड़े-बड़े परिणाम प्राप्त कर सकते हैं. विडंबना यह है कि हम आज भी सिर्फ प्रौद्योगिकी के रास्ते जलवाय परिवर्तन को रोकने की कोशिश कर रहे हैं, मगर यह काफी नहीं है. आवश्यकता है जीवन शैली में व्यापक बदलाव लाने की, जिसमें संपूर्ण मानवता को अपने व्यवहार में बदलाव लाना होगा. विद्यालयों एवं विश्वविद्यालय में पर्यावरण का

पाठ्यक्रम जोड़ देने से कुछ खास हासिल नहीं होने वाला. जलवायु परिवर्तन एक सामाजिक, आर्थिक एवं मनोवैज्ञानिक समस्या है, जिसका समाधान भी इन्हीं के माध्यम से होगा. अपने अहं की तुष्टि और लोभ के प्रभाव के चलते हमने पर्यावरण को नष्ट कर धरती को विनाश की ओर धकेल दिया है. किंतु हम यह भूल गए की विनाश धरती का नहीं हमारा होगा. ओजोन छिद्र और अम्लीय बारिश अब छोटी समस्याएं रह गई हंच और पर्यावरण प्रदूषण ने बहुआयामी स्वरूप अपना लिया है और हमें पर्यावरण की समस्या को समझने के लिए व्यापक एवं विहंगम दृष्टि की आवश्यकता होगी. यह समस्या अब प्राकृतिक अस्थिरता का कारण बन रही है. जंगल की आग से लेकर सुनामी, भूकंप, महामारी सभी में कहीं ना कहीं पर्यावरण की भूमिका है. विकास के नाम पर हमने प्राकृतिक संतुलन को पूरी तरह से बिगाड़ दिया है. नतीजा हम देख रहे हैं. धार्मिक ग्रंथों में प्रलय, कयामत या फैसले की घड़ी का जो संदर्भ है, वह इसी प्राकृतिक असंतुलन को प्रलय का कारण मानता है और यह स्पष्ट रूप से कहा गया है कि मनुष्य के पाप का ही परिणाम प्रलय होता है. यह अवधारणा सभी धर्मों की मान्यता है. आज की परिस्थिति में यदि सच कहा जाए तो पानी सर से ऊंचा हो चला है और त्वरित एवं बृहद प्रयास की जरूरत है. जो मूल बात समझने वाली है वह बड़ी साफ है कि समाधान प्रौद्योगिकी से निकलने वाला नहीं. समाधान मनोविज्ञान से निकलेगा. आदमी की सोच बदलनी होगी. उपभोग की मानसिकता बदलकर संरक्षण की मनोदशा पर काम करना होगा. संसाधनों का दुरुपयोग न कर उपयोग पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है. जल, जंगल और जमीन तीनों का संरक्षण करना होगा. टेक्नोलॉजी बदलना काफी नहीं है. संसाधनों की बर्बादी रोकने की आवश्यकता है. अहं और लोभ पर नियंत्रण करना होगा.

अगर अब भी नहीं चेते तो विनाश अवश्यंभावी है. (ये लेखक के निजी विचार हैं)



माया महाठगनी

या की महिमा वेदों, पुराणों, श्रुतियों, शास्त्रों में सविस्तार गायी गयी है और संसारियों को चेतावनी दी जाती रही है, लेकिन सच तो यह है कि संसार में कोई भी व्यक्ति माया के जाल से स्वयं को बचा नहीं सकता. संत कबीर दास ने तो यहां तक कहा दिया है-माया महाठगनी हम जानी. माया के सकारात्मक और नकारात्मक दोनों स्वरूप हैं. सकारात्मक स्वरूप में माया सुष्टि और पालन करती है और नकारात्मक स्वरूप में संहार. माया के दलदल से निकलने की जितनी भी कोशिश की जाती है, मनुष्य नीचे और नीचे धंसता चला जाता है. चिंतकों और मनीषियों के अनुसार मोह वश मन, वचन, काया की कुटिलता द्वारा प्रवंचना अर्थात् कपट, धूर्तता, धोखा व ठगों रूप मन के परिणामों को माया कहते हैं. माया व्यक्ति का वह प्रस्तुतीकरण है, जिसमें व्यक्ति तथ्यों को छद्म प्रकार से रखता है. कुटिलता, प्रवंचना, चालाकी, चापलुसी, वक्रता, छल कपट आदि माया के ही रूप है. साधारण बोलचाल में हम इसे बे-ईमानी कहते हैं. अपने विचार अपनी वाणी अपने वर्तन के प्रति ईमानदार न रहना माया है. माया का अर्थ प्रचलित धन सम्पत्ति नहीं है, धन सम्पत्ति को यह उपमा धन में माने जाते छद्म, झूठे सुख के कारण मिली है. माया वश व्यक्ति सत्य का भी प्रस्तुतीकरण इस प्रकार करता है, जिससे उसका स्वार्थ सिद्ध हो. माया ऐसा कपट है, जो सर्वप्रथम ईमान अथवा निष्ठा को काट देता है. मायावी व्यक्ति कितना भी सत्य समर्थक रहे या सत्य ही प्रस्तुत करे अंततः अविश्वसनीय ही रहता है. तथ्यों को तोडना मरोडना, झासा देकर विश्वसनीय निरूपित करना कपट है. वह भी माया है, जिसमें लाभ दर्शा कर दूसरों के लिए हानि का मार्ग प्रशस्त किया जाता है. दूसरों को भरोसे में रखकर जिम्मेदारी से मुख मोडना भी माया है. हमारे व्यक्तित्व की नैतिक निष्ठा को समाप्त प्रायः करने वाला दुर्गुण 'माया' ही है.. वक्रता प्रेम और विश्वास की घातक है. कपट, बे-ईमानी, अर्थात् माया, शील और चरित्र (व्यक्तित्व) का नाश कर देती है. माया करके हमें प्रतीत होता है कि हमने बौद्धिक चातुर्य का प्रदर्शन कर लिया. सौ में से नब्बे बार व्यक्ति मात्र समझदार दिखने के लिए, बेमतलब मायाचार करता है. किंतु इस चातुर्य के खेल में हमारा व्यक्तित्व संदिग्ध बन जाता है. माया एक तरह से बुद्धि को लगा कुटिलता का नशा है. कपट, अविद्या (अज्ञान) का जनक है. और अपयश का घर. माया हृदय में गडा हुआ वह शल्य है जो निष्ठावान बनने नहीं देता. माया को आर्जव अर्थात् ऋता (सरल भाव) से जीता जा सकता है.

आरक्षण की आग में क्यों जल रहा बंगलादेश

का स्थित भारतीय उच्चायोग की वेबसाइट खोलते ही एक सूचना सामने आ जाती है, 'सारे वीज़ा अप्लीकेंट नोट कर लें, आजे 18 जलाई को हमारा 'आईवीएसी सेंटर' बंद है.' गुरुवार को सारे दुतावास और वाणिज्यद्त कार्यालय बंद ही रहे. इन देशों ने अपने नागरिकों को सावधान रहने, और फ़िलहाल बांग्लादेश नहीं आने की सलाह दे रखी है. 18 जुलाई को देशव्यापी बंद काफी हिंसक रहा है. ढाका उत्तर में पुलिस फायरिंग में चार लोगों की मौत हुई है. मीरपुर में एक छात्र और आवामी लीग का एक कार्यकर्ता मारा गया.

देशव्यापी हिंसा में जिस पैमाने पर लोग घायल हुए हैं, मृतकों की संख्या बढ सकती है. बांग्लादेश टेलीविजन सेंटर को आग के हवाले कर दिया गया. छात्रों के दो समुहों के बीच देशव्यापी दंगा यदि आपने सुना, और पुष्परंजन देखा नहीं होगा, तो बांग्लादेश सबसे बड़ा

उदाहरण है.परे देश में रेल और सडक

परिवहन सेवाओं को एहतियातन बंद कर दिया गया था. कोटा विरोधी प्रदर्शनकारियों ने ढाका के मोहाखाली में रेलवे लाइन को अवरुद्ध कर दिया था. देश के दूसरे हिस्से में भी रेल सेवा सुरक्षित नहीं दिखी. फार्मगेट इलाके में मेट्रोरेल पर हमला कर आगजनी की गई. काफी नुकसान के बाद हसीना सरकार ने हठ योग तोड़ा है. कानून मंत्री अनिसुल हक ने कहा कि मैं और शिक्षा मंत्री मोहिबुल हसन चौधरी, कोटा सुधार प्रदर्शनकारियों के साथ बातचीत के लिए कभी भी तैयार हैं. सरकार कोटा सुधार के खिलाफ नहीं है, हमने जस्टिस खंडेकर दिलीरुज्जमां की अध्यक्षता में न्यायिक समिति का गठन भी कर दिया है.18 दिनों से चल रहे आंदोलन में 'ऑफ़ द रिकार्ड' 50 लोगों के मरने का अनुमान लगाया गया है. स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए बीजीबी (बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश) को चार जिलों ढाका, बोगरा, राजशाही और चटगांव में तैनात किया गया था. चटगांव, राजशाही, रंगपुर, बोगरा, मैमनसिंह समेत कई जगहों पर बड़े पैमाने पर झड़पें हुई हैं. चटगांव के शोलशहर और मरादपर में संस्कार, छात्र लीग और जबो लीग के बीच हिंसक झड़पों में तीन लोगों की मौत हो गई. हिंसक प्रदर्शनों की चपेट में केवल छात्र ही नहीं, राहगीर और कारोबारी भी आ रहे हैं.'छात्र लीग', सत्तारूढ़ आवामी लीग की छात्र शाखा है, जिसकी स्थापना 4 जनवरी, 1948 को शेख मुजीबुर्रहमान ने की थी, तब उसका नाम, 'ईस्ट पाकिस्तान स्टूडेंट लीग' था. उसे काउंटर करने के वास्ते 'बांग्लादेश जातीयताबादी छात्र दलें' (जेसीडी) सड़कों पर दिखता है, जिसकी स्थापना, 1 जनवरी 1979 को बीएनपी के तत्कालीन नेता जनरल

कानून मंत्री अनिसुल हक ने कहा कि मैं और शिक्षा मंत्री मोहिबुल हसन चौधरी, कोटा सुधार प्रदर्शनकारियों के साथ बातचीत के लिए कभी भी तैयार हैं. सरकार कोटा सुधार के खिलाफ नहीं है, हमने जस्टिस खंडेकर दिलीराज्जमां की अध्यक्षता में न्यायिक समिति का गठन भी कर दिया है.18 दिनों से चल रहे आंदोलन में 'ऑफ़ द रिकार्ड' 50 लोगों के मरने का अनुमान लगाया गया है.

जियाउर्रहमान ने की थी. जमाते इस्लामी की छात्र शाखा, 'बांग्लादेश इस्लामी छात्र शिबिर' समय-समय पर इनके साथ खडी दिखती है. छात्र आंदोलनकारियों के बहाने क्या खालिदा जिया की बीएनपी को अपना खोया जनाधार मिलेगा? विश्लेषक इसका उत्तर ढूंढ़ रहे हैं.बांग्लादेश के क़ानून मंत्री अनिसूल हक़ बोलते हैं 'विपक्षी जमात-ए-इस्लामी और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के छात्र विंग के सदस्य, आरक्षण विरोधी आंदोलन में कूद गए हैं. ये यही लोग हैं जिन्होंने हिंसा की शुरुआत की है. कोर्ट में इस मामले की अगली सुनवाई सात अगस्त को होनी है. छात्रों को भी मौक़ा दिया गया है कि वो कोर्ट के सामने अपनी दलील रख सकें.' सवाल यह है कि जब देशव्यापी आग लगी हो, तो सुप्रीम कोर्ट इस मामले पर तत्काल सनवाई क्यों नहीं कर सकती ?छात्र आंदोलन की आग में घी का काम शेख़ हसीना के हालिया बयान ने भी किया है. शेख़ हसीना ने आरक्षण का विरोध करने वालों के लिए 'रजाकार' शब्द का इस्तेमाल किया था. 'रजाकार' शब्द का इस्तेमाल कथित तौर पर उन लोगों के लिए क्या जाता है, जिन्होंने 1971 के युद्ध में पाकिस्तानी सेना का साथ दिया था. कई छात्र नेताओं का कहना है कि शेख़ हसीना ने 'रजाकार' से तुलना कर हमारा अपमान किया है.बांग्लादेश में आरक्षण की व्यवस्था मुक्ति संग्राम के बाद शुरू हुई. 5 सितंबर, 1972 को एक सरकारी आदेश में सरकारी अधिकारियों की नियुक्ति में 20 प्रतिशत योग्यता कोटा, 30 प्रतिशत स्वतंत्रता सेनानी कोटा, और 10 प्रतिशत पीड़ित महिला कोटा की शुरुआत की गई. शेष 40 प्रतिशत जिला कोटा रखा गया. 1976 में योग्यता के आधार पर भर्ती को बढ़ाकर 40 प्रतिशत कर दिया गया. 1985 में प्रथम एवं द्वितीय श्रेणी पदों के लिए 45 प्रतिशत योग्यता आधारित भर्ती नियम लाग किया गया, शेष 55 प्रतिशत कोटे से नियुक्त किये जाते हैं. बाद में दिव्यांगों के लिए 1 फीसदी जोड़ने पर कुल कोटा 56 फीसदी हो जाता है. (ये लेखक के निजी विचार हैं)

नशे के कारोबार को खत्म करना जरूरी

छले कई वर्षों से नशे के कारोबार के खात्मे के लिये तमाम तरह के प्रयास हो रहे हैं, लेकिन अब इसमें तेजी लाकर सरकार कई नए कदम भी उठा रही है. रणनीतिकारों की चिंता है कि कहीं भारत भी दक्षिणी अमेरिका के देशों की तरह नशे के कारोबार में न फंस जाये. उन देशों में युवा वर्ग इस खतरनाक कारोबार में बड़े पैमाने पर फंस गया है और अपने जीवन का नाश कर रहा है. ड्रग्स के धंधे पर कब्जा करने के लिए उन देशों में बड़ी हिंसा हो रही है और निर्दोष लोगों की जानें जा रही

• विमर्श

हैं और भविष्य अंधकारमय है इन्हीं चिंताओं के बीच इस कारोबार के खात्मे के लिए लक्ष्य भी रखा है कि 2047 तक देश में नशे के कारोबार को परी तरह से ध्वस्त कर दिया जाये, ताकि देश नशे के कचक्र से मक्त हो जाये. गह

हैं. उनकी अर्थव्यवस्थाएं चौपट हो गई

मंत्रालय की एंटी नॉरकोटिक्स टास्क फोर्स द्वारा लगातार ड्रग्स को जब्त कर उसे नष्ट किया जा रहा है. इसकी सफलता का अंदाजा इन आंकड़ों से लगाया जा सकता है कि 2014 से 2023 तक 12,000 करोड़ रुपये के बराबर 10 लाख 18 हजार किलोग्राम से भी ज्यादा ड्रग जब्त कर नष्ट कर दिए गये. इसके विपरीत 2006 से 2013 में कुल जब्ती डेढ़ लाख किलो की हुई थी, जिसकी कुल कीमत 768 करोड़ रुपये थी. दरअसल, इसके लिए उन देशों का अध्ययन किया गया जहां नशे के कारोबार ने न केवल जीवन को त्रासद बना दिया, बल्कि अर्थव्यवस्थाओं को पैरालाइज कर दिया. ये देश गरीबी के गर्त में जा रहे हैं. इनसे सीख लेकर ही भारत में नशे के कारोबार के खात्मे के लिए कड़े कदम उठाये जा रहे हैं. इसके लिए इसकी तस्करी पर रोक लगाई जा रही है. जिन देशों से ड्रग की स्मगलिंग भारत में होती है, उन पर खास ध्यान दिया जा रहा है. इनमें गोल्डन ट्रिएंगल और गोल्डन क्रीसेंट के देश मसलन उत्तर में अफगानिस्तान, पूर्व में म्यांमार हैं. गृहमंत्रालय का मानना है कि भले ही दुनिया के लिए ये गोल्डन क्रीसेंट और गोल्डन ट्रिएंगल हैं लेकिन हमारे लिए और युवाओं के लिए ये डेथ ट्रिएंगल और डेश क्रीसेंट हैं. इन देशों से होने वाले डग के कारोबार को रोकने के लिए दुनिया अपना नजरिया बदले. दरअसल, नशीले पदार्थों की तस्करी को जड़ से मिटाने के लिए जीरों टॉलरेंस की नीति अपनाई जा रही है, जिसके लिए त्रिसत्रीय रणनीति तैयार की गई है. इसमें पहला है संस्थागत

दरअसल, इसके लिए उन देशों का अध्ययन किया गया जहां नशे के कारोबार ने न केवल जीवन को त्रासद बना दिया, बल्कि

अर्थव्यवस्थाओं को पैरालाइज कर दिया. ये देश गरीबी के गर्त में जा रहे हैं. इनसे सीख लेकर ही भारत में नबों के कारोबार के खात्मे के लिए कड़े कदम उठाये जा रहे हैं. इसके लिए इसकी तस्करी पर रोक लगाई जा रही है.

ढांचे को सुदृढ़ बनाकर जवाबदेही सुनिश्चित करना. दूसरा है नार्को संस्थाओं के साथ समन्वय पर जोर देना. तीसरा है जागरूकता अभियानों के माध्यम से देशव्यापी प्रयास करना. इसके अलावा देश के तमाम राज्यों में लगातार एंटी नॉरकोटिक्स टास्क फोर्स का गठन भी किया जा रहा है. इसके लिए सभी राज्यों से राजनीतिक मतभेदों को एकतरफ रख मादक पदार्थ के खिलाफ एकजुट होकर लड़ने की अपील भी की गई है, ताकि नशीले पदार्थ का कारोबार करने वालों के खिलाफ कठोर रुख अपनाया जा सके. निस्संदेह, देश अभी उस मोड पर है जब देश में नशे के खिलाफ लड़ाई को लडकर जीता जा सकता है. जो लोग डग्स का सेवन करते हैं. वे पीडित हैं और जो उन्हें बेचते हैं वो अपराधी हैं. इसलिए ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए.पिछले कुछ वर्षों में ड्रग तस्करी के खिलाफ कई कदम उठाए गए हैं जिसके काफी अच्छे परिणाम मिले हैं. राष्ट्रीय नॉरकोटिक कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) और एएनटीएफ देश की दूसरी एजेंसियों के साथ समन्वय कायम कर युद्ध स्तर पर कई काम कर रही हैं. अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क पर चोट करने के लिए एनआईए, प्रवर्तन निदेशालय, जांच के लिए सीबीआई, समुद्र से तस्करी रोकने के लिए कोस्ट गार्ड और नौसेना से संयुक्त समन्वय समिति के जरिये काम किया जा रहा है. इन बहुआयामी प्रयासों के कारण जब्त किए गए नशीले पदार्थों की मात्रा में लगभग 160 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और इसका कारोबार करने वालों के खिलाफ दर्ज मामलों में 152 प्रतिशत की वृद्धि हुई है. मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक 2006 से 2013 की अवधि के दौरान दर्ज मामलों की संख्या 1257 थी, जो 2014 से 2023 के दौरान 3 गुना बढ़कर लगभग (ये लेखक के निजी विचार हैं)

मीडिया में अन्यत्र

विकसित भारत के लिए टिकाऊ विकास की राह

मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन और वित्त मंत्रालय की उनकी टीम द्वारा तैयार आर्थिक समीक्षा से एक स्पष्ट संकेत नजर आता है. वह यह कि भारतीय अर्थव्यवस्था महामारी से मजबूती से उबर चुकी है, लेकिन विकसित भारत का लक्ष्य हासिल करने के लिए टिकाऊ वृद्धि के लिए निरंतर हस्तक्षेप की आवश्यकता होगी तथा कई उभरती आर्थिक और नीतिगत चुनौतियों का सामना करना होगा. महामारी के बाद

भारत ने उच्च आर्थिक वृद्धि हासिल की है और इस दौरान उसे वित्तीय स्थिरता के साथ भी समझौता नहीं करना पड़ा. वृद्धि के नजरिये से देखें तो 2023-24 में देश का सकल घरेलू उत्पाद, कोविड के पहले वाले वर्ष यानी 2019-20 की तुलना में 20 फीसदी अधिक था. इसका अर्थ यह हुआ

कि हमने 2019-20 से 2023-24 तक 4.6 फीसदी की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि हासिल की.समीक्षा में कहा गया है कि देश का मौजूदा सकल घरेलू उत्पाद वित्त वर्ष 24 की चौथी तिमाही में महामारी के पहले के स्तर के करीब था. यह भी अनुमान जताया गया है कि देश की अर्थव्यवस्था चालू वर्ष में 6.5 से 7 फीसदी की दर से विकसित होगी. यह दर रिजर्व बैंक के 7.2 फीसदी के अनुमान से कम है. राजकोषीय स्थिति में भी महामारी के समय से अब तक काफी सुधार हुआ है. केंद्र सरकार का राजकोषीय घाटा जो पिछले वर्ष सकल घरेलू उत्पाद के 6.4 फीसदी था, वह वित्त वर्ष 24 में कम होकर 5.6 फीसदी रह गया. कर संग्रह में वृद्धि तथा रिजर्व बैंक की ओर से अनुमान से अधिक स्थानांतरण जहां चालू वर्ष की राजकोषीय स्थिति में राहत प्रदान करेगा, वहीं बढ़ा हुआ सरकारी कर्ज चिंता का विषय है तथा उस पर नीतिगत ध्यान देने की आवश्यकता है. महामारी के बाद की अवधि में वृद्धि सरकार के पूंजीगत व्यय से अधिक संचालित रही है. वित्त वर्ष 24 में सरकार का पूंजीगत व्यय पिछले वर्ष की तुलना में 28.2 फीसदी बढ़ा और वह वित्त

वर्ष 20 में दर्ज स्तर का करीब तीन गुना रहा. बहरहाल समीक्षा में इस बात को उचित ही रेखांकित किया गया है कि अब सरकार के बाद इसे आगे बढ़ाने का काम निजी क्षेत्र का है. निजी क्षेत्र के निवेश में सुधार के आरंभिक संकेत नजर आ रहे हैं,

लेकिन इस रुझान को बरकरार रखना होगा. जैसा कि समीक्षा में कहा गया है, भविष्य की वृद्धि कई कारकों पर निर्भर करेगी, जिनमें भू-राजनीतिक विभाजन और विभिन्न देशों के बीच बढ़ता अविश्वास शामिल है. उदाहरण के लिए 2023 में करीब 3,000 व्यापार प्रतिबंध लागू किए गए. इसके अलावा नीतिगत योजना में उभरती तकनीकों को शामिल करने का भी वृद्धि और विकास पर असर होगा. बहरहाल यह ध्यान देने वाली बात है कि इनमें से कुछ मुद्दे ज्ञात हैं, लेकिन दिक्कत यह है कि भारत उन्हें भलीभांति नहीं हल कर सका. इस बात ने समय के साथ वृद्धि और विकास संबंधी नतीजों को प्रभावित किया. (बिजिनेस स्टैंडर्ड)



कुछ लोग कहते हैं वह यहां नित आया करता है. वहीं कुछ लोगों का कहना हैं वह यहां नित्य आया करता है. इनमें से कौन सही हैं और कौन गलत ? पहले वाक्य में जिस नित शब्द का प्रयोग हुआ है, संस्कृत का तत्सम क्रिया विशेषण है. इसलिए आप नित्य कहें या नित, दोनों सही हैं. कुछ स्थानों पर नित शब्द का प्रयोग निमित्त, छिपाया हुआ, अस्वीकृत किया हुआ के रूप में भी होता है. वैसे हिंदी शब्दसागर के अनुसार नित शब्द का अर्थ है प्रतिदिन, रोज, हमेशा, सदा, सर्वदा. नित नया यानी हर दिन नया रहनेवाला, कभी पुराना नहीं पड़नेवाला, सदा ताजा रहनेवाला. नित्य संस्कृत का विशेषण है. वर्धा हिंदी शब्दकोश के अनुसार इसका अर्थ है वह जिसकी न तो उत्पत्ति हुई और न ही उसका कभी विनाश होनेवाला है, सदा बना रहनेवाला, अविनाशी, अनश्वर, अखंड और बहुप्रचलित अर्थ प्रतिदिन किया जानेवाला अव्यय के रूप में इसका अर्थ नित की भांति ही सदा, हमेशा, हर रोज है. इससे बने कई शब्द प्रचलित हैं. जैसे नित्य कर्म यानी प्रतिदिन किया जानेवाला कार्य, दैनिक कार्य. नित्यचर्या यानी प्रतिदिन का आचरण या प्रतिदिन नियमित रूप से किया जानेवाला काम, रूटीन. नित्यप्रति यानी हर रोज. मानव जीवन में नीति का महत्वपूर्ण स्थान है. वह नीति ही है, जो एक मनुष्य की मनुष्यता को अजर-अमर बनाती है. उसे सही राह दिखाती है. वर्धा हिंदी शब्दकोश के अनुसार नीति तत्सम संज्ञा स्त्रीलिंग शब्द है. इसका अर्थ है उचित या ठीक रास्ते पर ले जाने या ले चलने की क्रिया या ढंग, नीतिशास्त्र, व्यवहार, बर्ताव का ढंग, राष्ट्र या समाज की उन्नित या हित के लिए निश्चित आचार-व्यवहार, सदाचार के नियम तथा रीतियां, अच्छा चालचलन, राज्य या शासन की रक्षा तथा व्यवस्था के लिए तय किये गये नियम तथा सिद्धांत, राजनीति, अपना उद्देश्य पूरा करने के लिए किया जानेवाला आचरण, चतुराई भरी चाल, किसी कार्य को संपन्न करने का ढंग या विधि, हिम्मत, तरकीब, युक्ति, उपाय, योजना.

हावत तो यही है, लेकिन एक बड़ी मुश्किल यह है पानी की गहराई तक पहुंचा कैसे जाए ? गहरे पानी में आदमी डूब सकता है, किसी तेज

लहर के साथ बह सकता है. उसकी जान को बड़ा खतरा है. कुछ भी हो सकता है. कहने • तीर-तुवका वाले ने तो कह दिया. वह तो भुगतने के लिए अब है नहीं. अब तुम भुगतो. किसी भी चीज की, बात की, चाल की, सांस की गहराई समझना क्या कोई हंसी खेल है? चीज सतह पर मामूली सी लगती है लेकिन उसे यदि गहराई से देखा जाए तो वह असाधारण हो सकती है; बात जाहिरा तौर पर उथली लगती है. लेकिन उसका अर्थ बडा गहरा हो सकता है; लोग गहरी सासें भरते हैं – अब कौन जाने कितनी गहरी वे होती है; और हां, चाल भी तो गहरी हो सकती है, तेज रफ़्तार- चतुराई से भरी. एक दम कौन समझ सकता है इस गहराई को ? 'गहरे पानी पैठ' - गहरे पैठ पाना कोई आसान काम नहीं है. गंगा-जमुनी तहजीब के शहर इलाहाबाद में सावन का

महीना वैसे तो शिव की उपासना के लिए मुकर्रर कर दिया गया है लेकिन यह कौमी एकता का सन्देश भी लाता है. और इस कौमी एकता का दर्शन-दिग्दर्शन इक्कों में जुते घोड़ों की दौड़ की प्रतियोगिता कराती है, जिसे 'गहरेबाजी' कहा गया है. सावन के चारों सोमवार गहरेबाजी के लिए मशहूर हैं. एक निर्धारित समय पर इच्छुक घोड़ेवान अपने अपने घोड़ों को इक्के में सजा कर प्रतियोगिता के लिए सड़क पर ले आते हैं. और शुरू हो जाती है उनकी दौड़ की प्रतियोगिता. इस प्रतियोगिता में घोड़ा हिन्दू का है या मुसलमान का, इसपर ध्यान नहीं दिया जाता. गहरेबाजी में हिन्दू और मुसलमान

डॉ. सुरेन्द्र वर्मा

में स्वतंत्रता संघर्ष के दिनों में जब अंगरेजों ने 'फूट डालो और राज करो' की नीति अपनाई, उसी दौर में हिन्दू और मुस्लिम का भेदभाव छोड़ कर घोड़ागाडियों के मालिक एक जुट हुए और उन्होंने गहरेबाजी की प्रतियोगिता शुरू की. तब से यह प्रतियोगिता कौमी एकता की मिसाल बनी हुई है. सड़कें तो आप जानते ही हैं, कैसी हैं. जैसी तब थीं वैसी ही अब हैं. बल्कि बढ़ते भ्रष्टाचार के चलते और भी भ्रष्ट हो गईं हैं. ऐसी ही सडकों पर गहरेबाजी संपन्न होती है. सड़क कहीं उखड गयी है तो कहीं उसमे गड्ढे हैं. बहरहाल ऐसी ही सडकों पर घुड़-दौड़ होती है. इससे यह साधारण दौड़ न रहकर बाधा-दौड़ हो जाती है. इसे बाधा दौड करने के लिए सडकों को तो धन्यवाद देना ही चाहिए

सब एक हो जाते हैं. कहा जाता है कि भारत

साथ ही बेतरतीब ट्रैफिक और प्रशासनिक अनदेखी आदि कारकों का भी कम शुक्रगुजार नहीं होना चाहिए. इन दिनों रांची की अच्छी भली सड़कों की जो सद्गति नीचे पाइप बिछानेवालों ने कर रखी है, उसमें गहराई है. चिंतन की गहराई, योजना की गहराई. सड़कों पर गहरे गड्ढे में पानी भरे हैं. उनमें गहरे पैठ कर सरकार और प्रशासन की गहराई का

अनुमान किया जा सकता है.





शुभम संदेश Story



कुछ मीठा हो जाए



मिठास की ललक कभी-कभी हो ही जाती है, ऐसे में बर्फी, खीर,लड्ड जैसे पारंपरिक मीठा खाएं, या फिरै वाफेल, केक, पेस्ट्री... पंसद आपकी है. कुकरी एक्सपर्ट रानी प्रसाद लेकर आई हैं आज ऐसे ही कुछ व्यंजन...

पके आम की मिठाई



पका हुआ मीठा आम 2 (गूदा निकाला हुआ) छेना या पनीर 200 ग्राम, चीनी एक कप या स्वाद अनुसार, मिल्क पाउडर 100 ग्राम, दुध एक कप, ताजा दही एक टेबल स्पून, इलायची पाउडर 1 टी स्पून, नारियल बुरादा 4 टी स्पून.

सबसे पहले पके हुए आम को छेना और चीनी के साथ मिक्सर के जार में बिल्कुल महीन पीस लें. इसमें पानी जरा भी ना डालें. अब एक मोटे तले के पैन में दूध डालें और उसमें मिल्क पाउडर डालकर धीमे-धीमे चला लें ताकि लम्स बिल्कुल ना रहे. अब इसे गैस पर चढ़ा दें. गैस का आंच मीडियम रखें और इसे लगातार चलाते रहें फिर इसमें आम, छेना और चीनी का पल्प मिला दें. इसे लगातार चलाते रहें. तीन-चार मिनट के बाद इसमें दही डाल दें और इलायची पाउडर भी डाल दें. थोड़ी देर में यह मिक्सर पैन में सिमट सिमट कर बीच में आने लगेगा और सुखा सुखा लगने लगेगा. इसे बहुत ज्यादा नहीं सुखाना है लेकिन जब यह पूरा पैने छोड़ दे तब गैस को हमें ऑफ कर देना है. 10 से 12 मिनट में यह पूरी मिठाई बनकर तैयार हो जाती है. अब जब यह ठंडा हो जाए तब इसके गोल-गोल लड्ड बनाएं और नारियल बुरादा में कोट करके सर्व करें. यह लड्ड बहुत ही स्वार्दिष्ट लगते हैं.

वाफेल्स



मैदा एक कप, दूध एक कप, चीनी वन फोर्थ कप (पिसी हुई), शुद्ध घी या बटर 2 टेबल स्पून, खाने वाला सोडा दो चुटकी, बेकिंग पाउडर आधा टीस्पून वेनिला एसेंस 1 टी स्पून, ऊपर से सजाने के लिए चॉकलेट सॉस.

सबसे पहले मैदा चीनी और दूध को एक साथ मिक्स कर लें. उसके बाद इसमें घी या बटर खाने वाला सोडा और बेकिंग पाउडर मिला लें. इसे सिर्फ मिक्स करना है बहुत ज्यादा फेंटना नहीं है. इसके बाद वेफल मेकर को प्री हीट करें. 2 मिनट. उसके बाद उसे ब्रश से ग्रीस करें और तैयार बैटर को एक चम्मच के मदद से बीच में एक जगह डालें यह अपने आप धीरे-धीरे पूरे वाफेल मेकर में फैल जाएगा. उसके बाद इसे सेट होने के लिए आधा मिनट छोड़ दें तट पश्चात वेफल मेकर का ढक्कन बंद कर दें जब इसकी बत्ती बंद हो जाएगी तब इसे खोलकर देखें. अगर आपको और ज्यादा क्रिस्प चाहिए होगा तो इसे एक दो मिनट और पका लें और नहीं तो उतने पर ही इसे निकाल दें. (इसे बनने में 7 से 8 मिनट का समय लगता है) वेफल मेकर से इसे निकालने के बाद इसे वायर स्टैंड पर रखें ताकि जो स्टीम निकले वह इसे सॉगी ना बना दें. जब यह ठंडा हो जाए तब इस पर मनपसंद चॉकलेट सॉस अथवा वनीला आइसक्रीम डालकर सर्व करे. यह बच्चों को बहुत पसंद है.1 कप मैदा से पूरे 8 वाफेल्स बनकर तैयार हो जाते हैं.



अमित कुमार पांडेय

किसी घर या अपार्टमेंट में

मुख्य शयन कक्ष यानी मास्टर बेडरूम आमतौर पर अन्य बेडरुम् से बड़ा होता है. इसमें आमतौर पर घर का मुखिया या उसके सदस्य रहते हैं. मास्टर बेडरुम निजी जरुरतों को पूरा करने वाला तो होना ही चाहिए, घर के मुख्य सदस्य का शयनकक्ष होने के नाते ऐसा होना चाहिए जिसमें अन्य सदस्यों की भी मौजूदगी के लिए, साथ में एक खूबसूरत समय गुजारने के लिए भी सुविधा-सह्रियत हो. इंटीरियर डिजाइन अमित पांडेय बता रहे हैं कि कैसा हो

बड़प्पन यहां भी

मास्टर बेडरूम का साइज अन्य बेडरूम के साइज से बड़े होना चाहिए. इसके बेड का साइज भी बड़ा हो. मास्टर बेडरूम के बेड का साइज 7 फीट बाय 7 फीट का होना चाहिए. अगर पॉसिबल हो तो बेड के अंदर से एक और बेड निकालने की सुविधा हो जिसे स्लाइडिंग बेड बोलते हैं. इससे कभी बच्चे, पोते या पोती या अन्य निकट संबंधी साथ में सोना चाहे तो सो सके.

बैटने की जगह

ऐसे तो बैठने की जगह लिविंग रुम में होती है, लेकिन मास्टर बेडरूम में भी इतनी जगह होनी चाहिए कि उसमें 2 सीटर सोफा और दो मुवेबल चेयर भी आ जाए, जगह हो तो साथ में एक कॉफी टेबल भी, अपने बेडरूम को रॉयल्टी का टच देने के लिए विंग चेयर का विकल्प चुन सकते हैं.

कंफर्ट का यह कोना

कभी अपने घर का फैमिली मेंबर बच्चे बहू या पोते पोती है तो उनका खेलना बैठने की जगह हो. चाहें तो एक कोने में लोअर सिटिंग व्यस्था रख सकते हैं जहां बच्चों के साथ खेलना या पंसद की किताबें पढ़ना या फिर संगीत का लुत्फ उठाना बेहतर अनुभव हो.

एक छोटा सा स्टडी टेबल भी



मास्टर बेडरूम में अगर संभव हो तो एक स्टडी टेबल भी जरूर सेट करें. कभी कुछ पढ़ने-लिखने के लिए यह जगह मुफीद रहेगी.

वार्डरोब हो ऐसा



वार्डरोब को काफी सलीके से प्ले करना होता है . यह सुविधाजनक तो हो ही, एक सेलिब्रेटी का अहसास दिलाने वाला भी हो . बेडरूम में एक हिस्सा वॉक-इन वॉर्डरोब का हो जिसमें अपने कपड़े, जूते और अन्य सामान व्यवस्थित और दृश्यमान तरीके से रख पाएंगे . सरल शब्दों में कहें तो आप आसानी से अलमारी में जाकर सामान को देख पाएंगे.

खूबसूरत समय अपनों के संग

मास्टर बेडरूम का टीवी ऐसा प्लान होना चाहिए कभी भी मूवी या क्रिकेट पूरी फैमिली बैट कर देख

सके . अगर म्यूजिक का शौक हो तो स्पीकर या रेडियो के लिए भी जगह सुनिश्चित करें.

बेड के दोनों साइड टेबल के फ्लोर लैंप का बंदोबस्त करें जिससे कभी बेड पर लेटे-बैठे कुछ पढ़ने का जी करे तो आराम से किया जा सके. आर्ट वर्क को हाइलाइट करने वाले कुछ डेकोर लैंप भी लगवाएं.

साज-संवार के लिए

मास्टर बेडरूम में ड्रेसिंग टेबल की खास अहमियत है. इन दिनों के ट्रेंड के अनुसार बड़े साइज की मुवेबल मिरर मास्ट बेडरूम में लगाए जा रहे हैं जिसमें श्रीमती जी अपनी सुविधा के अनुसार बेड पर या सोफा पर या चेयर पर बैंठकर सजे और संवेरे .

खुला-खुला सा अहसास

मास्टर बेडरूम की खिड़की थोड़ी बड़ी होनी चाहिए जिससे धूप और हवा अच्छी तरह से घर में प्रवेश करें क्रॉस वेंटिलेशन अगर हो पाए तो बहुत ही अच्छा होगा. इन दिनों मास्टर बेडरूम की बालकोनी से सटे दरवाजे स्लाइडिंग और शीशे के बनाए जा रहे हैं जिसे जरुरत पड़ने पर ओपेन करने से खुला-खुला सा अहसास होता है और बालकोनी व बाहर की हरियाली खुबसुरत नजारे सुलभ कराती है.

वॉलपेपर, फोटो फ्रेम

आप मास्टर बेडरूम की दीवारों पर वॉलपेपर लगा सकते हैं. दीवार कला के लिए फुलों और धारियों जैसे विविध डिजाइन उपलब्ध हैं जो कमरे को एक माहौल देंगे. ये दीवार और कमरे की सजावट से मेल खाते हों. फीके और गहरे रंगों से बचें. इसके बजाय, आंखों को सुकून देने वाले पेस्टल और हल्के शेड वाले रंगों का चुनाव करें. पर्सनल टच देने के लिए फोटो फ्रेम में खुशनुमा पलों को समेट कर

किसमें पकाएं किसमें बनाएं

रसोई के बर्तन

प्राने जमाने में सोना-चांदी के बर्तनों में राजा-महराजों के खाने बनाए और परोसे जाते थे. आयुर्वेद की माने तो सोना एक गर्म धातु है. इससे बने बर्तनों में खाना खाने से हमारा शरीर अंदर और बाहर से मजबूत और बलवान बनता है. यह आंखों की रोशनी भी बढ़ाता है. वहीं चांदी ठंडी धात मानी जाती है, शरीर को शांत रखती है और पित्त दोष, कफ और वायु दोष को नियंत्रित करती है. हालांकि सोने और चांदी के बर्तन खरीदना आज हर किसी के बस की बात नहीं. खाना बनाने के लिए इन दिनों कई तरह के बरतन उपयोग में लिए जाते हैं. हर बर्तन की अपनी खासियत और अपनी कमियां हैं. आइए इन बर्तनों की चर्चा करें-

कांसे के बर्तन



के बर्तनों सब से अच्छे बर्तन कांसे के माने

जाते हैं. इन बर्तनों में पकने पर खाने के पोषक तत्व 97% तक बरकरार रहते हैं. इन बर्तनों में खाना पकाने और खाने से खून साफ होता है. हालांकि खट्टी चीज इन बर्तनों में पकाने और परोसने से बचना चाहिए.

पीतल के बर्तन



बर्तन बेहतर माने जाते हैं. यह 94% तक पोषक तत्व बरकरार

रखते हैं. इन बर्तनों में खाना पकाने से पेट में कीड़े की समस्या कम रहती है. कफ और वायु दोष भी नहीं होता है. इन बर्तनों में ज्यादा एसिडिक चीज पकाने से बचना चाहिए.

लोहे व कास्ट आयरन के बर्तन



बर्तन इन दिनों खूब चलन में हैं. ये प्राकृतिक रूप से नॉन-स्टिक क्वालिटी वाले होते हैं, जिससे खाना बनाना आसान रहता है. जिन लोगों को एनीमिया है. उन्हें इन बर्तनों में पका भोजन खाना चाहिए. इन बर्तनों में खट्टी चीजें नहीं रखनी या बनानी चाहिए. वरना यह

मिट्टी के बर्तन मिट्टी के बर्तन



विषैली हो जाती है.

रेस्त्रां से घर तक इंट्री लिए मिट्टी के बर्तनों में पकाये खाने के पौष्टिक तत्वों को 100% तक बरकरार रखते हैं. लेकिन यह पॉलिश किए हुए नहीं होनी चाहिए. दूध और उसे बनी चीजों के लिए यह बर्तन परफेक्ट है.

इन पौधों के संग

कोलियस

इसकी रंग-बिरंगी और छोटी बड़ी पत्तियां बेहद

खूबसूरत लगती हैं. इस पौधे को अधिक

देखभाल की भी जरूरत नहीं

होती है और ये साल के

बारह महीने हरा-भरा रहता है. कोलियस आपके

मानसून गार्डन के लिए

बिल्कुल उपयुक्त है.

इसकी पत्तियां हरे,

लाल, गुलाबी और बैंगनी

रंग में आती हैं.

लंबे इंतजार के बाद झारखंड में राहत की बूंदे बरस रही हैं और खूब बरस रही हैं. पेड़-पौधे पर पानी की बूंदे जब जादुई असर दिखाती हैं, बागवानी के लिए मन मचल जाता है. चाहे आपके पास बड़ा बगीचा हो या महज एक छोटी सी बालकनी, हरियाली को समेट लाने का आपका हक बराबर का है. आइए, कुछ ऐसे पौधों की बात करें जिसे लगाकर

आपकी

रचनात्मकता

संतृप्त होगी ...

जीनिया



खासियत है कि ये जहां लगे होते हैं, मंडराती नजर आती हैं. फूल काफी

जीनिया की

आकर्षक और सुंदर होते हैं, जो कई रंगों में मिलते हैं. इन पौधों को लगाना काफी आसान है और ये जल्दी ग्रोथ करते हैं. इन्हें गमलों में भी उतनी ही सहजता से लगाया जा सकता.

सून का यह ग्रीन सेलिब्रेशन



किसी

घर/अपार्टमेंट का

मास्टर बेडरुम...

पिटुनिया ये कम रखरखाव वाले फूल बरसात में लगाएंगे तो शरद ऋतु तक आपको इनकी सुंदरता नजर आएगी. पौधे की किस्म के आधार पर, हमें कई अलग-अलग प्रकार, लम्बाई, और रंगों के पेटूनिया मिल सकते हैं. लाल, सफेद, गुलाबी, बैंगनी, हल्का नीला, पीला और लगभग सभी रंगों के फूल देख सकते हैं.



बेगोनिया

ये छाया-प्रिय पौधे मानसून उद्याने के लिए बेहतर हैं. अपने सुंदर फूलों और आकर्षक पत्तियों के साथ, बेगोनिया किसी भी बाहरी स्थान में सुंदर लगते हैं. इंडोर प्लांट के रूप में इन्हें लगाएंगे तो पौधे खुशनुमा तो लगेंगे ही, नमी भी सोखेंगे.

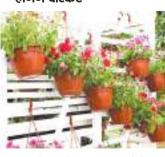
पीस लिली

अपने सुंदर सफेद फूलों और चमकदार हरी पत्तियों के लिए जाना जाने वाला पीस लिली कम रोशनी की स्थिति में पनपता है, जिससे यह आपके घर के किसी भी कोने को रोशन करने के लिए



इसकी सफेद धारियों वाली अपनी लंबी धनुषाकार पत्तियां होती हैं. इनडोर के लिए उपयुक्त है. बोस्टन फर्न और स्नेक प्लांट भी इंडोर में लगा सकते हैं.

हैगिंग बास्केट



मानसन में घर को आकर्षक दिखाने के लिए आइवी या फर्न जैसे पीछे आने वाले पौधों को रंगीन हैंगिंग बास्केट में लगाएं.

रेन बूट प्लांटर्स



पुराने रेन बुट्स को मिट्टी से भरकर और जीवंत फूल लगाकर उनका फिर उपयोग करें.

जलवा स्काफ क

फैशन और स्टाइल के लिए हम महिलाओं के पास ड्रेसेज के कई ऑप्णंस हैं, वहीं ड्रेसेज के साथ पेअर-अप करने वाले कई डिफरेंट आइटम मार्केट में मिल जाते हैं. ऐसा ही एक एसेसरीज है स्कार्फ. यह इन दिनों खूब ट्रेंड में है. इसे न केवल कुर्तियों बल्कि वन पीस, ट्यूनिक, टीशर्ट, क्रॉप शर्ट आदि वेस्टर्न ड्रेसेज के साथ भी इन दिनों कैरी किया जा रहा है. आइए स्कार्फ की कुछ वेरायटी और उन्हें कैरी करने के अंदाज पर करें चर्चा-

 एनिमल प्रिंट वाली स्कार्फ एनिमल प्रिंट खास तौर पर टाइगर प्रिंट की स्कार्फ इन दिनों काफी ट्रेंड में है. अगर वेस्टर्न पहन रही हैं तो टाइगर की प्रिंट वाली स्कार्फ लुक

को बोल्ड बनाएगा. लाइट कलर या ब्लैक कलर की वन पीस के साथ इसे कैरी करें. सुंदर और अट्रैक्टिव लगेगा.

 रेड कलर के डॉट प्रिंट वाली स्कार्फ यह स्कार्फ जादू सा असर दिखाएगा जब सफेद प्लेन टीशर्ट और ब्लू जींस कैरी करें. थोंड़े डिफरेंट लुक के लिए आप इसमें एक नॉट लगा लें. डॉट प्रिंट का रेड स्कार्फ

व्हाइट कुर्ती के साथ भी गजब ढाएगा. इसलिए वार्डरोब में एक ऐसा स्कार्फ जरूर रखें

■ वी-आकार की स्कार्फ

वेस्टर्न ड्रेसेज के साथ तो वी-आकार की प्रिंटेड स्कार्फ चार चांद

लगाएगी ही, पारंपरिक कपड़ों पर इसे आजमाना आपको भीड़ से अलग बनाएगी. प्लेन कुर्ते के साथ इसे ड्रेप करें. इसे स्टाइल करने के लिए गले के पास रखें और दोनों छोरों को गले में घुमा कर आगे की तरफ कर

लें. यह देखने में काफी

खुबसूरत लगेगा.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

www.lagatar.in < 10

पेरिस ओलंपिक 2024 : पीवी सिंधु लगाएंगी ओलंपिक में मेडल की हैट्रिक

भारतीय शटलरों के निशाने पर होंगे 15 मेडल

करने वाली सिंधु से ज्यादा बड़े

24163

पेरिस ओलंपिक के शुरू होने में अब सिर्फ तीन दिन का समय का रह गया है. खेल के इस महाकुंभ में भारत ने बैडमिंटन में पांच कोटा स्थान हासिल किए हैं, जिसमें तीन सिंगल और दो डबल्स है. ऐसे में भारत इस बार सात शटलर्स को भेज रहा है. रियो

ओलंपिक में भारत का यह संयुक्त रूप से सबसे बड़ा बैडमिंटन दल है. रियो में भी सात भारतीय गए थे और तब पीवी सिंधु ने सिल्वर जीतकर इतिहास रचा था. दो बार की



ओलिंपिक में बैडमिंटन के इवेंट कब-कब होंगे?

- इवेंट : 5 (मेंस सिंगल्स, विमिंस सिंगल्स, मेंस डबल्स, विमिंस डबल्स और मिक्स्ड
- प्रतिभागी : 49 देशों के 173 (८७ मेंस, ८६ विमिंस)

दावेदार सात्विकसाईराज रंकीरेडी और चिराग शेट्टी की जोड़ी होगी. यह जोड़ी मेंस डबल्स में दावेदारी पेश करेगी.

पिछले दिनों वर्ल्ड रैंकिंग्स में नंबर वन का ताज हासिल करने वाली इस पहली भारतीय जोड़ी को मेडल जीतने से सिर्फ कोई 'इंजरी' ही रोक सकती है. भारतीय जोड़ी फिलहाल वर्ल्ड नंबर-3 है. मेंस दांव पर मेडल : 15 (5 गोल्ड, ५ सिल्वर, ५ ब्रॉन्ज) मुख्य प्रतिद्वंदी देश: चीन, चीनी ताइपे, जापान, मलयेशिया, साउथ कोरिया,

इंडोनेशिया, डेनमार्क

सिंगल्स में लक्ष्य सेन और एचएस प्रणॉय होंगे. लक्ष्य यदि ग्रुप स्टेज में जोनाथन क्रिस्टी से पार पा लें तो उनके पदक के चांस बढ़ जाएंगे. प्रणॉय भी बड़े स्टेज के खिलाड़ी हैं. प्रेशर सिच्एशन में उनका खेल और निखर जाता है. उम्मीद है पैरिस में भी ऐसा ही हो और मेंस कैटिगरी में भी भारत की झोली में पहला पदक

भारत के टी20 विश्व कप जश्न पर अश्विन ने कहा

राहुल द्रविड़ चीख और रो रहे थे

स्टार स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने कहा है कि बारबाडोस में भारत की खिताबी जीत के बाद विराट कोहली का पूर्व कोच राहुल द्रविड़ को टी20 विश्व कप टॉफी सौंपना और कोच का खुशी में 'चीखना और रोना' कुछ ऐसा था, जो हमेशा उनकी यादों में रहेगा.पिछले महीने भारत ने दक्षिण अफ्रीका को करीबी फाइनल में हराकर अपना दूसरा टी20 विश्व कप जीता था जिसके बाद पूर्व कोच द्रविड ट्रॉफी को हाथ में उठाकर अपनी भावनाएं व्यक्त करते नजर आए थे.

अश्वन ने स्वीकार किया कि यह 51 साल के द्रविड़ के लिए विशेष लम्हा था जो खिलाड़ी के रूप में आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) का खिताब नहीं जीत पाए लेकिन अंततः कोच के रूप में ऐसा

गौतम गंभीर पर

टिकी फैंस की नजरें

इस दौरे को गंभीर के मार्गदर्शन

में टीम इंडिया के लिए एक नई

है . फैंस यह देखने के लिए

शुरुआत के तौर पर देखा जा रहा

उत्सुक हैं कि नया नेतृत्व श्रीलंका

के खिलाफ प्रदर्शन पर क्या असर

डालता है. भारतीय क्रिकेट टीम

का श्रीलंका दौरा रोमांचक मैचों

और गंभीर की कोचिंग में नई

रणनीतियों को देखने का मौका

प्रेमियों को आगामी मैचों का

बेसब्री से इंतजार है.

देने वाला है . दोनों देशों के क्रिकेट



करने में सफल रहे.अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर वीडियो में कहा. 'मेरे लिए सबसे शानदार लम्हा वह है जब विराट कोहली राहुल द्रविड़ को बुलाते हैं और उन्हें कप (ट्रॉफी) देते हैं. मैंने उन्हें कप को गले लगाते हुए और रोते हुए देखा.'उन्होंने कहा, 'राहुल द्रविड़ चीख और रो रहे थे. मैंने उन्हें इसका लुत्फ उठाते हुए देखा.'अश्विन का मानना है कि द्रविड कैरेबिया में अपने मार्गदर्शन में एक और अभियान को लेकर डरे हुए थे क्योंकि 2007 एकदिवसीय विश्व

कप में उनकी कप्तानी में टीम ग्रुप चरण से ही बाहर हो गई थी.उन्होंने कहा, ''मैं एक डरे हुए व्यक्ति के बारे में बात करना चाहता हूं. 2007 में 50 ओवर का विश्व कप. भारत बाहर हो गया. राहुल द्रविड़ तब कप्तान थे. उन्होंने इसके बाद एकदिवसीय टीम की कप्तानी नहीं की.'उन्होंने कहा, 'वह भारतीय टीम के साथ थे. अगर कुछ गलत होता, अगर भारतीय टीम बाहर हो जाती या अगर वे मैच हार जाते तो तुरंत वे पूछते कि द्रविड क्या रहे हैं.' अश्विन ने भारतीय कोच के रूप में द्रविड़ की कड़ी मेहनत को स्वीकार करते हुए कहा कि वह टीम में संतुलन लाए और दृष्टिकोण बदला. उन्होंने कहा, ''मैं जानता हूं कि पिछले दो-तीन वर्षों से वह इस टीम के साथ क्या कर रहे हैं. मैं जानता हूं कि वह कितने संतुलित रहे हैं.

केंद्रीय बजट में खेलो इंडिया के लिये ९०० करोड़ रुपये आवंटित

एजेंसी। नयी दिल्ली

जमीनी स्तर पर खेलों को बढ़ावा देने के लिए सरकार की प्रमख परियोजना खेलो इंडिया को एक बार फिर खेल मंत्रालय के लिए केंद्रीय बजट में सबसे अधिक राशि आवंटित हुई है. वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन द्वारा मंगलवार को पेश केंद्रीय बजट में खेल मंत्रालय के लिए 3,442.32 करोड रुपये में से खेलो इंडिया के लिए 900 करोड़ रुपये आवंटित किए गये हैं. यह रकम पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान 880 करोड़ रुपये के संशोधित आवंटन से 20 करोड़ रुपये अधिक है.इस साल अगस्त में पेरिस ओलंपिक चक्र समाप्त होने वाला है और राष्ट्रमंडल खेलों और एशियाई खेलों अभी भी दो साल का समय है. ऐसे में खेल मंत्रालय के बजट में पिछले चक्र की तुलना में केवल 45.36 करोड़ रुपये की मामूली वृद्धि की गयी है. खेल मंत्रालय के लिए पिछले वित्तीय वर्ष के लिए पिछले चक्र का बजट 3,396.96 करोड़ रुपये था. सरकार ने पिछले कुछ वर्षों में खेलो इंडिया में भारी निवेश किया है क्योंकि यह कार्यक्रम देश के सभी हिस्सों से प्रतिभाओं को सामने लाने का काम करता है. वित्तीय वर्ष 2022-23 में खेलो इंडिया का वास्तविक आवंटन 596.39 करोड़ रुपये था. अगले साल (2023-24) के बजट में लगभग 400 करोड़ रुपये से अधिक बढ़ाकर 1,000 करोड़ रुपये कर दिया गया था. संशोधित कर 880 करोड़ रुपये किया गया था. खेलो इंडिया युवा खेलों 2018 की शुरुआत



खास बात

- ४५ .३६ करोड़ रुपये की मामूली वृद्धि की गयी है
- वर्ष 22-23 में खेलो इंडिया का आवंटन ५९६ .३९ करोड़ था

के बाद से सरकार ने इसमें और खेल आयोजनों को जोड़ना जारी रखा है. मंत्रालय ने उसी वर्ष खेलो इंडिया शीतकालीन खेल और 2023 में खेलो इंडिया पैरा खेलों शुरू करने के साथ 2020 में खेलो इंडिया विश्वविद्यालय खेलों की शुरुआत की. देश भर में सैकड़ों खेलो इंडिया राज्य उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किए गए हैं, जिनका उद्देश्य प्रतिभाशाली उदीयमान खिलाडियों को सुविधाएं प्रदान करना है. खेलो इंडिया के कई एथलीट वर्तमान में भारतीय ओलंपिक दल में शामिल हैं. राष्ट्रीय खेल महासंघों को सरकार की सहायता में भी 15 करोड़ रुपये की वृद्धि की गई है . यह 2023-24 में 325 करोड़ रुपये से बढ़कर नवीनतम बजट में 340 करोड़ रुपये हो गई है. भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) का बजट भी 795.77 करोड़ रुपये से बढ़ाकर

🔻 ब्रीफ खबरें

ओलंपिक से वोंड्रोसोवा और हुरकाज ने नाम वापस लिया

पेरिस। तोक्यो ओलंपिक टेनिस रजत पदक विजेता मरकेटा वोंडोसोवा ने हाथ की चोट के कारण पेरिस ओलंपिक से नाम वापस ले लिया है. पोलैंड के हुबर्ट हुरकाज ने भी घुटने की चोट से कारण नाम वापस लेने का फैसला किया है. पिछले साल विम्बलडन जीतने वाली चेक गणराज्य की वोंड़ोसोवा इस महीने विम्बलंडन से पहले दौर में बाहर हो गई थी. उन्होंने सोशल मीडिया पर ओलंपिक से हटने की जानकारी देते हुए कहा कि उनका फोकस अगस्त में होने वाले अमेरिकी ओपन पर है. ओलंपिक में टेनिस स्पर्धा के डॉ गुरुवार को निकाले जाएंगे

पेरिस ओलंपिक के बाद संन्यास लेंगे मर्रे

पेरिस । दो बार ओलंपिक पुरुष एकल चैम्पियन एंडी मर्रे ने मंगलवार को पुष्टि की कि पेरिस ओलंपिक के बाद वह खेल से संन्यास लेंगे.सैतीस वर्ष के मर्रे ने एक्स पर पोस्ट किया . अपने आखिरी टेनिस टूर्नामेंट के लिये पेरिस पहुंच गया हूं .' पेरिस ओलंपिक में टेनिस स्पर्धा रोलां गैरो पर शनिवार से शुरू होंगी. मर्रे ने पहला स्वर्ण पदक 2012 लंदन ओलंपिक में ग्रासकोर्ट पर जीता था. जिसमें उन्होंने रोजर फेडरर को तीन सेटों में हराया था . इसके बाद 2016 में रियो दि जिनेरियो में हार्डकोर्ट पर जआन मार्टिन देल पोत्रो को हराकर खिताब जीता था

27,28 और 30 को खेले जाएंगे तीन टी20 मुकाबले

सूर्या के नेतृत्व में श्रीलंका पहुंची टीम इंडिया

एजेंसी।पाल्लेकल

की उम्मीद होगी. हालांकि, 12वीं

नए मुख्य कोच गौतम गंभीर और कप्तान सूर्यकुमार यादव के साथ भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम कोलंबो के रास्ते मंगलवार को यहां पहुंच गई, जिसका गर्मजोशी से स्वागत किया गया. पंद्रह सदस्यीय भारतीय टीम सहयोगी स्टाफ के साथ सोमवार को मुंबई से रवाना हुई . इससे पहले गंभीर और चयन समिति के प्रमुख अजित अगरकर ने मीडिया को संबोधित किया था. कोलंबो में कुछ देर रुकने के बाद टीम सीधे पाल्लेकल पहुंच गई. भारत को श्रीलंका के खिलाफ तीन मैचों की टी20 और वनडे श्रृंखला खेलनी है. पहला टी20 मैच 27 जुलाई को खेला जाएगा, जबकि बाकी दो 28 और 30 जुलाई को होंगे. भारतीय टीम दो , चार और सात अगस्त को तीन वनडे खेलेगी. बीसीसीआई ने एक्स पर लिखा , मुंबई से कोलंबो के रास्ते पाल्लेकल. टीम इंडिया श्रीलंका पहुंची.

वर्ल्ड कप के बाद भारत का दूसरा दौरा : यह दौरा आईसीसी टी 20 विश्व कप के बाद टीम इंडिया का दुसरा दौरा है. इससे पहले भारत ने जिम्बाब्वे का दौरा किया था. कोच के रूप में राहुल द्रविड़ का कार्यकाल समाप्त होने के बाद गौतम गंभीर ने मुख्य कोच का पद संभाला है. टीम के साथ यह उनका पहला विदेशी दौरा है,



भारत के खिलाफ टी20 सीरीज में असालांका श्रीलंका के कप्तान

उधर, चरित असालांका भारत के खिलाफ 27 जुलाई से शुरू हो रही तीन मैचों की टी20 श्रृंखला में श्रीलंका के कप्तान होंगे, जो टी20 विश्व कप में टीम के जल्दी बाहर होने के बाद इस्तीफा देने वाले स्पिन हरफनमौला वानिंदु हसरंगा की जगह लेंगे . स्पिन हरफनमौला वानिंदु हसरंगा के बाद असालांका को कप्तानी सौंपी गई है. हसरंगा ने अमेरिका और वेस्टइंडीज में पिछले महीने हुए टी२० विश्व कप

श्रीलंका टीम: चरित असालांका (कप्तान), पाथुम निसांका, कुसल जनित परेरा, अविष्का फर्नांडों, कुसल मेंडिस, दिनेश चांदीमल, कामिंदु मेंडिस, दासुन शनाका, वानिंदु हसरंगा, दुनिंथ वेलालागे, महीष तीक्षणा, चामिंदु विक्रमसिंघे मथीसा पथिराना, नुवान तुषारा, दुष्मंता चामीरा, बिनुरा फर्नांडो .

में श्रीलंका की कप्तानी की थी. असालांका ने इस साल की

शुरुआत में बांग्लादेश दौरे पर भी र्दो टी२० मैचों में श्रीलंका की कप्तानी की थी जब हसरंगा आईसीसी आचार संहिता के उल्लंघन के कारण निलंबन झेल रहे थे. श्रीलंका के पूर्व अंडर 19 कप्तान असालांका ने इस साल एलपीएल में जाफना किंग्स को अपनी कप्तानी में खिताब दिलाया था . सूर्यकुमार यादव की कप्तानी वाली भारतीय टीम सोमवार की रात को यहां पहुंच गई.

एजेंसी। नयी दिल्ली

हॉकी इंडिया ने सितंबर में चीन में

होने वाली एशियाई चैम्पियंस टॉफी से

पहले बेंगलुरू में सीनियर पुरुष टीम

के राष्ट्रीय कोचिंग शिविर में उन

खिलाडियों को बुलाया है, जो पेरिस

ओलंपिक की टीम का हिस्सा नहीं हैं.

इसमें विकास ग्रुप और जूनियर पुरुष

हॉकी टीम के खिलाड़ी भी शामिल हैं.

आईसीसी ने जारी की महिला टी-20 रैंकिंग

हरमनप्रीत, शेफाली संयुक्त ११वें व मंधाना पांचवें स्थान पर



एजेंसी दुबई

भारतीय उपकप्तान स्मृति मंधाना ने आईसीसी टी20 महिला क्रिकेट रैंकिंग में पांचवां स्थान बनाये रखा है जबिक कप्तान हरमनप्रीत कौर और शेफाली वर्मा संयक्त 11वें स्थान पर हैं . हरमनप्रीत को एक पायदान का फायदा मिला जबिक शेफाली बल्लेबाजों की सूची में चार पायदान ऊपर आ गई . शीर्ष 20 में

भारत के चार खिलाडी हैं. जेमिमा रौड्रिग्स 19वें स्थान पर हैं . रिचा घोष 24वें स्थान पर है . बेथ मूनी 769 अंक लेकर शीर्ष पर है . गेंदबाजों की सूची में आफ स्पिनर दीप्ति शर्मा तीसरे स्थान पर है जबिक तेज गेंदबाज रेणुका सिंह नौवे स्थान पर है . बायें हाथ की स्पिनर राधा यादव 20वें स्थान पर है . इंग्लैंड की सोफी एस्सेलेटोन

<mark>ओलंपिक डायरी : आधे होटल हैं खाली</mark> एसीटी से पहले हॉकी खिलाड़ियों यातायात महंगा, सुरक्षा पर सवाल

एजेंसी।पेरिस

यशस्वी जायसवाल, रिंकू सिंह,

(विकेटकीपर), संजू सैमसन

वाशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई,

अर्शदीप सिंह, खलील अहमद

जिसका लक्ष्य जीत के साथ शुरुआत

करना है. टीम में बड़े बदलाव के रूप

में सूर्यकुमार यादव को टी 20 कप्तान

के रूप में हार्दिक पंड्या की जगह लेना

और शुभमन गिल को उप-कप्तान

(विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या,

रियान पराग, ऋभ पंत

शिवम दुबे, अक्षर पटेल,

और मोहम्मद सिराज.

नियुक्त करना शामिल है.

पेरिस ओलंपिक के लिये यहां पहुंचे करीब 45000 वालिंटियर का यहां आना सार्थक हो गया जब उन्हें हवाई अड्डे पर टेनिस स्टार कार्लीस अल्काराज से मिलने का मौका मिला पेरिस में सौ साल बाद ओलंपिक हो रहे हैं और वालिंटियर्स के लिये यह जिंदगी में एक बार मिलने वाला अनुभव है .पेरिस हवाई अड्डे पर एक उत्साही वालिंटियर ने कहाँ,' मैं 60 साल का हो चुका हूं और मेरे जीवन में तो पेरिस में फिर ओलंपिक नहीं होने वाला . इसका हिस्सा बनना मेरे लिये जीवन भर नहीं भूलने वाला अनुभव है .'उन्होंने कहा ,'' बीस मिनट पहले अल्काराज यहां पहुंचा और मैने उसे एक्रिडिटेशन (पहचान पत्र) दिलाने में मदद की . यह अनुभव यादगार हो गया है .'' पेरिस में रहने वाले सभी लोग



अमेरिकी दल में पुरुषों से अधिक महिला एथलीट

ओलंपिक के आयोजन से खुश नहीं है क्योंकि इसका उनके दैनंदिनी जीवन पर असर पड रहा है . स्थानीय यातायात 2. 15 यूरो से बढ़कर चार यूरो तक पहुंच गया है और आठ सितंबर को पैरालम्पिक के खत्म होने तक यही किराया रहेगा . ओलंपिक आयोजन स्थलों के आसपास आवागमन पर भी पाबंदियां हैं . शहर के सबसे व्यस्त ट्रेन स्टेशन पर खड़ी विक्टोरी डेलारू ने कहा पेरिसवासियों के लिये ओलंपिक की

मेजबानी गर्व का विषय है लेकिन इससे लोगों के रोजमर्रा के जीवन पर असर नहीं पड़ना चाहिये . स्थानीय यातायात की दरें दुगुनी हो गई है जो अच्छी बात नहीं है

ओलंपिक के दौरान होटलों की भारी मांग दिखाई गई जिससे पेरिस के कई लोगों ने कमाई के लिये अपने घरों को किराये पर लगा दिया लेकिन होटलों की उतनी मांग है नहीं . पेरिस में यह पर्यटन का मौसम है लेकिन

ओलंपिक टीम में शामिल खिलाड़ी छोटे ब्रेक के बाद 24 अगस्त से राष्ट्रीय शिविर में भाग लेंगे जो चार सितंबर तक चलेगा. मुख्य कोच क्रेग फुल्टोन ने हॉकी इंडिया द्वारा यहां

जारी विज्ञप्ति में कहा, सीनियर टीम पेरिस ओलंपिक में अपने अभियान की शुरुआत की तैयारी में जुटी है, लेकिन हमारे पास उससे इतर भी खिलाड़ियों का मजबूत पूल है, जो भारत के लिए फिर खेलने के मौके के इंतजार में हैं. उन्होंने कहा, एशियाई

कोर संभावित ग्रुप

को राष्ट्रीय शिविर में बुलाया गया

- गोलकीपर : सूरज करकेरा, मोहित एचएस
- डिफेंडर : वरुण कुमार, आमिर अली, अमनदीप लांकड़ा, रोहित, सुखविंदर, योगेम्बर रावत
- मिडफील्डर : रिबचंद्र सिंह मोइरांगथम, मोहम्मद राहील मौसीन, विष्णुकांत सिंह, राजिंदर सिंह, अंकित पाल, पूवन्ना सीबी, रोशन कुजुर
- फॉरवर्ड : मिनंदर सिंह, कार्ति एस, अराइजीत सिंह हुंडल, बॉबी सिंह धामी, उत्तम सिंह, गुरजोत सिंह.

सप्ताह बाद ही है, लिहाजा इसके लिये बेंगलरु के साई केंद्र में शिविर लगाया जा रहा है. ये खिलाड़ी उसके लिये तैयारी करेंगे और ओलंपिक टीम 24 अगस्त को उनसे जुड़ेगी.

असम के मख्यमंत्री ने अभिनव बिंद्रा को बधाई दी

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत

822.60 करोड़ रुपये कर दिया गया है.

विश्व शर्मा ने मंगलवार को निशानेबाज अभिनव बिंद्रा को ओलंपिक मूवमेंट में उनके असाधारण योगदान के लिए ओलंपिक आर्डर मिलने पर बधाई दी है. मुख्यमंत्री कार्यालय ने 'एक्स' पर लिखा, उम्मीद है कि वह आने वाली पीढियों को खेलों में सक्रिय भूमिका निभाने के लिये प्रेरित करते रहेंगे. अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के कार्यकारी बोर्ड ने बिंद्रा को बताया कि उन्हें ओलंपिक आर्डर दिया गया है और पुरस्कार समारोह 10 अगस्त को पेरिस में आईओसी के 142वें सत्र के दौरान होगा. असम सरकार ने गुवाहाटी और जोरहट में दो हाई परफामेंस खेल ट्रेनिंग और रिहैबिलिटेशन सेंटर बनाने के लिए असम सरकार के साथ सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किये हैं. राज्य सरकार ने प्रदेश के 250 सरकारी और गवाहाटी के निजी स्कलों में ओलंपिक मूल्य शिक्षा कार्यक्रम (ओवीईपी) लागू करने के लिये भी

ओलंपिक

पहली बार महिला और पुरुष खिलाड़ियों की भागीदारी लगभग 50-50

अब भारतीय टीम में ४० प्रतिशत महिलाएं शामिल

 शून्य से लगभग 50-50 तक पहुंचा आंकड़ा

एजेंसी।नई दिल्ली

पहले मॉडर्न ओलंपिक गेम्स साल 1896 में हुए थे और इनमें महिलाओं की भागीदारी शून्य थी. ओलंपिक के दूसरे एडिशन का मेजबान पेरिस था. तब पहली बार महिला खिलाड़ियों ने इन गेम्स में हिस्सा लिया था. साल 1900 के हुए पेरिस ओलंपिक में 22 महिलाओं ने शिरकत की थी. छोटी सी उस शुरुआत के 124 साल के बाद अब ओलंपिक में ऐसा पहली बार होने जा रहा है कि महिला और पुरुष खिलाड़ियों की भागीदारी लगभग 50-50 होगी. पेरिस



ओलंपिक के आयोजकों के ताजा आंकड़े बताते हैं कि इस बार इन खेलों में कुल 11,215 खिलाड़ी हिस्सा लेंगे. इनमें 49% ऐथलीट महिलाएं (5,503) हैं जबिक 51 प्रतिशत (5712) पुरुष. तोक्यो ओलंपिक में महिला खिलाड़ियों की

भागीदारी का आंकड़ा 47.2% था. इस बार भारतीय दल में महिला खिलाड़ियों की भागीदारी 40% के

आसपास है. रियो ओलंपिक (2016) में भारतीय दल में 63 पुरुषों के मुकाबले 54 महिला खिलाड़ी थीं जो कुल भागीदारी का

खिलाड़ियों को पेरिस भेज रहा है. इसमें 338 यानी 53 प्रतिशत महिलाएं हैं . एक छोटे से देश गुआम के दल में सात खिलाड़ी होंगे . इनमें से छह महिलाएं हैं . प्रतिशत के लिहाज से देखें तो उसके दल में 87 .5 प्रतिशत

महिला खिलाड़ी हैं जो सर्वाधिक हैं.

46 प्रतिशत थीं. साल 2000 के

एक बार फिर अमेरिका का सबसे बड़ा

दल पेरिस पहुंचेगा . अमेरिका 638

करने वाले अधिकारियों में महिलाओं की संख्या भी काफी बढ़ी है. तोक्यो ओलंपिक में लगभग 30 प्रतिशत टेविनकल ऑफिशल्स महिलाएं थीं. पेरिस में इनकी संख्या बढ़कर 40 प्रतिशत हो गई है.

लैंगिक समानता सिर्फ खिलाड़ियों

तक सीमित नहीं है . ओलंपिक मिशन

के प्रयासों से इन खेलों को संचालित

ओलंपिक से लेकर भारतीय दल में महिला खिलाड़ियों की भागीदारी केवल लंदन ओलंपिक को छोड़कर बेहतर रही है. साल 2012 में लंदन गए 83 खिलाड़ियों में 23 महिला थीं.

विश्वास, टीम भावना पेरिस में हॉकी टीम की सफलता की कुंजी : फुल्टोन

एजेंसी। नयी दिल्ली

पिछले साल भारतीय पुरूष हॉकी टीम से जुड़े कोच क्रेग फुल्टोन का लक्ष्य आपसी विश्वास मजबूत करना था और उन्हें यकीन है कि उनके प्रयासों का नतीजा पेरिस ओलंपिक में पदक के बेहतर रंग के रूप में मिलेगा. चौदह महीने पहले पदभार संभालने वाले फुल्टोन ने पीटीआई से कहा ,' मुझे नहीं पता कि तोक्यो ओलंपिक से पहले क्या तैयारियां थी लेकिन 14 महीने पहले मेरे आने के बाद से फोकस खिलाड़ियों में आपसी विश्वास बेहतर करने पर रहा है .' उन्होंने बेहतर नतीजों के लिये दक्षिण अफ्रीका के मानसिक अनुकूलन कोच पैडी उपटन की सेवायें ली जो 2011



विश्व कप विजेता भारतीय क्रिकेट टीम के साथ काम कर चुके हैं . उपटन टीम के साथ पेरिस में हैं .मानसिक दृढता के लिये उन्होंने इस महीने की शुरूआत में स्विटजरलैंड के माइक होर्न्स बेस में तीन दिन का शिविर लगाया . फुल्टोन ने कहा ,' मैने अल्पकालिन और दीर्घकालिन रणनीति बनाई और उसके हिसाब से काम किया .'उन्होंने कहा ,' हमारी

स्विटजरलैंड में तीन दिन का शिविर बहुत अच्छा साबित हुआ . हमने आपसी विश्वास, टीम भावना और एकजुटता बढाने पर काम किया . इसके बाद नीदरलैंड में नौ दिन अभ्यास किया और कुछ अभ्यास मैच भी खेले .' तोक्यो ओलंपिक में 41 साल बाद कांस्य पदक विजेता से अपेक्षाओं के बारे में उन्होंने कहा मुझे अपेक्षाओं का पता है और मैं इसके लिये पूरी तरह से तैयार हूं भारत का हॉकी का गौरवमयी इतिहास रहा है और हम उस विरासत को आगे बढाना चाहते हैं .' उन्होंने कहा ,' मैं पोडियम पर रहने के बारे में कयास नहीं लगा सकता क्योंकि ओलंपिक में 12 टीमों के बीच ज्यादा अंतर नहीं है .

केंद्रीय बजट को सत्ताधारी दलों के नेताओं ने सराहा, तो विपक्षी पार्टियों ने की आलोचना

हजारीबाग । केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 2024 के लोकसभा चुनावों के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार का पहला बजट मंगलवार को पेश किया. बजट में नौकरियों और रोजगार को बढ़ावा देने के उपायों की घोषणा की गई है, जो चुनाव अभियान की प्रतिध्वनि है जिसमें युवाओं में बेरोजगारी एक प्रमुख मुद्दे के रूप में उभरी थी. साथ ही, हर बजट में चर्चा का विषय रहने वाली महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) को पिछले वर्ष के संशोधित अनुमान के बराबर ही आवंटन मिला है. इस पर जिले में मिली-जुली प्रतिक्रिया सामने आई. सत्ताधारी गठबंधन के लोगों ने जहां इसको सराहा, वहीं विपक्ष ने इसको नकार दिया.

किसने क्या कहा



ने आम बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल का पहला बजट विशेष रूप से अन्नदाताओं और महिलाओं की समृद्धि, युवाओं के रोजगार, कौशल

भाजपा नेत्री

प्रशिक्षण, एमएसएमई और मध्यम वर्ग पर ध्यान केंद्रित है. विकसित भारत के इस बजट में हर वर्ग का विशेष ख्याल रखा गया है. यह कृषि क्षेत्र में उत्पादकता और लचीलापन, रोजगार एवं कौशल, समावेशी मानव संसाधन विकास एवं सामाजिक न्याय, विनिर्माण एवं सेवाएं, शहरी विकास, ऊर्जा संरक्षण, अवसंरचना, नवाचार, अनुसंधान एवं विकास और नई पीढ़ी के सुधार, चतुर्दिक समृद्धि एवं सशक्त विकास को समर्पित बजट है.

भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता

राकेश ठाकुर ने बजट पर प्रतिक्रया व्यक्त करते हुए कहा कि बजट देश



जदयू नेता राकेश ठाकुर

कांग्रेस नेता डॉ. आरसी प्रसाद मेहता ने कहा कि बजट में आटा और डाटा को महंगा किया गया है जिसकी मैं भर्त्सना करता हं. यह बजट गरीबों, किसानों, बेरोजगारों, छात्रों, मध्यम व्यापारी वर्ग को हतोत्साहित करने वाला एवं अमीरों, पूंजीपतियों को बढ़ावा देने वाला चुनावी जुमला नुमा बजट है. यह बजट हतोत्साह का परिचायक है एवं 2024 में होने

वाले विधानसभा चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश है डॉ. आरसी प्रसाद मेहता

कांग्रेस पार्टी के प्रदेश सचिव विनोद सिंह ने बजट पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि इससे निराशा हुई. किसानों की आय दोगुना नहीं हुई. महंगाई को कम करने का उपाय नहीं हुआ. बेरोजगारों को स्किल

ट्रेनिंग देकर रोजगार का सपना दिखाया गया है. छोटे निवेशकों को बहुत बड़ी मार पड़ी है. पिछले 10 वर्षों की तरह ही इस बजट से भी लोगों में निराशा बढी है. लोगों की आमदनी घटी है. इस बजट से क्या मिला. बजट से किचन पर भी कोई असर नहीं पड़गा. महिलाएं ठगा महसूस कर रही हैं.

कांग्रेस नेता बिनोद सिंह

प्रदेश राजद कार्य समिति सह समाज सेवी स शांति समिति सदस्य संजर मलिक ने कहा कि केंद्र सरकार का यह बजट झुठ की बुनियाद पर बनाया गया है. भारत की मुद्रास्फीति कम और

स्थिर बनी हुई है, जबिक हकीकत ये है कि थोक महंगाई 16 महीने के उच्चस्तर पर 🐷 जबिक खुदरा महंगाई चार महीने के उच्चस्तर पर है. ये आंकड़े जून महीने के हैं.

पिछले 10 वर्षों से सरकार चीख रही थी, लेकिन आज पहली बार करोड़ों शिक्षित युवा कार्य के अभाव में बेकार बैठे हैं. बजट में फिर से एक बार उद्योगपतियों का विशेष ध्यान रखा गया है. यह गरीबी अधिक बढ़ेगी. यह बजट नए बोरे में पुराने चावल के समान है.

राजत नेता संजर मलिक

हजारीबाग यूथ विंग के संरक्षक चंद्र प्रकाश जैन ने बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि बजट आम जनता, युवा वर्ग, महिला और किसानों के लिए काफी लाभदायक साबित होगा. सभी को ध्यान में रखते हुए बजट पेश किया गया है, बढ़ती महंगाई भी काफी कम होगी, स्वास्थ्य के क्षेत्र पर फोकस किया गया है . गरीब, वंचित लोगों को इस बजट से काफी राहत मिलेगी . महिला विकास के लिए तीन लाख करोड़ रुपये देने की घोषणा की गई है . वहीं युवाओं को नौकरी दी जाएगी .

भाजपा नेता भैया अभिमन्य प्रसाद ने केंद्रीय बजट को जनता के हित में बताया . कहा इस बजट से आम जन को बहुत फायदा मिलने वाला है . बजट में युवा, किसान, महिला के लिए काफी कुछ है . शिक्षा बजट पर 30 प्रतिशत की वृद्धि की गई है . भारत की जनता ने जो भाजपा पर भरोसा जताया था उस पर यह बजट खरा उतरता है . बजट में खासकर किसानों पर, शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया गया है . बजट आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के मोदी सरकार के संकल्प को और मजबूत करेगा.

विष्णुगढ़ के प्रवासी मजदूर की

करंट लंगने से केरल में मौत

भाजपा नेता भैया अभिमन्य

सीपीआईएम नेता गणेश कुमार सीटू ने बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह बजट कुर्सी बचाओ बजट है . इसमें 26000 करोड़ रुपये बिहार को और 15000 करोड़ रुपये आंध्र प्रदेश की राजधानी को चमकाने के लिए दियाँ गया है . बजट में झारखंड को सिर्फ एक मॉल के अलावा कुछ नहीं दिया गया है. बेरोजगारी और महंगाई से परेशान जनता के लिए कुछ नहीं है. सोना, चांदी को सस्ता किया गया पर आटा, चावल, दाल को सस्ता करने का कोई उपाय नहीं है . देश के बीमार सरकारी उद्योग जैसे एचईसी, बीएसएनल, ओएनजीसी जैसे उद्योगों को बचाने का कोई उपाय नहीं है . इस बजट से देश की जनता निराश है . सरकार द्वारा लिया गया पूर्व के बजट में कई अधूरे कार्य अभी पूर्ण होने बाकी हैं, जिन पर सरकार ने ध्यान नहीं दिया . स्मार्ट सिटी, बुलेट ट्रेन जैसे चीज बजट से गायब है .

यह बजट सभी वर्ग के लोगों को राहत पहुंचाने वाला बजट है . इसमें खासकर विद्यार्थियों को 10 लाख तक का एजुकेशन लोन देने की बात कही गई है . किसानों का विशेष ख्याल रखा गया है . इस बजट से सभी वर्ग के लोगों को दूरगामी लाभ मिलगा.

विकास राणा

भाजपा नेता प्रदीप प्रसाद ने कहा कि आम बजट 140 करोड़ जनता के लिए काफी महत्वाकांक्षी तथा लाभकारी बजट है . इसमें गरीब, वंचित, गांव, शहर, महिला, बुजुर्ग, युवा तथा किसान के विषय में काफी कुछ सोचा गया है . यह बजट सभी वर्गों के लिए लाभकारी होगा और यह आर्थिक विकास को बढावा देगा . बजट में ग्रामीण विकास, स्वास्थ्य, शिक्षा और बुनियादी ढांचे पर विशेष ध्यान दिया गया है, जिससे समग्र विकास होगा . बजट में छोटे और मध्यम उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाएं शामिल की गई हैं, जिससे रोजगार सृजन में मदद मिलेगी . कृषि क्षेत्र के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं, जिससे किसानों की आय बढ़ाने में सहायता मिलेगी.

दो दिन के अंदर विष्णुगढ़ में दो प्रवासी मजदूरों की हो गई मौत

संवाददाता। विष्णुगढ़

विष्णुगढ़ में दो दिन के अंदर दो प्रवासी

मजदूरों की मौत हो चुकी है. सोमवार

को प्रखंड अंतर्गत चौथा निवासी

जीवलाल साव (55) का पार्थिव

शरीर पैतृक गांव पहुंचा. वहीं दूसरे

दिन प्रखंड के खरना के प्रवासी

मजदूर सुरेश महतो (25) की लाश

पहुंची. जीवलाल साव की मौत मुंबई

में हुई, जबकि सुरेश की मौत केरल के

कोल्लम में हुई. इस तरह रोजी-रोटी

कमाने जाने वाले झारखंड के प्रवासी

मजदुरों की मौतों का सिलसिला थम

नहीं रहा है. मृतक केरल राज्य

इलेक्ट्रीसिटी बोर्ड कोल्लम में कार्यरत

एसवीआर कंपनी का कामगार था.

उसकी मौत काम के दौरान करेंट

लगने से हो गयी. रोजी रोजगार के

सिलसिले में वे वहां पहुंचे थे. सुरेश

पर अपने परिवार की जिम्मेदारी थी.

भाजपा नेता प्रदीप प्रसाद

प्रवासी मजदूर का फाइल फोटो.

मौत की सचना मिलते ही परिजनों का

बुरा हाल हो गया है. परिवार के एक

मात्र कमाऊं सदस्य की मौत से

परिवार पर गमों का पहाड़ टूट गया है.

इसकी सूचना मिलते ही परिजनों को

ढांढस बंधाने झारखंडी भाषा खतियान

संघर्ष समिति के केंद्रीय संगठन मंत्री

महेंद्र प्रसाद महतो उर्फ माही पटेल

अपने संगठन के साथियों के साथ

मृतक के घर पहुंचे. साथ ही

र्जेबीकेएसएस की तरफ से हरसंभव

🔻 ब्रीफ खबरें

चुटूपालू घाटी में ट्रेलर ने 4 वाहनों में मारी टक्कर रामगढ़। जिले के चुटूपालू घाटी में एक ट्रेलर ने चार वाहनों को टक्कर मार दी. इस हादसे में छह लोग गंभीर रूप से घायल हो गये. यह घटना मंगलवार की सुबह हुई है. जानकारी के अनुसार, ट्रेलर का ब्रेक फेल हो गया था, जिसकी वजह से चालक ने ट्रेलर पर नियंत्रण खो दिया और तीन गाड़ियों को टक्कर मार दी. इसके बाद एक बस से टकराकर रुक गया. इसकी वजह से रामगढ़ घाटी में वाहनों की लंबी कतार लग गयी. पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया. पुलिस

युवक को भीड़ से बचा कर ले गई पुलिस

घाटी से जाम हटाने में जुटी हुई है.

हजारीबाग। जिले के कोलंबस के पास एक महिला बात करते हुए जा रही थी कि अचानक एक बाइक सवार युवक ने उससे मोबाइल फोन छीनकर फरार हो गया. हालांकि तत्काल दो युवकों ने पीछा कर जैन पैट्रोल पंप के पास आरोपी को पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया. आरोपी कदमा निवासी सनी कुमार है. जांच में आरोपी के पास से महिला का मोबाइल मिला और एक अपाची बाइक जब्त की गई. आरोपी को पकड़ने वाले युवक सत्यम तिवारी और अनीश यादव है.

डीसी ने की राजस्व कार्यों की समीक्षा

रामगढ़। राजस्व संबंधित कार्यों को लेकर मंगलवार को उपायुक्त चंदन कुमार की अध्यक्षता में समाहरणालय सभाकक्ष में समीक्षा बैठक की गई. इस दौरान उपायुक्त ने बंटवारा नामा एवं उत्तराधिकारी दाखिल खारिज कार्यों की समीक्षा के क्रम में सेवा का अधिकार अधिनियम का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए दाखिल खारिज संबंधित सभी मामलों को 90 दिन की अवधि के दौरान निष्पादित करने का निर्देश दिया. साथ ही खारिज संबंधित कार्यों में आ रही तकनीकी समस्याओं का हल करने का निर्देश दिया.

मानदेय में ४ प्रतिशत वृद्धि पर बनी सहमति

चौपारण। प्रखंड की बछई पंचायत अंतर्गत सभी सरकारी विद्यालयों में सेवारत सहायक अध्यापकों के मानदेय में 4 प्रतिशत वृद्धि पर मंगलवार को प्राधिकार कमिटी द्वारा सहमति प्रदान की गई. मुखिया बीरेंद्र रजक ने बताया कि ज़िला शिक्षा अधीक्षक हजारीबाग़ के निर्देशानुसार मंगलवार को पंचायत सचिवालय दैहर के सभागार में पंचायत प्रशासनिक सह अनुशासनिक प्राधिकार की बैठक प्राधिकार के अध्यक्ष मुखिया बीरेंद्र रजक की अध्यक्षता में संपन्न हुई.

अवैध बालू और पत्थर लदे वाहन किए जब्त

हजारीबाग। जिला खनन विभाग ने सोमवार की मध्य रात्रि दिपूगढ़ा चौक के पास अवैध बालू लदे दो हाईवा जब्त किए गए. जिला खनन पदाधिकारी ने बताया कि इन दोनों वाहनों के पास खनिज ई-परिवहन चालान नहीं पाया गया है. इस संदर्भ में कोर्रा थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है. इसी क्रम में पत्थर से लदे दो अन्य वाहनों को भी पकड़ा गया, उनके दस्तावेजों की जांच की जा रही है.

एक जुलाई के अंक में शुभम संदेश में प्रकाशित खबर पर पुलिस ने लगाई मुहर

पशु तस्कर निकला मिथ्रन बाब्

 सदर थाने में ड्राइवर रहा, अब मामला दर्ज कर तलाश कर रही चौपारण पुलिस

संवाददाता। हजारीबाग

सदर थाने बतौर ड्राइवर काम कर चुका मिथुन बाबू पशु तस्कर निकला. वह कोयला और बालू माफियाओं, ड्रग्स और पशु तस्करों सहयोग करता था. चौपारण पुलिस रविवार को शुभम संदेश में 1 जुलाई के अंक में प्रकाशित खबर पर मुहर लगा दी है. दरअसल, मिथुन बाबू शनिवार को अपने निजी वाहन की डिक्की में तीन अवैध पशु को मुंह बांधकर चौपारण होते हुए ले जा रहे थे. इसकी सूचना मिली तो थाना प्रभारी दीपक सिंह ने पुलिस बल के साथ गाड़ी को जब्त कर तीनों पशुओं को मुक्त करा दिया, जबिक गाडी चालक पुलिस देखकर फरार हो गया, लेकिन गाड़ी के नंबर ने मिथुन बाबू का राज खोल दिया और उसकी पहचान हो गई.

अब पुलिस मिथुन बाबू पर चौपारण थाने में मामला दर्ज कर उसकी तलाश कर रही है. इधर, मिथुन बाबू पर पशु तस्करी में नाम आते ही बजरंग दल के सदस्यों ने सोमवार देर शाम झंडा चौक पर उसका पुतला

संवाददाता। चौपारण

क्षेत्र में एनजीटी का आदेश लागू होने

के बाद बिहार के बालू तस्करों की

चांदी हो गयी है. मंगलवार को बिहार

के फ़र्ज़ी ई-चालान पर एक बालू लोड

हाइवा अंचलाधिकारी संजय कुमार

यादव ने ने जब्त कर इसका खुलासा

कर दिया है. यादव ने कहा कि

एनजीटी के आदेश के तहत बालू के

उठाव व परिचालन की जांच करने का

निर्देश जिला उपायुक्त हजारीबाग द्वारा

जारी किया गया है. जांच के क्रम में

हाइवा चालक से बालू का चालान

मांगा गया, जिसकी जांच में पाया गया

कि चालान में जो चेचिस नंबर है,

उससे अलग हाइवा का चेचिस नंबर

है. इस बात से स्पष्ट होता है कि एक

ही चालान से कई वाहनों से बाल की

दुलाई की जा रही है. साथ ही यादव ने

कहा कि एनजीटी का आदेश लागू होने

के बाद लाइसेंसधारी द्वारा डंप किया



बजरंग दल के लोगों ने मिथुन बाबू का पुतला दहन किया.

दहन किया. वे मिथुन बाबू को फांसी देने की मांग कर रहे हैं. बजरंग दल का कहना है कि मिथुन बाबू पुलिस की गाड़ी चलाता था, गाड़ी में बैठकर पलिस की वर्दी दिखाता था और खुद को पलिसकर्मी बताता था और शहर के विभिन्न कोनों में घूम कर माफियाओं को अपनी ऊंची पहुंच होने की बात कहता था.

महंगी कारों से पशुओं की तस्करी करता है मिथन : दरअसल, मिथन

खास बातें

• सीओ ने एक बालू लदा हाइवा

को जब्त कर किया खुलासा

• सीओ के घर पहुंच तस्करों ने

गया बालू का ही परिचालन किया जा

सकता है, जबिक पकड़े गए हाइवा से

नदी में तत्काल लोड किया गया बालू

होने के कारण पानी गिर रहा था.

यादव ने कहा कि पकड़े गए अवैध

बालू लदा हाइवा को चौपारण पुलिस

के हवाले कर दिया गया और जब्त

हाइवा के कागजात को जिला खनन

पदाधिकारी को करवाई के लिए

अग्रसारित कर दिया गया है. अब

सवाल उठता है कि बालू की अवैध

तस्करी के साथ एक ही चालान से कई

वाहनों से बालू का परिचालन किसके

इशारे और संरक्षण में किया जा रहा है.

दी धमकी, पुलिस हिरासत में

बिहार के एक फ़र्ज़ी ई-चालान पर

कर्ड वाहनों से ढोया जा रहा बालू

बाबू कोई समाजसेवी या फिर कोई उच्च पहुंच वाला व्यक्ति नहीं है. वह हजारीबाँग शहर के सदर थाने में बतौर प्राइवेट ड्राइवर काम करता था. मिथन बाब पुलिस पेट्रोलिंग की गाडी चलाता था. इस दौरान वह जिले में अपराधियों, माफियाओं और चोरों के साथ अपना संबंध बना रहा था. वह हर काम में इन लोगों को सहयोग करता था. पुलिस की कार्रवाई करने से पहले ही माफियाओं और

अबुआ आवास में लेते हैं 10 हजार

संवाददाता। हजारीबाग

जिले के इचाक प्रखंड में विभिन्न

पंचायतों के मुखिया बीते दो दिन से

धरने पर डटे हुए हैं. वे अब

अधिकारियों पर हमलावर होने लगे

हैं. वे कहते हैं कि मुखिया तो

जनप्रतिनिधि हैं उन्हें न वेतन मिलता

है और न ही खर्च मिलता है, लेकिन

अधिकारी अपने कार्यालय में बैठे-

बैठे आम जनता की योजना को बेच

रहे हैं. अबुआ आवास में लाभुक से

खुलेआम 10 हजार और कूप निर्माण

में 20 हजार लेकर ही वह योजना

पास करते हैं और आम लोगों की

नजर में बदनाम होते हैं मुखिया.

सच्चाई यह है कि मुखिया रिश्वत

लेकर नहीं, बल्कि निस्वार्थ भाव से

प्रदर्शनकारियों ने सरकार से की 300 मनरेगा कर्मियों को स्थायी करने की मांग

शुभम संदेश ने १ जुलाई के अंक में की थी पड़ताल

🚆 शुभम संदेश

कौन हैं मिथुन बाबू, जो

बता दें कि शुभम संदेश ने 1 जुलाई के अंक में मिथुन बाबू की पड़ताल करती खबर प्रकाशित की थी, जिसका शीर्षक था, कौन है मिथुन बाबू? जो जिले में

इन दिनों ड्रग्स, अफीम कोरेक्स, देह व्यापार, कोवला, बालू से लेकर इन्स का भी अवैध कारोबार बालू माफिया, भू माफिया, कोयला माफिया को सहयोग करता है और हर गोरखधंधे में सक्रिय पुलिस की कार्रवाई करने से पहले माफियाओं को जानकारी देता है. इसके बाद मिथुन बाबू की चर्चा जिले में खूब होने लगी. सोशल मीडिय के माध्यम से भी लोग मिथुन बाबू

कई लोग मीडिया पर भी सवाल उढा रहे थे और पूछ रहे थे कि आखिर मीडिया मिथुन बाबू की सच्चाई क्यों नहीं उजागर कर रहा है . वहीं पुलिस प्रशासन भी मिथुन बाबूँ की सच्चाई सामने आने का इंतजार कर रहा थाँ . पुलिस जानना चाह रहीं थी कि आखिर शहर में कौन है मिथुन बाबू, जो माफियाओं तक सूचना

पहुंचाता है. और अंत में पुलिस ने मिथुन बाबू पहुंचान कर ली है.

इचाक प्रखंड में धरने पर बैठे मुखिया को संबोधित करते वक्ता

अपराधियों को सूचना दे दिया करता था. इसके लिए उसे मोटी रकम मिलती थी. हालांकि इसकी भनक लगते ही कुछ महीने पहले उसे सदर थाने से हटा दिया गया. इसके बाद वह बेरोजगार हो गया. इसके बाद

प्रखंड कार्यालय में अधिकारी लेते हैं रिश्वत और मुखिया होते हैं बदनाम

भ्रष्ट अधिकारियों पर बरसे मुखिया

कि हम जनप्रतिनिधियों को अधिकारी

इस्तेमाल करते हैं और सर्वे करवाते

लेते हैं, अपने ऑफिस के छोटे-छोटे

कर्मचारियों को भेज कर लाभुक से

पैसा मंगवाते हैं और योजना पास

करते हैं. इन अधिकारियों कि अगर

उच्च अधिकारी से प्रखंड कार्यालय

की जांच हो तो अधिकारियों की

हमसे लाभुकों के कागजात भी

वह से फिर माफियाओं का सहयोग करने लगा और अंततः खुद ही माफिया बन गया. बताया जाता है कि मिथुन बाबू के पास तीन महंगी कारें हैं और इन्हीं कारों से वह पशओं की तस्करी करता है.

हीं मुखिया भी बदनाम नहीं होंगे.

मुखिया संघ ने कहा जब तक सरकार

हमारी सात सूत्री मांगों को पूरा नहीं

करती है, तब तक यह धरना समाप्त

नहीं होगा. धीरे-धीरे पूरे हजारीबाग

जिले के मुखिया धरने में शामिल होंगे

और सभी अपने-अपने प्रखंड

कार्यालय में धरने देंगे. वहीं सत्येंद्र

मेहता ने कहा कि इचाक प्रखंड के

जगह कर दी साधारण बोरिंग

बीडीओ ने लिया संज्ञान तो बोरिंग मशीन लेकर भागा ठेकेदार

संवाददाता। चौपारण

प्रखंड की बच्छई पंचायत के प्राथमिक विद्यालय सेवई में किचन शेंड का निर्माण मनमाने तरीके से किया जा रहा है. इसी क्रम में मंगलवार को साधारण चापानल की बोरिंग की जाने लगी. जानकारी प्रधानाध्यपिक हेमलता देवी ने मुखिया बिरेंद्र रजक को दी. मुखिया ने कनीय अभियंता मुकेश कुमार से कहा कि ठेकेदार किचन शेड मनमाने तरीके से बना रहा है और डीप बोरिंग की जगह पर साधारण बोरिंग कर रहा है. वहीं ठेकेदार राज साग्र का कहना है कि जो हो रहा है ठीक हो रहा है. मुखिया संघ अध्यक्ष रजक ने

ठेकेदार की बात सुनकर कहा कि लगता है कि चौपारण में लूट की छूट

मिल गई है. मुखिया ने इस बात की जानकारी बीडीओ सीमा कुमारी को दी. बीडीओ ने जेई को स्थल पर जाकर निरीक्षण करेंगे और गलत पाए जाने पर करवाई करेंगे. इस पर ठेकेदार बोरिंग मशीन लेकर भाग गया. बीडीओ ने कहा कि प्राक्कलन से हट कर कोई भी ठेकेदार काम करेगा तो उसकी राशि काट कर भुगतान करवाने की अनुशंसा कर जिला प्रशासन को भेजा जाएगा.

डीसी ने तीर्थ दर्शन योजना के तहत यात्रियों को किया रवाना

किचन शेड में डीप बोरिंग की

संवाददाता। रामगढ़

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत मंगलवार को उपायुक्त चंदन कुमार ने जिले के विभिन्न प्रखंडों से कुल 33 बीपीएल हिंदू धर्म धर्मावलंबियों को द्वारका एवं सोमनाथ तीर्थ यात्रा के लिए जिला समाहरणालय परिसर से रवाना किया. उन्होंने अधिकारियों को सफलतापूर्वक तीर्थ यात्रा संपन्न कराने को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए. इस दौरान चितरपुर प्रखंड से 6, पतरातू प्रखंड से 3, गोला प्रखंड से 10, मांडू प्रखंड से 14 यात्री द्वारका

एवं सोमनाथ तीर्थ यात्रा के लिए रवाना हुए. सभी यात्री समाहरणालय से विशेष बस द्वारा हटिया रेलवे स्टेशन के लिए रवाना हुए जहां से उन्हें विशेष ट्रेन द्वारा यात्रा कराई जाएगी. दो नोडल अधिकारी कमल साहू ब्लॉक कोऑर्डिनेटर मांडू एवं संदीप कुमार जन सेवक पतरातु तीर्थ यात्रियों के साथ रहेंगे. मौके पर उप विकास आयुक्त रोबिन टोप्पो, जिला खेल पदाधिकारी सह पर्यटन नोडल पदाधिकारी मारकस एसएमपीओ विक्रम सोनी, भोलानाथ, प्रकाश सहित अन्य उपस्थित थे.

धरने पर मनरेगा कर्मचारी, जिले में 2600 कूप अधूरे

खास बातें

- भारी बरसात में धंसा तो होगा राजस्व का भारी नुकसान
- मनरेगाकर्मी की हड़ताल से मजदूर और लाभुक परेशान

संवाददाता। हजारीबाग

चुनाव आते ही विभिन्न कर्मचारी संघ मांगों को लेकर धरना शुरू कर देते हैं. इससे आम लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है. उनके काम ठप हो जाते हैं और मनरेगा मजदूर भुखमरी के कगार पर आ जाते हैं. किसी का कागजात नहीं बन पाता है तो किसी को रोजगार नहीं



मिल पाता है. इसी कड़ी में जिले में मनरेगा कर्मचारी एक सूत्री मांग को लेकर सोमवार से अनिश्चितकालीन धरने पर बैठ गए हैं. जिले में मनरेगा के कर्मचारियों की संख्या लगभग 300 है और अब इनके धरने पर बैठने से विभिन्न प्रखंडों में मनरेगा के

कार्य बाधित हो रहे हैं. बता दें कि जिले में लगभग चार लाख की लागत से बन रहे 2600 कूपों का कार्य अधूरा है, जबिक बरसात आने से पहले इनका निर्माण पूरा करना था. अब बरसात का मौसम चल रहा और मनरेगा कर्मचारी अनिश्चितकालीन

'मनरेगा मजदूरों को बीमा का लाभ तो हमें क्यों नहीं' इस संबंध में धरना स्थल पर बैठे मनरेगा कर्मचारी संतोष सिंह ने बताया कि मनरेगा कर्मचारी को सरकार 11 हजार रुपये से लेकर 23 हजार रुपये प्रति माह देती है . इस पैसे से हमारा न घर चलता है और न हम बच्चे को अच्छी शिक्षा दे सकते हैं . उन्होंने यह भी कहा कि कार्यस्थल पर मनरेगा मजदूरों के साथ कोई घटना घटती है तो 75 हजार रुपये से लेकर 2 लाख रुपये तक का बीमा कवर मिलता है, लेकिन हम लोगों को बीमा का लाभ क्यों नहीं दिया जा रहा है . यहां तक कि हम लोगों को अब तक स्थायी भी नहीं किया गया . इसी को लेकर हम अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे हैं . हमारी मांग कोई बड़ी नहीं है . हम 300 मनरेगा कर्मचारियों को स्थायी करने की मांग कर रहे हैं

हड़ताल पर हैं. ऐसे में भारी बरसात में अध्रे कृपों का निर्माण पूरा होने से पहले धंसने का खतरा बना हुआ है. इससे लाभुकों के साथ सरकार को भी लगभग 104 करोड़ रुपये का नुकसान हो सकता है. यहां तक

कि मनरेगा से चल रहे अबुआ आवास, मेड़ बंदी, टीसीपी, वाटर रिचार्ज जैसे कई कार्य प्रखंड में चल रहे थे, जो बाधित हो गए हैं. इसके कारण मजदूरों को भी रोजगार नहीं मिल पा रहा है.

मुखिया सकीबा खातून जमीन वापसी को लेकर मंत्री से मिलीं

संवाददाता। केरेडारी

प्रखंड की पाण्डु पंचायत की मुखिया सकीबा खातून ने झारखंड सरकार के ग्रामीण विकास मंत्री इरफान अंसारी से मिलकर पाण्डु क्षेत्र में डुमरी कोल ब्लॉक द्वारा अधिग्रहित जमीन भू रैयतों को वापस कराने की मांग की है. इस बाबत मुखिया ने मंत्री को दिए लिखित ज्ञापन में कहा है कि पांडू पंचायत क्षेत्र में नीलांचल आयरन पांवर लिमिटेड द्वारा नौकरी के नाम पर फर्जी तरीके से जमीन अधिग्रहित की गई थी. इसके

एवज में नौकरी का झांसा दिया गया था. वर्ष 2008 में नीलांचल आयरन पावर लिमिटेड द्वारा जमीन ली गई थी, लेकिन आजतक उपरोक्त कंपनी द्वारा खनन कार्य नहीं किया जा सका कंपनी द्वारा 3 लाख 85 हजार रुपये दर से प्रति एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया गया था. कंपनी द्वारा ना ही खनन कार्य शुरू किया गया और न ही नौकरी दी गई. कंपनी द्वारा 20 प्रतिशत जमीन अधिग्रहित की गई है, जो खेती योग्य भूमि है और कुछ भाग पर काफी संख्या में मकान बने हुए हैं.

गोवा शिपयार्ड ने किया जलावतरण, हमारी नौसेना किसी भी देश की चुनौती का सामना करने और अपने देश की संप्रभुता की रक्षा करने में सक्षम : राज्यपाल

नौसेना के लिए अत्याधुनिक हथियारों से सुसज्जित 'त्रिपुट' युद्धपोत का जलावतरण

वास्को स्थित गोवा शिपयार्ड लिमिटेड (जीएसएल) ने भारतीय नौसेना के लिए बनाए जा रहे दो 'पी11356 युद्धपोत' में से पहले युद्धपोत 'त्रिपुट' का मंगलवार को जलावतरण किया. यह युद्धपोत अत्याधुनिक हथियारों से सुसज्जित है. गोवा के राज्यपाल पी.एस. श्रीधरन पिल्लई ने युद्धपोत का जलावतरण किया, जबकि उनकी पत्नी रीता पिल्लई ने इसे 'त्रिपुट' नाम दिया. नौसेना के उपप्रमुख वाइस एडिमरल कृष्णा स्वामीनाथन, पश्चिमी कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ वाइस एडिमरल संजय सिंह, भारतीय नौसेना के युद्धपोत उत्पादन एवं अधिग्रहण के नियंत्रक वाइस एडिमरल बी. शिवकुमार इस अवसर पर उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों में शामिल थे. राज्यपाल पिल्लई ने कहा, "हमारी



नौसेना किसी भी देश की चुनौती का सामना करने और अपने देश की संप्रभुता की रक्षा करने में सक्षम है. भारतीय नौसेना की भूमिका दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है." उन्होंने कहा, "आज के बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्य में, राष्ट्र कई चुनौतियों का सामना करते हैं. युद्धपोत का जलावतरण हमारे हितों की रक्षा के लिए देश की तैयारियों और प्रतिबद्धता का स्पष्ट प्रदर्शन है."

पिल्लई ने कहा कि स्थानीय परिस्थितियों में बदलाव के बीच इस जहाज का जलावतरण एक मजबूत संदेश भेजता है कि हमारा देश शांति एवं स्थिरता के अलावा अपनी अखंडता और संप्रभुता की रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध है. उन्होंने कहा, "यह किसी भी क्षेत्रीय आक्रमण का जवाब देने के लिए तैयार एक मजबूत और सक्षम रक्षा बल बनाए रखने के हमारे दृढ़ समर्पण को दर्शाता है."

पहली बार किया इतने बडे जहाज का निर्माण

वाइस एडिमरल स्वामीनाथन ने कहा कि "चूंकि, भारतीय नौसेना हिंद महासागर क्षेत्र में सबसे पहले प्रतिक्रिया देने वाले बल और पसंदीदा सुरक्षा भागीदार के रूप में उभर रही है तथा समुद्री विविधता बहुत महत्वपूर्ण हो गई है, इसलिए उसे आधुनिक बनाना और हमेशा सर्वोत्तम साधनों, हथियारों व सेंसर से लैस करना अहम है." वाइस एडिमरल स्वामीनाथन ने कहा कि इस जहाज का नाम त्रिपुट रखा गया है, जो भारतीय नौसेना की शक्तिशाली तलवार और प्रतीकात्मक अदम्य साहस और दृढ़ संकल्प तथा हमला करने की क्षमता के कारण रखा गया है . जीएसएल के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक ब्रजेश कुमार उपाध्याय ने कहा कि शिपयार्ड अपने 67 साल पुराने इतिहास में पहली बार इतने बड़े जहाज का निर्माण कर रहा है .

नौसेना प्रमुख ने आईएनएस ब्रह्मपुत्र को हुई क्षति का लिया जायजा

मुंबई। नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी ने मंगलवार को मुंबई गोदी में जाकर युद्धपोत आईएनएस ब्रह्मपुत्र को हुए नुकसान का जायजा लिया. एक अधिकारी ने यह जानकारी दी. उन्होंने बताया कि दो दिन पहले अग्रिम मोर्चे पर सेवा देने वाले युद्धपोत पर आग लग गई थी. अधिकारी ने बताया, 'नौसेना प्रमुख ने बल की गोदी का दौरा किया और स्थिति का जायजा लिया. उन्होंने युद्धपोत की मरम्मत के लिए उठाए जाने वाले अगले कदम पर भी चर्चा की.'

युद्धपोत में आग लगने के बाद से उस पर सवार एक नाविक लापता है. पोत मुंबई की नौसेना गोदी में है. अधिकारी ने बताया कि बहुदेशीय युद्धपोत पर 21 जुलाई की शाम को आग तब लगी जब मुंबई की गोदी में उसका मरम्मत कार्य चल रहा था. नौसेना ने इससे



पहले बताया था कि युद्धपोत पर मौजूद चालक दल और गोदी में तैनात दमकल कर्मियों एवं वहां मौजूद अन्य जहाजों की मदद से 22 जुलाई की सुबह आग पर काबू पाया जा सका. इसके बाद आग के संभावित खतरे का आकलन और सफाई का कार्य शुरू किया गया. अधिकारी ने बताया कि आग से युद्धपोत सोमवार दोपहर एक लगा लिया गया है जबकि लापता तरफ (बंदरगाह की ओर) झुक गया नाविक की तलाश की जा रही है.

और तमाम कोशिशों के बावजूद उसे सीधा नहीं किया जा सका. उन्होंने बताया कि युद्धपोत अब भी एक ओर झुका हुआ है और मौजूदा समय में गोदी की एक ओर खड़ा है. अधिकारी के मुताबिक एक कनिष्ठ नाविक के अलावा युद्धपोत पर मौजूद सभी जवानों एवं अधिकारियों का पता

ब्रह्मपुत्र को हुए नुकसान का आकलन किया जाएगा

पणजी। नौसेना के उपप्रमुख वाइस एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन ने मंगलवार को कहा कि आग लगने के बाद एक तरफ झुके स्वदेशी युद्धपोत 'आईएनएस ब्रह्मपुत्र' को सीधा किया जा सकता है और घटना में हुए नुकसान का आकलन किया जाएगा . नौर्सेना ने एक विज्ञप्ति में बताया था कि मुंबई नौसैन्य डॉकयार्ड में खड़े बहुउद्देशीय युद्धपोत 'आईएनएस ब्रह्मपुत्र' पर 21 जुलाई की शाम को मरम्मत कार्य के दौरान आग लग गई थी . इसमें बताया गया था कि युद्धपोत के चालक दल ने डॉकयार्ड में तैनात दमकल कर्मियों और वहां खड़े अन्य जहाजों के कर्मचारियों की मदद से सोमवार सुबह तक आग पर काबू पा लिया गया था.

🔻 बीफ खबरें

माली में हिंसक हमले में 26 ग्रामीणों की मौत

बमाको। बुर्किना फासो की सीमा के समीप माली के मध्य क्षेत्र के एक गांव पर एक सशस्त्र समूह द्वारा किए गए हमले में कम से कम 26 लोगों की मौत हो गई. बैंकोस कस्बे के मेयर मौलाये गुइंडो ने बताया कि डेंबो गांव में हमलावरों ने रविवार शाम को ग्रामीणों पर उस समय हमला कर दिया, जब उनमें से अधिकतर लोग अपने खेतों में काम कर रहे थे. देश की सैन्य सरकार उत्तरी क्षेत्र में हिंसा को रोकने के लिए संघर्ष कर रही है. इसके पीछे अल-कायदा से जुड़े चरमपंथी संगठन 'जेएनआईएम' का हाथ माना जा रहा है जो क्षेत्र के ग्रामीणों को अक्सर निशाना बनाता है.

कोलंबिया में सांडों की लडाई पर लगा प्रतिबंध

बोगोटा। कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो ने इस दक्षिण अमेरिकी देश में सांडों की लड़ाई पर प्रतिबंध लगाने के प्रावधान वाले विधेयक पर सोमवार को हस्ताक्षर किए. इसके साथ ही दुनियाभर में उन देशों की संख्या और कम हो गई, जहां सदियों परानी यह परंपरा अब भी वैध है, बोगोटा में सांडों के अखाड़े में आयोजित एक समारोह के दौरान सांड जैसी पोशाक पहने एक समर्थक ने पेट्रो को विधेयक की प्रति सौंपी, जिस पर उन्होंने सैकडों पश अधिकार कार्यकर्ताओं के सामने हस्ताक्षर किए. कई महीनों की तीखी बहस के बाद मई में कोलंबिया की संसद ने सांडों की लडाई पर प्रतिबंध लगाए जाने को मंजूरी दे दी थी.

'अश्लील सामग्री' पर नेटपिलक्स को समन

नयी दिल्ली। बाल अधिकारों की

शीर्ष निकाय एनसीपीसीआर ने नेटफ्लक्स के अधिकारियों को उनके मंच पर कथित तौर पर 'अश्लील सामग्री' नाबालिगों तक सुलभ होने के मामले में सोमवार को तलब किया है. नेटफ्लिक्स की ओर से इस मामले में तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं मिल सकी है. राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) ने मंगलवार को नेटफ्लिक्स के अधिकारियों को भेजे पत्र में कहा, 'नेटफ्लिक्स पर नाबालिगों तक 'अश्लील सामग्री की बिना रोक टोक पहुंच' यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम-2012 का उल्लंघन है.'

वर्षों से जारी मतभेद खत्म : बीजिंग में घोषणा पत्र पर किए हस्ताक्षर

फलस्तीनी क्षेत्र में हमास व फतह की 'संयुक्त सरकार'

एजेंसी।रामल्ला (वेस्ट बैंक)

गाजा पट्टी में गहराते युद्ध संकट के बीच फलस्तीन के प्रतिद्वंद्वी समूहों हमास और फतह ने वर्षों से जारी आपसी मतभेदों को खत्म करने के लिए बीजिंग में घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए. चीन के सरकारी मीडिया ने मंगलवार को यह जानकारी दी. गाजा पट्टी में गहराते युद्ध संकट के बीच यह घोषणापत्र फलस्तीनी क्षेत्र में मिलकर सरकार बनाने के मकसद से हमास और फतह को एकजुट करने के लिए जारी कई दौर की बातचीत का नतीजा है. हालांकि, दोनों पक्ष आपसी मतभेद दूर करने के लिए पहले भी कई ऐसे घोषणापत्र पर दस्तखत कर चुके हैं, जो विफल रहे हैं. ऐसे में बड़ा सवाल है कि क्या चीन प्रायोजित वार्ता से वास्तव में कोई समाधान निकल सकता है.

इस घोषणापत्र पर ऐसे समय में हस्ताक्षर किए गए हैं, जब इजराइल और हमास अंतरराष्ट्रीय स्तर पर समर्थित संघर्ष-विराम प्रस्ताव पर विचार कर रहे हैं, जो गाजा पट्टी में नौ महीने से जारी युद्ध को समाप्त कर सकता है और हमास द्वारा



चीन के विदेश मंत्री वांग यी (बीच में) फतह के उपाध्यक्ष महमूद अल-अलौल और हमास के एक विरष्ठ सदस्य. प्रेट्र

इजराइल ने समझौते को किया खारिज, कहा- कोई संयुक्त शासन नहीं होगा

लेकर संशय बरकरार रहेगा, क्योंकि

इजराइल इस क्षेत्र के शासन में

हमास की किसी भी भूमिका के

सीसीटीवी' के मुताबिक, इजराइल के विदेश मंत्री इजराइल काट्ज ने मंगलवार को इस समझौते को खारिज कर दिया और कहा कि गाजा में हमास एवं फतह का कोई संयुक्त शासन नहीं होगा 'क्योंकि हमास के शासन को कुंचल दिया जाएगा.' चीनी मीडिया के मुताबिक फलस्तीन के दोनों प्रतिद्वंद्वी समूहों ने 12 अन्य राजनीतिक गुटों के साथ चीन के विदेश मंत्री वांग यी से मुलाकात की और इसके साथ ही रविवार को शुरू हुई

नागरिकों की आजादी का रास्ता खोल सकता है. हालांकि, समझौते पर सहमति बनने के बावजूद युद्ध

विवरण नहीं दिया गया है कि सरकार कब और कैसे बनेगी . इसमें केवल यह कहा गया है कि सरकार "गुटों के बीच सहमति से" बनाई जाएगी . हमास ने वर्ष 2007 में हिंसक संघर्ष के दौरान फलस्तीन के तत्कालीन राष्ट्रपति महमूद अब्बास के वफादार फतह लड़ाकों को गाजा पट्टी से खदेड़कर क्षेत्र पर कब्जा कर लिया था . के बाद गाजा पट्टी की स्थिति को

बातचीत का समापन हुआ. बीजिंग में हालिया वार्ता के

बाद जारी एक संयुक्त बयान में इस संबंध में कोई

खिलाफ है. उसने गाजा को फतह-प्रभुत्व वाले फलस्तीनी प्राधिकरण द्वारा संचालित करने के अमेरिका के आह्वान को भी खारिज कर दिया है.

श्रीलंकाई मंत्रिमंडल ने एक बैठक में माफी मांगने के प्रस्ताव को दी मंजूरी कोविड-१९ पीड़ितों के जबरन दाह संस्कार पर

मुसलमानों से माफी मांगेगी श्रीलंका सरकार

श्रीलंका की सरकार ने मंगलवार को कहा कि वह कोविड-19 से जान गंवाने वाले मुस्लिम व्यक्तियों के जबरन दाह संस्कार के लिए देश के मुस्लिम समुदाय से औपचारिक रूप से माफी मांगेगी. श्रीलंकाई सरकार ने स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं के कारण कोरोना महामारी के दौरान विवादित शवदाह नीति लागू की थी.

वर्ष 2020 में कोविड-19 पीड़ितों के दाह संस्कार का अनिवार्य आदेश जारी किया गया था जिससे मुसलमानों सहित कई अन्य अल्पसंख्यक समुदायों को उनके धार्मिक अधिकारों से वंचित होना पड़ा था. हालांकि, बढती अंतरराष्ट्रीय आलोचना के बीच

पुंछ : घुसपैठ की कोशिश नाकाम, एक जवान घायल

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में सेना ने मंगलवार तड़के नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर आतंकवादी घुसपैठ की कोशिश नाकाम कर दी. हालांकि. इस दौरान मुठभेड़ में एक सैनिक के घायल होने की खबर है. 'व्हाइट नाइट कॉर्प्स' ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "सतर्क सैनिकों ने तड़के तीन बजे बट्टल सेक्टर में घुसपैठ की फिराक में जुटे आतंकवादियों की गोलीबारी का माकूल जवाब देकर घुसपैठ की कोशिश नाकाम कर दी."

मुस्लिम समुदाय ने जबरन दाह संरकार नीति का किया था विरोध

मुस्लिम समुदाय ने जबरन दाह संस्कार नीति का विरोध किया था और कछ ने तो अपने प्रियजनों के शवों को अस्पताल के मुर्दाघरों में छोड़ दिया था . समुदाय के सदस्यों ने कहा था कि या तो उन्हें शव जलाने की अनुमति देने के लिए मजबुर किया गया था या उनकी जानकारी के बिना ऐसा कियाँ गया था . इस्लाम में शव दाह वर्जित है . फरवरी 2021 में आदेश के रद्द किये जाने से पहले श्रीलंका में 276 मुस्लिमों का दाह संस्कार किया गया . श्रीलंका की सरकार ने स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं का हवाला देकर दफनाने की अनुमति देने की मांग का विरोध किया था.

फरवरी 2021 में इस आदेश को रद्द कर दिया गया था. एक कैबिनेट नोट के अनुसार, श्रीलंकाई मंत्रिमंडल ने सोमवार को एक बैठक में मार्च 2020 में थोपे गए आदेश के लिए मुस्लिम समुदाय से माफी मांगने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी. इसमें कहा गया है कि मंत्रिमंडल ने सरकार की ओर से सभी

समुदायों से माफी मांगने का फैसला किया है. मंत्रिमंडल ने ऐसे विवादास्पद कदमों की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए कानून लाने का भी निर्णय लिया. बयान में कहा गया है कि मंत्रिमंडल ने धर्म के आधार पर शवों को दफनाने या दाह संस्कार पर एक प्रस्तावित कानून को भी मंजूरी दे दी है.

मेडिकल छात्रों के लिए नीट को खत्म कर राज्य की अलग प्रवेश परीक्षा लेगी कर्नाटक सरकार

बेंगलुरु। कर्नाटक सरकार पेपर लीक मामले के बाद राज्य में मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश के लिए राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) को खत्म करने की तैयारी कर रही है. सोमवार को कैबिनेट ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी और वे मौजूदा सत्र के दौरान दोनों सदनों में प्रस्ताव पारित करने के लिए तैयार हैं. हिंदुस्तान टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, अगर विधेयक पारित हो जाता है, तो कर्नाटक की अपनी मेडिकल प्रवेश परीक्षा होगी. इसके अलावा, कैबिनेट ने ग्रेटर बेंगलुरु अथॉरिटी (जीबीए) का भी प्रस्ताव रखा है जो वर्तमान बृहत बेंगलुरु महानगर पालिका से बेंगलुरु पर वित्तीय शक्ति लेगी. बेंगलुरु के पुनर्गठन की योजना लंबे समय से लंबित थी. 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' के खिलाफ एक और प्रस्ताव भी विधानसभा सत्र में पेश किया जाएगा. इससे पहले कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा था कि नीट परीक्षा उत्तर भारत के छात्रों को लाभ पहुंचा रही है. उन्होंने कहा, 'नीट परीक्षा को तुरंत खत्म किया जाना चाहिए और केंद्र सरकार को राज्यों को अपनी खुद की परीक्षा आयोजित करने की अनुमति देनी चाहिए

दिल्ली हाईकोर्ट ने 38 पन्नों के अपने आदेश में दिल्ली पुलिस पर की सख्त टिप्पणी

राष्ट्रगान गाने को मजबूर किए गए युवक की मौत मामले की जांच सीबीआई करेगी

एजेंसी। नयी दिल्ली

दिल्ली उच्च न्यायालय ने मंगलवार को 23 वर्षीय एक युवक की मौत से संबंधित मामला केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को स्थानांतरित कर दिया, जिसे 2020 में शहर के उत्तर पूर्वी हिस्से में हुए दंगों के दौरान कथित तौर पर पीटा गया और राष्ट्रगान गाने के लिए मजबूर किया गया था. इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से प्रसारित हुआ था.

फैजान की मां ने मामले की विशेष जांच दल (एसआईटी) से जांच कराने के लिए याचिका दायर की थी. इस पर फैसला सुनाते हुए न्यायमूर्ति अनूप जयराम भंभानी ने कहा कि अभी तक



पहचाने नहीं गए पुलिसकर्मियों पर 'धार्मिक कट्टरता से प्रेरित' होकर मानवाधिकारों का घोर उल्लंघन करने का आरोप हैं. यह तथ्य कि अपराधी स्वयं जांच एजेंसी के सदस्य हैं, भरोसा पैदा नहीं करता है. न्यायमूर्ति भंभानी ने टिप्पणी की कि पुलिस जांच के दौरान घृणा अपराधों से तत्परता से निपटने के उच्चतम न्यायालय के फैसले की भावना

को पूरा नहीं किया गया है. अदालत ने कहा, 'घृणा-अपराध की घटनाओं को रोकने के बजाय वर्तमान मामले में कुछ पुलिसकर्मी याचिकाकर्ता के बेटे के खिलाफ भीड-हिंसा में संलिप्त पाए गए हैं. इन परिस्थितियों में, यह अदालत याचिका का निस्तारण करने को सहमत है और निर्देश देती है कि मामले की जांच तत्काल कानून के तहत आगे की जांच के लिए सीबीआई, नयी दिल्ली को हस्तांतरित कर दी जाएगी.' अदालत ने अपने 38 पन्नों के आदेश में कहा कि दिल्ली पुलिस ने अब तक जो कुछ किया है, वह 'बहुत कम और बहुत देर से किया गया' है. उसकी अब तक की जांच में भी कई विसंगतियां और भटकाव है.

अपराधी होता है : भाजपा एजेंसी। सूरत गुजरात में कांग्रेस ने आरोप लगाया

कि सूरत में मादक पदार्थ के एक मामले में पकड़ा गया व्यक्ति राज्य के गृह मंत्री हर्ष सांघवी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष सी आर पाटिल समेत सत्तारूढ़ पार्टी के कई शीर्ष नेताओं का करीबी है जिसके बाद दोनों दलों के बीच राजनीतिक खींचतान शुरू हो गयी है. कांग्रेस के आरोपों पर भाजपा ने कहा कि मादक पदार्थ के तस्कर की गिरफ्तारी दिखाती है कि उसकी पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार में पलिस की मादक पदार्थ के मद्दे पर



मादक पदार्थ मामले में एक व्यक्ति की गिरफ्तारी पर भाजपा-कांग्रेस आमने-सामने

इग्स तस्करी में पकड़ा गया भाजपा नेता विकास अहीर योगी आदित्यनाथ के साथ.

बिल्कुल न बर्दाश्त करने की नीति है और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी चाहे उनका कोई भी राजनीतिक संबंध हो. सरत के पलिस आयुक्त अनुपम सिंह गहलोत ने कहा कि एक खुफिया सूचना के आधार पर

जेडी वेंस ने कमला हैरिस पर किए तीखे हमले

रेडफोर्ड (अमेरिका)। रिपब्लिकन पार्टी की ओर से उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार

जेडी वेंस ने सोमवार को अपनी शुरुआती चुनावी रैलियों में मौजुदा उपराष्ट्रपति

बाइडन को मैदान छोड़ने वाले व्यक्ति के साथ ही अमेरिका के इतिहास में सबसे

खराब राष्ट्रपतियों में से एक के रूप में याद रखेगा, लेकिन मेरे दोस्तों, कमला

करने की उनकी (बाइडन) मानिसक क्षमता के बारे में झुट बोला है.

हैरिस उनसे भी लाख गुना बदतर हैं और यह बात हर कोई जानता है. उन्होंने जो

बाइडन की हर विफलता पर मूहर लगायी है और उन्होंने राष्ट्रपति के रूप में काम

कमला हैरिस पर तीखे हमले किए. वेंस ने वर्जीनिया में कहा, 'इतिहास जो

सूरत पुलिस ने सोमवार को शहर के सलाबतपुरा इलाके में एक होटल पर छापा मारा और तीन लोगों को पकड़ा. पुलिस ने उनके पास से 35.49 लाख रुपये की 910 ग्राम मेफेडोन दवा बरामद की.

के असलम साइकिलवाला सहित कई कांग्रेस नेताओं ने कई तस्वीरें पोस्ट कीं, जिनमें अहीर को सांघवी, पाटिल और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ देखा जा सकता है . कांग्रेस की गुजरात इकाई ने फेसबुक पर एक पोस्ट में आरोप लगायाँ कि अहीर भाजपा का सदस्य था और उसने पूछा कि क्या वह गांधीनगर में भाजपा के प्रदेश मुख्यालय 'कमलम' में बैठे

पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को

'कमीशन' दिया करता था?

सांघवी, पाटिल व योगी

आदित्यनाथ के साथ

की कई तस्वीरें जारी

अहीर की गिरफ्तारी के बाद सुरत

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव

डेमोक्रेटिक पार्टी के 2,579 'डेलीगेट' का समर्थन मिला : एपी सर्वेक्षण

कमला हैरिस की राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी लगभग तय

एजेंसी। वाशिंगटन

अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने राष्ट्रपति पद के चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार बनने के लिए पर्याप्त 'डेलीगेट' (पार्टी मतदाताओं के प्रतिनिधि) का समर्थन हासिल कर लिया है. 'एसोसिएटेड प्रेस' (एपी) के एक सर्वेक्षण में यह बात सामने आई है. डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार के सामने राष्ट्रपति पद के चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप की चुनौती होगी. राष्ट्रपति जो बाइडन ने रविवार को घोषणा की कि वह राष्ट्रपति पद का आगामी चुनाव नहीं लड़ेंगे. इसके साथ ही उन्होंने डेमोक्रेटिक पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार के तौर पर उपराष्ट्रपति कमला हैरिस





इस बीच, कमला हैरिस ने राष्ट्रपति पद के लिए अपने चनाव प्रचार अभियान की शरुआत रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप पर तीखे हमले के साथ की . उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्व राष्ट्रपति देश को पीछे ले जाना चाहते हैं . डेलावेयर के विलिमंगटन में सोमवार को अपनी प्रचार टीम को संबोधित करते हुए कमला (59) ने कहा कि ट्रंप का विवादित प्रोजेक्ट २०२५ 'मध्यम वर्ग को कमर्जोर करेगा और हमें एक बार फिर उन विफल नीतियों की ओर ले जाएगा, जिनके तहत अरबपतियों और बड़ी कंपनियों को करों में भारी छट दी गई और कामकाजी लोगों से इसकी भरपाई करवाई गई .'कमला ने प्रचार टीम के सदस्यों से कहा कि वह 'बाइडन–हैरिस कैंपेन टीम' को बरकरार रख रही हैं .

के नाम का अनुमोदन किया. बाइडन के राष्ट्रपति पद की दौड़ से बाहर होने के बाद डेमोक्रेटिक पार्टी के प्रमख नेता हैरिस के समर्थन में तत्काल हो खड़े हो गए और उनके प्रचार अभियान ने 24 घंटे में चंदा एकत्र करने का नया रिकॉर्ड बनाया. हैरिस को सोमवार रात तक कम से कम 2,579 'डेलीगेट' का समर्थन प्राप्त हो चुका था, जबकि पार्टी उम्मीदवार बनने के लिए 1,976 'डेलीगेट' की आवश्यकता होती है. एपी की यह गणना व्यक्तिगत 'डेलीगेट' के साक्षात्कारों, हैरिस को समर्थन देने की घोषणा करने वाले राज्य स्तरीय दलों के सार्वजनिक बयानों और

व्यक्तिगत 'डेलीगेट' के सार्वजनिक तौर पर दिए बयानों पर आधारित है. बाइडन कमला के लिए प्रचार करेंगे: वहीं अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने नवंबर में प्रस्तावित राष्ट्रपति चुनाव की दौड़ से पीछे हटने के अपने फैसले को सोमवार को 'सही कदम' करार दिया. उन्होंने कहा कि कोविड-19 संक्रमण के चलते वह अभी लोगों के बीच नहीं जा पा रहे हैं. लेकिन वह जल्द ही उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के साथ चुनाव प्रचार करते नजर आएंगे. बाइडन ने गत रविवार को राष्ट्रपति

पद की दौड़ से बाहर होने की घोषणा

करते हुए डेमोक्रेटिक पार्टी की तरफ

से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी के लिए भारतीय-अफ्रीकी मूल की कमला हैरिस (59) के नाम की सिफारिश की थी. अपनी पूर्व प्रचार टीम को फोन पर संबोधित करते हुए बाइडन ने इसके सदस्यों से उपराष्ट्रपति कमला को 'दिल से अपनाने' का आग्रह किया.

इथियोपिया में भूस्खलन में बच्चों समेत कम से कम १५७ की मौत

 मलबे से पांच लोगों को जीवित निकाला गया, कई लापता

एजेंसी। अदीस अबाबा

इथियोपिया के एक दुरस्थ क्षेत्र में भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन में कम से कम 157 लोगों की मौत हो गयी. स्थानीय प्रशासक दागमावी आयेले ने बताया कि दक्षिणी इथियोपिया के केंचो शाचा गोजदी जिले में मिट्टी धंसने की घटना में मारे गए लोगों में बच्चे और गर्भवती महिलाएं शामिल हैं. गोफा जोन के संचार कार्यालय के प्रमुख कासाहुन अबेयनेह ने बताया कि इलाके में तलाश अभियान जारी रहने के कारण मृतकों की संख्या मंगलवार को बढ़कर 157 हो गयी. सोमवार रात तक 55 लोगों की मौत की सूचना थी.



जहां भूस्खलन हुआ है. ज्यादातर लोग सोमवार सुबह हुए भूस्खलन में दब गए. उस समय बचावकर्मी एक दिन पहले हुए एक अन्य भूस्खलन के बाद पीड़ितों की तलाश कर रहे थे. आयेले ने बताया कि मलबे से पांच लोगों को जीवित निकाला गया. गोफा में एक अन्य अधिकारी मार्कोस मेलीसे ने बताया कि अन्य लोगों को बचाने की कोशिश करते वक्त भूस्खलन की चपेट में आए लोगों में से कई लापता हैं.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा एकाशित संपादक - सुरजीत सिंह, स्थानीय संपादक - संजय सिंह*. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - JHAHIN/2023/84487 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)